शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

राज्य की कांग्रेस सरकार सूखा प्रबंधन में पूरी तरह विफल: अश्वथ नारायण @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 22 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-81

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने खेला विक्टिम कॉर्ड, कहा

हवाई जहाज तो छोड़िए हम रेल का टिकट भी नहीं खरीद सकते

कांग्रेस का खाता फ्रीज होने पर सोनिया, खड़गे और राहुल ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दिल्ली 21 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया और राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने के मुद्दे पर जमकर हमले बोले गए। केंद्र सरकार को केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और चुनावी चंदों के मुद्दों पर घेरा गया। खरगे, सोनिया, अजय माकन से लेकर राहुल तक, सभी ने मोदी सरकार को जमकर घेरा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे सभी बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। हम कोई प्रचार नहीं कर सकते, हम अपने कार्यकर्ताओं का समर्थन नहीं कर सकते, हम अपने उम्मीदवारों का समर्थन नहीं कर सकते।

कांग्रेस की अंदरूनी कलह बाहर आई

आनंद शर्मा ने खड़गे को पत्र भेज राहुल गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस में अंदरूनी कलह सामने आई है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य आनंद शर्मा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम एक पत्र भेजा है। इस पत्र में जो बातें लिखी हैं, उनसे साफ है कि राहुल गांधी के बार बार जाति जनगणना कराए जाने की बात से आनंद शर्मा खुश नहीं हैं। आपको बता दें कि कांग्रेस के प्रमुख चुनावी मुद्दों में एक जाति जनगणना का मुद्दा भी है। अब इस मुद्दे पर कांग्रेस के अंदरखाने कलह साफ नजर आ रही है। आनंद शर्मा ने पार्टी अध्यक्ष खरगे को लिखे खत में इस बात पर जोर दिया है कि यह पूर्व प्रधानमंत्री इदिरा गांधी और राजीव गांधी की विरासत का अपमान करने जैसा है।

कांग्रेस का दिवालियापन आर्थिक नहीं, नैतिक और बौद्धिक है: नड्डा

नई दिल्ली 21 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने देश में लोकतंत्र खत्म होने के कांग्रेस के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस अप्रासंगिक हो गयी है और उसका दिवालियापन आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और बौद्धिक है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरूवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सरकार पर कांग्रेस के बैंक खातों को बंद करने का आरोप लगाया और कहा कि देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है। श्री नड्डा ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि कांग्रेस को जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और ऐतिहासिक हार के डर से उनके शीर्ष नेतृत्व ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और भारतीय लोकतंत्र तथा संस्थानों के खिलाफ बयानबाजी की।

शराब घोटाले और मनी-लॉन्ड्रिंग में ईडी की कार्रवाई

'ईमानदार' केजरीवाल भ्रष्टाचार में गिरफ्तार

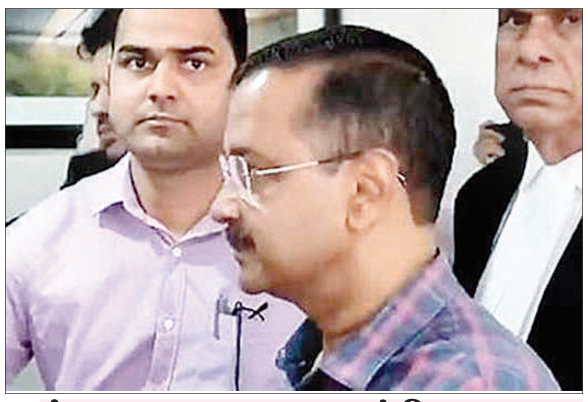

- देश का पहला मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए पकड़ा गया
- दिल्ली हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी रोकने से मना कर दिया था
- गिरफ्तारी के बाद खटखटाया सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गुरुवार रात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के पहलू की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया। आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल को ईडी के अधिकारियों ने दो घंटे की पूछताछ करने के बाद उनके निवास से गिरफ्तार किया। प्रवर्तन निदेशालय की टीम कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पीएमएलए कोर्ट में पेश करेगी। दिल्ली पुलिस सीएम आवास के आसपास ड्रोन से कड़ी निगरानी कर रही है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनकी कानूनी टीम उच्चतम न्यायालय से गुहार लगाने के लिए पहुंच गई है। जांच एजेंसी ने दो घंटे तक पूछताछ के बाद रात 9 बजे यह कार्रवाई की। इस मामले में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया 13 महीने और आपा नेता संजय सिंह 6 महीने से जेल में हैं। इस बीच दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली के सीएम बने रहेंगे। जेल से सरकार चलाएंगे। इधर, केजरीवाल की लीगल टीम ने सुप्रीम कोर्ट में अपील कर फौरन सुनवाई की मांग की। केजरीवाल गिरफ्तार होने वाले पहले सिटिंग सीएम हैं। इससे पहले झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को ईडी ने गिरफ्तार किया था। सोरेन ने ईडी की हिरासत में राजभवन जाकर इस्तीफा दिया था।

इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने आज दिन में केजरीवाल की गिरफ्तारी से बचने की अर्जी को खारिज कर दिया था। उसके बाद ईडी अधिकारियों की टीम मुख्यमंत्री के आवास पर तलाशी के लिए पहुंची और दो घंटे तक पूछताछ की। केजरीवाल मंत्रिमंडल के सहयोगी सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया मंच पर एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया गया है। ईडी की टीम किसी बाहरी व्यक्ति को मुख्यमंत्री के आवास के अंदर जाने की अनुमति नहीं दे रही है। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर संवाददाताओं से कहा कि यहां ईडी छापेमारी की गई है। पुलिस किसी को अंदर नहीं जाने दे रही है। ईडी की जांच के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर नेता, मंत्री और कार्यकर्ता भारी संख्या में एकत्र हो गए थे। जिसके बाद पुलिस ने सीएम केजरीवाल के घर के बाहर धारा 144 लागू कर दी है। वहीं सीएम केजरीवाल का फोन भी जब्त कर लिया है।

इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भाजपा की राजनीतिक टीम (ईडी), केजरीवाल की सोच को कैद नहीं कर सकती क्योंकि आपा ही भाजपा को रोक सकती हैं। सोच को कभी भी दबाया नहीं जा सकता। आम आदमी पार्टी ने एक्स पर कहा, मोदी जी, केजरीवाल एक कट्टर देशभक्त हैं। आपसे और आपकी टटपूंजीयों से नहीं डरने वाले हैं।

उल्लेखनीय है कि केजरीवाल को दिल्ली सरकार की आबकारी नीति तैयार करने और लागू करने में कथित भ्रष्टाचार और धनशोधन से जुड़े मामले में नौ समन जारी किए गए हैं। इस मामले में आपा नेताओं मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जेल में हैं।

मंदिरों पर टैक्स लगाने वाला विधेयक राज्यपाल ने लौटाया

कर्नाटक सरकार से इस मुद्दे पर अधिक स्पष्टीकरण मांगा

बेंगलूरू, 21 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक सरकार के मंदिरों पर टैक्स लगाने वाले बिल को सरकार को वापस लौटा दिया है। राज्यपाल ने विधेयक में और ज्यादा स्पष्टीकरण के साथ फिर से देने का निर्देश दिया है। इस विधेयक में मंदिरों की कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान है। भाजपा द्वारा इस विधेयक का विरोध किया जा रहा है। राजभवन की तरफ से कहा गया है कि साल 2011 और 2012 में जो कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक पेश किया गया था, उस पर हाईकोर्ट की धारवाड़ पीठ ने रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। राजभवन की तरफ से कहा गया है कि उसके बाद से मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसे में इस पर स्पष्टता जरूरी है कि क्या मामले के लंबित रहने के दौरान उसमें संशोधन

किया जा सकता है या नहीं, खासकर जब पूरे विधेयक पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी।।

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने राज्य के मंदिरों पर टैक्स लगाने के लिए कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया था। इस विधेयक के तहत राज्य के जिन मंदिरों की सालाना कमाई 10 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये के बीच में है, उनसे सरकार पांच प्रतिशत टैक्स वसूलेगी। वहीं जिन मंदिरों की सालाना कमाई एक करोड़ रुपये से अधिक है, उन पर सरकार 10 प्रतिशत टैक्स लगाने की तैयारी कर रही है। यह विधेयक विधानसभा के दोनों सदनों से पारित हो चुका है, लेकिन अब राज्यपाल ने इस पर और स्पष्टीकरण देने की मांग करते हुए विधेयक को लौटा दिया है।

युद्ध के लिए सदैव तैयार रहना शांति का सबसे सुरक्षित मार्ग

भारत का उदय वैश्विक शांति,सद्भाव का आश्वासन: धनखड़

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि युद्ध के लिए सदैव तैयार रहना शांति के लिए सबसे सुरक्षित मार्ग है और भारत का उदय वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए एक आश्वासन है।

श्री धनखड़ ने आज यहां एक उपराष्ट्रपति निवास पर अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक सहभागिता कार्यक्रम (आईएन-स्टेप) के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शांति को शक्ति से ही सुरक्षित रखा जा सकता है और युद्ध के लिए सदैव तैयार रहना शांति के लिए सबसे सुरक्षित मार्ग है।

श्री धनखड़ ने कहा कि अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी में भारत का उदय विश्व शांति, सद्भाव और वैश्विक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा आश्वासन है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक शांति, स्थिरता और सद्भाव को बनाए

रखने और बनाए रखने के लिए समान विचारधारा वाले देशों को शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन-स्टेप 21 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और आठ भारतीय अधिकारियों वाले इस दो सप्ताह के कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक विकास पर है और यह वृद्धि अजेय है। उन्होंने कहा कि भारत की असाधारण विकास की कहानी है जो दूरदर्शी नेतृत्व, समावेशी विकास और अटूट दृढ़ता का उदाहरण है। अर्थव्यवस्था और प्रभावी कूटनीति और बढ़ती सौम्य शक्ति के कारण दुनिया शांति के लिए सकारात्मक परिवेश के लिए भारत की ओर देख रही है।

वैश्विक शांति और सुरक्षा को विकास के लिए अनिवार्य करार देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शांति की सबसे अच्छी स्थिति शक्ति है। युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहना शांतिपूर्ण माहौल के लिए सबसे सुरक्षित मार्ग है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में टकराव करने वाले देशों से परे वैश्विक अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला पर इसका असर पड़ता है और ऐसे टकराव का समाधान कूटनीति और बातचीत में निहित है।

एसबीआई ने चुनावी बॉन्ड की सभी जानकारियां चुनाव आयोग को सौंपी

सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हर बॉन्ड का सीरियल नंबर भी दिया

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि उसने चुनाव आयोग को इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी सारी जानकारी सौंप दी है।

एसबीआई ने कहा कि नई जानकारी में बॉन्ड्स के सीरियल नंबर भी शामिल हैं। पिछली बार इनकी जानकारी नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई के चेयरमैन को फटकार लगाई थी। 18 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को आदेश दिया था कि 21 मार्च की शाम 5 बजे तक हर बॉन्ड का अल्फान्यूमेरिक नंबर और सीरियल नंबर, खरीद की तारीख और राशि सहित सभी जानकारियां दें। बैंक ने दोपहर 3.30 बजे ही कोर्ट में एफिडेविट दाखिल कर दिया। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने एफिडेविट में यह भी लिखा कि बैंक अकाउंट नंबर और केवाईसी के अलावा कोई भी डिटेल नहीं रोकी गई है। सुरक्षा कारणों के चलते चंदा देने वालों और राजनीतिक दलों के केवाईसी नंबर सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि एसबीआई जानकारियों का खुलासा करते वक्त सिलेक्टिव नहीं हो सकता।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 68,240/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 75,850/- (प्रति किलोग्राम)

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक से सुप्रीम इनकार

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य दो आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति संबंधी 2023 के (संशोधित) कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि 2023 का फैसला नहीं कहता कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए सिलेक्शन पैनल में ज्यूडीशियल मेंबर होना चाहिए। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि हम अब कानून

पर रोक नहीं लगा सकते हैं। रोक लगाने से केवल अराजकता और अनिश्चितता पैदा होगी। कोर्ट ने कहा कि नए निर्वाचन आयुक्तों पर तो कोई भी आरोप नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि चुनाव आयोग कार्यपालिका के अधीन है। देश में बहुत अच्छे चुनाव आयुक्त रहे हैं। हालांकि कोर्ट ने कानून को चुनौती देने वाली मुख्य याचिकाओं की जांच करने का आश्वासन दिया है।

पीठ ने कहा कि चयन समिति के सदस्यों को विचार-विमर्श के लिए अधिक समय दिया जा सकता था। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को 14 मार्च को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। इससे ठीक एक दिन पहले शीर्ष अदालत में इससे संबंधित मामले की सुनवाई होनी थी।

पीठ ने आगाह करते हुए कहा कि ऐसी संवैधानिक नियुक्तियों से सावधान रहना होगा। विपक्ष के नेता को बैठक से पहले उम्मीदवारों पर विचार करने के लिए कोई समय नहीं दिया गया। ऐसा लगता है कि कुछ ही घंटों में 200 नामों पर विचार किया गया। पीठ ने कहा कि जब मामला अदालत में विचाराधीन है तो सरकार चयन संबंधी बैठक को एक या दो दिन के लिए टाल सकती थी।

पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट बंद करे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के तहत फैक्ट चेक यूनिट बनाने को लेकर केंद्र की अधिसूचना पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि यह अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ है। इस फैक्ट चेक यूनिट को केंद्र सरकार के बारे में फर्जी खबरों की पहचान करने और उसे रोकने के लिए बनाया गया था। सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 11 मार्च के आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें फैक्ट चेकिंग यूनिट बनाने पर रोक लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने 20 मार्च को सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के तहत फैक्ट चेक यूनिट को अधिसूचित किया था। 2023 अप्रैल में सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में संशोधन किए गए थे।

कार्टून कॉर्नर

तमिलनाडु की नौ सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों का ऐलान

तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई और अन्नामलाई को भी मिला मौका

नई दिल्ली 21 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने तीसरी लिस्ट जारी करते हुए नौ उम्मीदवारों की घोषणा की है। कोयंबटूर से अन्नामलाई को भाजपा ने चुनावी मैदानी में उतारा है। चेन्नई दक्षिण से तमिलिसाई सुंदरराजन, चेन्नई सेंट्रल से विनोज पी. सेल्वम, वेल्लोर से ए. सी. शनमुगम. कृष्णागिरी से सी. नरसिम्हन, नीलगिरी से एल. मुरुगन, पेरम्बलुर से टी. आर. परिवेन्धर, थूथुकुड़ी से नैनार नागेन्द्रन और कन्याकुमारी से पोन. राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया गया है।गौरतलब है कि भाजपा की पहली सूची में 195 नामों का एलान किया गया था, जिसमें 34 केंद्रीय और राज्य मंत्रियों के नाम सूची में थे। पहली सूची में 28 महिलाओं को भी मौका दिया गया था। दूसरी सूची में 72 नामों को शामिल किया गया था। 72 उम्मीदवारों की दूसरी सूची में नागपुर से नितिन गडकरी और हमीरपुर से अनुराग ठाकुर को टिकट दिया गया था।भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव यानी 2019 में 543 सीटों में से 436 पर उम्मीदवार उतारे थे। बाकी सीटें पार्टी ने सहयोगी दलों को दी थीं। जिन 436 सीटों पर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, उनमें से पार्टी को 303 पर जीत मिली थी। यह आंकड़ा लोकसभा में बहुमत के आंकड़े 272 से भी ज्यादा था। इसके अलावा 72 सीटों पर भाजपा दूसरे नंबर, 31 सीटों पर तीसरे नंबर और 30 सीटों पर इससे भी नीचे रही थी,जबकि 51 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों की जमानत भी जब्त हो गई थी।

शेयर मार्केट

बीएसई : 72,641.19 +539.50 +0.75% ↑

एनएसई :22,011.95 172.85 (0.79%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^{0}

न्यूनतम : 23^{0}

शुभ लाभ DAILY

फाल्गुन एकादशी पर बाबा श्याम के मन्दिर में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। फाल्गुन माह में प्रति वर्ष राजस्थान के खाटू धाम में कलयुगी अवतार बाबा श्याम का लखी मेला लगता है। इसी के तहत बुधवार को फाल्गुन एकादशी का नजारा बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने स्थित खाटू श्याम मन्दिर पर देखने को मिला। सुबह से पूरे दिन श्याम भक्तों की निशान चढ़ाने के लिये अपार भीड़ लगी हुई थी। शाम 4.15 बजे से मंदिर कमेटी द्वारा मंदिर प्रांगण में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम बाबा की ज्योत प्रज्वलित की गई। तत्पश्चात स्थानीय गायक कलाकारों द्वारा बाबा श्याम को रिझाया गया।

मुंबई के भजन गायक राकेश बावलिया के मंदिर परिसर में पहुँचने पर जय जय श्री श्याम के जयकारे लगने लगे। मीठे मीठे भजनों से बाबा श्याम को रिझाते हुए फाल्गुन होली धमाल की प्रस्तुति पर बाबा श्याम के संग फूलों की होली खेलकर भक्तों ने आनन्द लिया। पूरा मंदिर परिसर श्याम रंग में रंगा हुआ था। इस अवसर पर भव्य श्रृंगार किया गया। बाबा श्याम के श्रृंगार की झांकी के दर्शन करने को भक्त लम्बी लाइन में लगकर अपने बाबा को निहारते रहे। छप्पन भोग का भी भोग अर्पण किया गया। इस अवसर पर मंदिर के संस्थापक सदस्य महेश गुप्ता, रेवन्त मल झँवर, सुशील राणासरिया, प्रभात किशनपुरिया, ऋषि गुप्ता, देवीलाल गोयल, श्री श्याम गौशाला के सतीश गोयल के साथ बड़ी संख्या में अनेक संस्था समाज के गणमान्य लोगों ने उप-स्थित होकर हाजरी लगाई।

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव में सजा बाबा श्याम का दरबार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्याम भक्त मंडल द्वारा जयनगर स्थित अशोका पिल्लर के पास महाराजा अग्रसेन भवन में फाल्गुन एकादशी पर श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया गया। सायं 5 बजे शुरू भजन संध्या में बाबा का भव्य दरबार सजाते हुए श्रृंगार किया गया और मंडल के सदस्यों ने परिवार सहित पूजन कर अखण्ड ज्योत प्रज्वलित कर भजन संध्या की शुरुआत की। मंडल के गायकों ने गणेश वंदना की प्रस्तुति के साथ बाबा श्याम को रिझाया। बीकानेर के गायक मयंक शर्मा के दरबार में पहुँचने पर उपस्थित भक्तों ने जय श्री श्याम के जयकारे से अभिनन्दन किया। मेहमान गायक का मंडल के द्वारा माला व दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। तत्पश्चात गणपति वंदना से

भजन की प्रस्तुति के साथ साल-ासर बालाजी व खाटू श्याम के भजनों की प्रस्तुति पर भक्तों ने आनंद लिया। होली धमाल पर भक्तों ने फूलों की होली खेली व गुलाल लगाकर फाल्गुन मेले की एकदूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर संतोष केडिया, मनोज पोद्दार, बिमल सरावगी, प्रदीप शर्मा, पंकज अग्रवाल , विकास चन्द्र बालोदिया, पंकज टिबरेवाल, राकेश जिंदल, संदीप पोद्दार, विकास चौधरी, रिंकेश बेरोलिया, सुशील और सनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य सदस्यों ने हाजरी लगाई।

संघवी उत्तमचन्द आच्छा अध्यक्ष, राकेश दलाल मंत्री नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सकल जैन संघ मंजूनाथ नगर, शिवनगर के तत्वावधान में जैन भवन में आम चुनाव संपन्न हुआ। साथ ही गत वर्ष का लेखा जोखा पेश किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए संघवी उत्तमचन्द आच्छा, उपाध्यक्ष विनोद मेडतवाल, मंत्री राकेश दलाल, सहमंत्री चेतन झारमुथा, कोषाध्यक्ष रेखराज सांडबोहरा, प्रचार प्रसार मंत्री अंकित आच्छा को चुना गया। कार्यकारिणी समिति में सुरेश बाघमार, राजेश कोठारी, दिनेश छाजेड, राजमल बोहरा का चयन हुआ। सहयोगी सदस्यों में अशोक खींचा, माणकचन्द धानेशा, सम्पतराज दक, मुकेश भण्डारी चुने गए। अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा ने सबका आभार व्यक्त किया एवं श्री संघ के तत्वावधान में चल रहे सुकार्यों को और ज्यादा आगे बढ़ाने की योजना रखी। साथ ही ज्यादा से ज्यादा साधु – साध्वी भगवंतों की सेवा करने का भाव प्रकट किया। सभी सदस्यों ने बड़े ही हर्ष के साथ अपने कार्यभार स्वीकार किए एवं श्री संघ को और मजबूत करने की परिकल्पना की। सभी सदस्यों ने स्वेच्छा से धार्मिक पाठशाला में पढ़ रहे बच्चों को प्रति रविवार पुरस्कृत करने के लिए राशि लिखाई। यह जानकारी मंत्री अंकित आच्छा ने दी।

कुमारस्वामी की हार्ट सर्जरी रही सफल: निखिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और मेरे पिता एचडी कुमारस्वामी की गुरुवार को चेन्नई के अपोलो अस्पताल में बेहद सफल हृदय सर्जरी हुई। इस संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा उनके प्रशंसकों, शुभचिंतकों, धर्मनिरपेक्ष जनता दल पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और राज्य के सभी लोगों की शुभकामनाओं और भगवान की कृपा से उनके पिता स्वस्थ हैं। उनके स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करने वाले सभी लोगों को हमारे परिवार की ओर से हार्दिक धन्यवाद। उन्होंने कहा कि हम आपके प्यार और विश्वास के कर्जदार हैं। उल्लेखनीय है कि कुमारस्वामी, जो मंगलवार को चेन्नई गए थे और अस्पताल में भर्ती हुए थे, उनके कुछ परीक्षण हुए और गुरुवार को उनके दिल की सर्जरी होनी थी। सर्जरी के बाद वह तीन से चार दिन आराम करेंगे। उन्हें 25 मार्च को अस्प-ताल से छुट्टी मिल जाएगी और वह बेंगलूरु लौट आएंगे। अमेरिकी विशेषज्ञ डॉक्टरों ने कुमारस्वामी का ऑपरेशन किया। सर्जरी की जानकारी खुद कुमारस्वामी ने दी थी क्योंकि उन्हें जन्म से ही हृदय संबंधी समस्या है। दिल की दो सर्जरी पहले ही हो चुकी है। व्यस्त राजनीतिक जीवन शैली के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने कहा है कि इस बार उनकी हाई लेवल सर्जरी होगी। अस्पताल से लौटने के बाद वह लोकसभा चुनाव प्रचार में शामिल होंगे।

होली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा बुधवार को होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन तेरापंथ भवन आर आर नगर में किया गया। मंडल की बहनों ने होली के गीतों से कार्यक्रम की शुरुआत की। महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी ने पधारे हुए सभी का स्वागत किया। मंडल की सभी बहनों ने बहुत ही उत्साह से सभी प्रस्तुतियों में भाग लिया। मंडल की पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी बहनों द्वारा होली के त्यौहार पर एक रोचक प्रस्तुति दी गई। काउन्टर ड्यूटी में संगीता सुराना, स्वेता कोठारी, दीपाली गोलछा, सुधा नोलखा, ज्योति दूगड़ का सहयोग रहा। प्रस्तुति में महिला मंडल सदस्या वन्दना भंसाली, निशा छाजेड़, ज्योति पगारिया का श्रम रहा। तत्पश्चात गेम का रोचक सत्र रहा। गेम में सभी महिलाओं को समायोजित करते हुए तीन टीम बनाई गई। सभी बहनों ने बहुत ही उत्साह से गेम्स के अलग अलग राउंड में भाग लिया। कार्यक्रम में स्थापक अध्यक्ष कंनच छाजेड़, पूर्व अध्यक्ष सरोज बेद, मंत्री पदमा महेर के अलावा पदाधिकारी, कार्यकारिणी बहनों और महिला मंडल की भी उपस्थिति रही।

कुछ दिनों के अंदर तटीय कर्नाटक में प्री-मानसून बारिश की उम्मीद

मेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तापमान बढ़ रहा है और एक सप्ताह के भीतर तटीय क्षेत्र में प्री-मॉनसून बारिश होने की संभावना है। आमतौर पर, तटीय क्षेत्र में हर साल मार्च के दूसरे सप्ताह में वर्षा होती है। हालाँकि, वैश्विक तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण, हाल के वर्षों में यह पैटर्न बाधित हो गया है।

पिछले साल, असामान्य रूप से हल्के सर्दियों के तापमान के कारण, क्षेत्र में सामान्य से अधिक तापमान का अनुभव हुआ। मेंगलूरु में कई दिनों से तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया जा रहा है। भीषण गर्मी के कारण आसमान में बादल छा गए हैं, जिससे आने वाले सप्ताह के भीतर तटीय क्षेत्र में बारिश की संभावना का संकेत मिल रहा है। आम तौर पर, वर्ष के इस समय तक, तटीय क्षेत्रों में लगभग 4 मिमी वर्षा होनी चाहिए। दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ में अब तक आमतौर पर क्रमशः 7 मिमी, 3 मिमी और 1 मिमी बारिश होती है। हालांकि अभी तक क्षेत्र में बारिश नहीं हुई है। 2023 में, तटीय क्षेत्र में प्री-मॉनसून बारिश में काफी कमी देखी गई। दक्षिण कन्नड़ में केवल 119.4 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य मात्रा से 51 प्रतिशत कम थी। इसी तरह, उडुपी में 151.04 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य मात्रा से 51 प्रतिशत कम है, जबकि उत्तर कन्नड़ में केवल 63 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य मात्रा से 62 प्रतिशत कम है। कुल मिलाकर, कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में पिछले साल प्री-मॉनसून वर्षा में 61 प्रतिशत की कमी देखी गई। मौसम वैज्ञानिक डॉ. राजे गौड़ा ने कहा हाल के दिनों में, तटीय कर्नाटक क्षेत्र में अधिकतम तापमान में वृद्धि हुई है। कुछ क्षेत्रों में बादल बनने और छिटपुट बारिश होने की संभावना है, जिससे तापमान भी कम हो सकता है। वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर, इस वर्ष सामान्य रूप से प्री-मानसून बारिश होने की उम्मीद है।

चेन्नई में हमारा पानी हमारा अधिकार के नारे के साथ प्रदर्शन करें कांग्रेस नेता : आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि डीके शिवकुमार और सिद्धरामैया को 136 कांग्रेस विधायकों को तमिलनाडु ले जाना चाहिए और वहां हमारा पानी हमारा अधिकार है के नारे के साथ चेन्नई में डीएमके कार्यालय के सामने लड़ना चाहिए। शहर के प्रदेश भाजपा कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 136 विधायक 'हमारा पैसा हमारा अधिकार के नारे के साथ दिल्ली में प्रदर्शन करने पहुंचे थे। उनको चेन्नई में भी इसी पैटर्न पर लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी इस दोराहे पर हैं कि राज्य का हित महत्वपूर्ण है या भारत के

साथ गठबंधन महत्वपूर्ण है। अगर आप चाहते हैं कि राज्य की जनता आप पर भरोसा करे, अगर आप दिखाना चाहते हैं कि आप जो कहते हैं वो करते हैं, तो आपको तय करना होगा कि गठबंधन महत्वपूर्ण है या राज्य का हित महत्वपूर्ण है।

इससे पहले गोवा में महादायी को लेकर सोनिया गांधी ने कहा था कि वह कर्नाटक को एक बूंद पानी भी नहीं देंगी। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि अब फिर उन्होंने डीएमके के माध्यम से अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि अगर यह राज्य के हित में है तो मैं सलाह देने को तैयार हूं। मैं डीके शिवकुमार और सिद्धरामैया को अच्छी सलाह दूंगा। मैं असमंजस में हूं कि इनमें पहला कौन और दूसरा कौन। आप कभी नहीं जानते कि सीएम कौन होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने खुद कहा है कि सीएम, सुपर सीएम, फ्यूचर सीएम और शैडो सीएम होंगे।

उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यहां एक कमजोर सरकार है और इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए भारतीय गठबंधन की मुख्य सहयोगी पार्टी डीएमके ने अपने घोषणा पत्र में कहा है कि वह मेकेदातु योजना को लागू करने की इजाजत नहीं देगी। यह कोई बयान नहीं है। उन्होंने कहा सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार ने मेकेदातु परियोजना के संबंध में हमारा पानी हमारा अधिकार नारे के तहत कोविड के दौरान पदयात्रा की थी। साथ ही उन्होंने कहा था कि चाहे कुछ भी हो जाए वह इस प्रोजेक्ट को पूरा करेंगे।

उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अब उनके ही करीबी और सबसे प्रिय मित्र स्टालिन ने यह घोषणा पत्र जारी किया है। साथ ही उन्होंने शिवकुमार-स्टालिन, सिद्धरामैया-स्टालिन के चित्रों को भी प्रदर्शित किया। उन्होंने एक फोटो दिखाते हुए कहा कि शिवकुमार ने मेकेदातु पदयात्रा के दौरान वहां स्नान किया था, लेकिन अब वह बेंगलूरु में स्नान नहीं कर रहे हैं। चेहरा धोने के लिए पानी नहीं है। बेंगलूरु के लोग पानी की कमी से संकट में हैं। मैं बेंगलूरु का रहने वाला हूं। मैं पिछले 50 साल से देख रहा हूं कि जैसा वर्तमान में है, ऐसा कभी नहीं हुआ।

निजी कंपनी के कर्मचारी ने महिला सहकर्मी के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक 33 वर्षीय निजी कंपनी के कर्मचारी ने अपनी महिला सहकर्मी पर शादी के प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद उत्पीड़न और आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाते हुए परप्प-ना अग्रहारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता पवन उपाध्याय वीरसंद्रा में एक निजी फर्म में काम करता है और एक महिला सहकर्मी ने कथित तौर पर उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा था। पवन ने यह कहते हुए प्रस्ताव ठुकरा दिया कि उसे कोई दिलचस्पी नहीं है और उसे अपने माता-पिता की पसंद के लड़के से शादी करने की सलाह दी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि यह कुछ साल पहले की बात है। पवन का तबादला मेंगलूरु कर दिया गया था और वह हाल ही में शहर लौटा था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि यह जानकर कि उसकी सगाई हो गई है, उसके सहकर्मी ने उसके माता-पिता, उसकी मंगेतर के माता-पिता को बुलाया, उन्हें गाली दी और धमकी दी कि वह अपना जीवन समाप्त कर लेगी और अपने डेथ नोट में पवन को दोषी ठहराएगी। पवन ने शिकायत दर्ज करने की कोशिश की लेकिन पुलिस के इनकार के बाद उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया और एक निजी शिकायत दर्ज की और प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश प्राप्त किया। अदालत के निर्देशों के आधार पर, पुलिस ने मंगलवार को आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हंपी युवा क्रिकेटर्स द्वारा हैंपी नगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में राज्य स्तरीय शॉर्ट पिच क्रिकेट प्रतियोगिता डॉ पुनीत राजकुमार मेमोरियल कप का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खेल मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

राज्य की कांग्रेस सरकार सूखा प्रबंधन में पूरी तरह विफल: अश्वथ नारायण

स्टालिन के घोषणापत्र पर कांग्रेस अपना रुख करे स्पष्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण ने आरोप लगाया है कि राज्य की कांग्रेस सरकार सूखे के प्रबंधन में पूरी तरह विफल रही है। शहर के मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य सरकार में 4 साल के शासन के बाद स्वाभाविक रूप से शासन विरोधी लहर शुरू हो जाती है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के 100 दिन पूरे होने से पहले ही शासन विरोधी लहर शुरू हो गई है। विकास के लिए सही तरीके से फंड जारी नहीं किया जा रहा है। राज्य में सूखे की स्थिति है। सूखे से संबंधित कार्य नहीं चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के बसवराज रायरेड्डी और अन्य ने मुख्यमंत्री को लिखा था कि सभी विकास गतिविधियां रुक गई हैं। सूखे के लिए बिना कार्ययोजना बनाए पैसे जारी कर दिए गए हैं।

क्या इस पैसे से सूखे का काम शुरू किया जाना चाहिए? क्या पेयजल योजना बनाई जानी चाहिए? क्या मवेशियों को चारा किट दी जानी चाहिए? कोई कार्ययोजना नहीं बनाई गई है। सिद्धरामैया यह कहते रहे हैं कि उन्होंने केंद्र को 17 हजार करोड़ का अनुरोध सौंपा है। उन्होंने आलोचना की कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कोष (एनडीआरएफ) से धन जारी होने के इंतजार में राज्य आपदा प्रबंधन कोष (एसडीआरएफ) से कभी पैसा जारी नहीं किया गया।

जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे तब बड़े पैमाने पर क्षति हुई थी। उन्होंने याद दिलाया कि भले ही वह अकेले थे, उन्होंने नुकसान देखा और उन लोगों को पैसे जारी किए जिनके घर क्षतिग्रस्त हो गए थे। येदियुरप्पा को कोविड की कठिनाई का भी सामना करना पड़ा। लेकिन सिद्धरामैया अपनी विफलताओं को छीपाने के लिए सिर्फ केंद्र पर उंगली उठा रहे हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह राज्य सरकार की जनविरोधी नीति है। राज्य सरकार ने तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़ने में गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार किया। राज्य सरकार को यह जानकारी देनी चाहिए थी कि मानसून की बारिश में देरी के कारण बांधों में पानी नहीं है, लेकिन उसने अदालत में आवेदन तक नहीं दिया। इसके बजाय, पानी लगातार बहता रहा। उन्होंने बताया कि मार्च और अप्रैल में 5 टीएमसी पानी छोड़ने के आदेश के बावजूद राज्य सरकार ने अब तक इस आदेश के खिलाफ आवेदन दायर नहीं किया है। कर्नाटक की कमजोरी को समझते हुए स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को एक घोषणापत्र जारी किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने बयान दिया है कि अगर भारत गठबंधन जीतता है तो मेकेदातु परियोजना को लागू नहीं होने दिया जाएगा। पिछले 5 अगस्त से कर्नाटक सरकार की विफलताओं को समझते हुए यह चुनावी घोषणापत्र जारी किया गया है। अश्वथ नारायण ने आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें नहीं पता कि राज्य सरकार को यह बात पता है या नहीं। कावेरी फैसले के बाद, बेंगलूरु के पेयजल में सुधार और 400 मेगावाट बिजली उत्पादन की गुंजाइश है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केंद्रीय जल आयोग को सौंपी गई

कावेरी जल प्रबंधन समिति के आदेश पर हमारी सरकार को व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। केंद्रीय जल आयोग द्वारा सूचित किए जाने के बाद तत्कालिन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने 4.8.2018 को व्यवहार्यता रिपोर्ट दी। उन्होंने बताया कि 2019 में एक बार फिर 9 हजार करोड़ की लागत की पूरी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केंद्रीय जल आयोग को सौंपी गई। इसके बाद बसवराज बोम्मई ने 1 हजार करोड़ रुपये जारी किए। डीके शिवकुमार ने कोविड संकट के दौरान परियोजना के संबंध में मेरा पानी मेरा अधिकार है नामक पदयात्रा का आयोजन किया था। लेकिन कन्नड़ अस्मिता की बात करने वाले सिद्धरामैया और डी.के.शिवकुमार ने यह नहीं बताया कि स्टालिन के बयान पर कांग्रेस का रुख क्या है। ये कर्नाटक के किसानों के पीने के पानी का सवाल है। लेकिन कांग्रेस सरकार चुप्पी साधे हुए है। सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार के व्यवहार को देखकर यह लगता है कि यह

किसानों और कर्नाटक के प्रति गद्दारी है। यह कर्नाटक के साथ विश्वासघात है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश प्रवक्ता सुरभि होदिगेरे और वेंकटेश डोडेरी मौजूद थे।

भाजपा, जेडीएस पार्टी कार्यकर्ता भाइयों की तरह चुनाव का करेंगे सामना: आर अशोक

गठबंधन में कोई संकट नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि भाजपा और जद-एस कार्यकर्ता काम करेंगे और भाइयों की तरह लोकसभा चुनाव का सामना करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-सेक्युलर (जेडी-एस) के बीच सीट बंटवारे को लेकर भ्रम पर बात करते हुए अशोक ने कहा कि कोलार संसदीय सीट के लिए टिकट अभी तय नहीं हुआ है। अभी भी चर्चा चल रही है कि क्या जद-एस को दो या तीन सीटें दी जानी चाहिए। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री और जद-एस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी के साथ बातचीत कर रहा है। अशोक ने कहा गठबंधन में कोई संकट नहीं है। इस मामले का सुखद अंत होगा। शुरुआत में कुछ भ्रम हैं। मांड्या लोकसभा सीट पर असमंजस के बारे में बात करते हुए अशोक ने कहा, मौजूदा सांसद सुमलता अंबरीश ने मंगलवार को शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी। टिकट मुख्य रूप से जीतने की संभावनाओं पर किए गए सर्वेक्षणों के आधार पर जारी किए जाते हैं। जाति संयोजन कारकों को भी ध्यान में रखा जाता है। टिकटों पर चर्चा के लिए हमें दिल्ली बुलाया गया था। बैठकें आयोजित की गईं, और दो या तीन दिन में नामों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा मुझे यह भी विश्वास है कि पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा जिन्होंने घोषणा की थी कि वह शिवमोग्गा से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे, वह भी एक सप्ताह में सही रास्ते पर आ जाएंगे। मुझे ईश्वरप्पा और बी.एस. येदियुरप्पा के बीच चर्चा के बारे में पता नहीं है। ईश्वरप्पा हमारी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य हैं। पूर्व सीएम डी.वी. सदानंद गौड़ा की नाखुशी के बारे में बात करते हुए अशोक ने कहा कि वह वरिष्ठ नेता अश्वथ नारायण के साथ उनसे मिले थे। उन्हें बेंगलूरु उत्तर से टिकट मिलने का भरोसा था। दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम पर टिकट के लिए विचार किया जा रहा है। उन्हें उम्मीद थी कि पार्टी उन पर विचार करेगी। उनके पास अभी भी मौका है। हमें इंतजार करना होगा और केंद्र के फैसले को देखना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि, नेतृत्व और सभी को शामिल करने वाले कार्यक्रमों से भाजपा को मदद मिलेगी।

महिला से बदसलूकी के आरोप में स्विगी डिलीवरी एजेंट गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर पुलिस ने एक महिला के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के आरोप में स्विगी से जुड़े 27 वर्षीय फूड डिलीवरी एजेंट को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 17 मार्च को, कलबुर्गी के मूल निवासी आकाश बी ने शाम लगभग 6.30 बजे एचएएल पुलिस सीमा में एईसीएस लेआउट में एक 30 वर्षीय महिला को भोजन दिया। उसने कथित तौर पर उससे कहा कि वह शौचालय का उपयोग करना चाहता है, और महिला ने उसे घर में प्रवेश करने

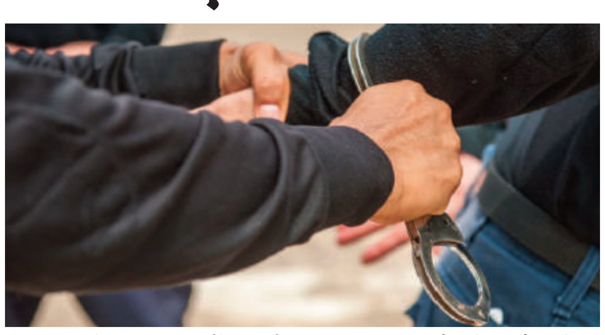

की अनुमति दी। बाद में, उसने महिला से एक गिलास पानी मांगा और जब वह रसोई की ओर गई, तो उसने कथित तौर पर उसका हाथ पकड़ने की कोशिश की। अचंभित होकर महिला ने उसे थप्पड़ मारा और चिल्लाई। पुलिस ने बताया कि आकाश तुरंत वहां से भाग गया। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आकाश का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

किसी भी स्थिति में कांग्रेस में शामिल होने का सवाल नहीं: गौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा सांसद डी वी सदानंद गौड़ा ने कांग्रेस पार्टी से उनके खेमे में शामिल होने का निमंत्रण मिलने का खुलासा किया है। हालाँकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से परिस्थितियों की परवाह किए बिना भाजपा के साथ बने रहने का अपना इरादा बताया। शहर में स्थित अपने आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, गौड़ा ने परोक्ष रूप से राज्य भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र की आलोचना करते हुए कहा राज्य भाजपा एक विशिष्ट परिवार और उनके अनुयायियों तक ही सीमित प्रतीत होती है। इस स्थिति को

सुधारने की जरूरत है। अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में, गौड़ा ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर खेद व्यक्त किया, लेकिन पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने पुष्टि की कि किसी भी परिस्थिति के बावजूद, मैं भाजपा को नहीं छोड़ूंगा। मेरा ध्यान अब कर्नाटक में भाजपा को सुधारने और पुनर्जीवित करने पर है। इससे पहले पूर्व में कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष रह चुके गौड़ा ने सोमवार को कहा था कि वह जल्द ही अपनी आंतरिक भावनाओं को साझा करेंगे। दोबारा नामांकन न मिलने और पार्टी के कुछ नेताओं के खिलाफ बिना नाम लिए अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा यह कहने के लिए कुछ नहीं बचा है कि भाजपा कर्नाटक में अलग तरह की पार्टी है। भाजपा ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, जो वर्तमान में उडुपी-चिक्कमगलूरु लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, को बेंगलूरु उत्तर से चुनाव लड़ने के लिए स्थानांतरित कर दिया। गौड़ा ने पहले चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में यह कहते हुए पीछे हट गए कि उन पर फिर से चुनाव लड़ने का दबाव है। इस बीच, राज्य के प्रमुख समुदायों में से एक वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले गौड़ा ने मंगलवार को राज्य वोक्कालिगा संघ के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा राज्य वोक्कालिगा संघ के अध्यक्ष और उसके सभी पदाधिकारियों ने मुझसे मिलने के लिए समय मांगा था, वे मुझसे बात करना चाहते थे, लेकिन मैंने कहा कि मैं खुद उनसे मिलने आऊंगा।

कांग्रेस सरकार को झटका : राज्यपाल ने मंदिर कर विधेयक पर हस्ताक्षर करने से किया इंकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस सरकार को झटका देते हुए, राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1997 में संशोधन, जिसे भाजपा के विरोध के बीच हाल ही में संपन्न बजट सत्र में मंजूरी दी गई थी, वापस कर दिया है।

कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक, 2024 पर स्पष्टीकरण मांगते हुए, राज्यपाल ने जानना चाहा कि क्या राज्य सरकार ने इसी तरह से अन्य धार्मिक निकायों को शामिल करने के लिए किसी कानून की कल्पना की है। स्पष्टीकरण के लिए विधेयक लौटाने का राज्यपाल का कदम मई 2023 में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद पहला ऐसा कदम है, और यह लोकसभा चुनाव के करीब है। इससे पहले, उन्होंने कन्नड़ भाषा व्यापक विकास अधिनियम,

2022 में संशोधन के लिए अध्यादेश लाने से इनकार कर दिया था और सरकार से कहा था कि विधेयक को विधानमंडल में रखा जाए, क्योंकि सत्र पहले ही बुलाया जा चुका है।

विधेयक, जिसे बाद में विधायिका में पारित किया गया था, यह कहता है कि साइनबोर्ड पर 60 प्रतिशत पाठ कन्नड़ भाषा में होना चाहिए। मुजराई मंदिरों में 40,000 से अधिक अर्चकों (मंदिर के देखभाल करने वालों) के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने और अमीर मंदिरों की आय से धन का उपयोग करके सी श्रेणी के मंदिरों को विकसित करने के लिए बंदोबस्ती अधिनियम में संशोधन को विधान परिषद में भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) ने संयुक्त रूप से पराजित किया था। लेकिन बाद में विधान सभा द्वारा इसे फिर से पारित किया गया और हाल ही में संपन्न बजट सत्र के दौरान परिषद द्वारा मंजूरी दे दी गई। राज्यपाल ने बताया कि विधेयक में पहले 2011 और 2012 में लाए गए संशोधनों को कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है, जिसने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है।

मामला अंतिम सुनवाई के चरण में है। उनके कार्यालय ने स्पष्टीकरण के लिए विधेयक लौटाते हुए राज्य सरकार को सूचित किया कि चूँकि मामला अभी भी सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है, इसलिए अधिक स्पष्टीकरण प्राप्त करना आवश्यक है कि क्या मामले के लंबित रहने के दौरान संशोधन किया जा सकता है, खासकर जब पूरे अधिनियम को पहले ही उच्च न्यायालय ने रोक दिया हो और अपील अंतिम सुनवाई के चरण में हो। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्रालय ने बिल को मुजराई विभाग को भेजकर स्पष्टीकरण मांगा है।

देश और हिंदुओं की सुरक्षा के लिए मोदी का नेतृत्व जरूरी: प्रमोद मुतालिक

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
तमाम पक्ष-विपक्ष और आलोचनात्मक टिप्पणियों को किनारे रखते हुए श्रीराम सेना प्रमुख प्रमोद मुतालिक ने कहा कि देश और हिंदुओं की सुरक्षा के लिए मोदी का नेतृत्व जरूरी है। श्री राम सेना की ओर से ओल्ड हुब्बल्ली सर्कल में आयोजित मोदी, भारत बचाओ कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अगर देश के लिए कुछ करने का जज्बा हो तो मोदी उसका उदाहरण हैं। 2014 से पहले का भारत, 2014 के बाद का भारत, इसका विभाजन और विश्लेषण करें तो सब कुछ पता चल जाता है। उसके आधार पर ही हमें निर्णय लेना होगा। कुकर और साड़ी को वोट मत देना। उन्होंने कहा कि हर किसी को सोचने का विवेक है। कांग्रेस पार्टी अंग्रेजों द्वारा बनाई गई संस्था है। गांधी ने साफ कहा

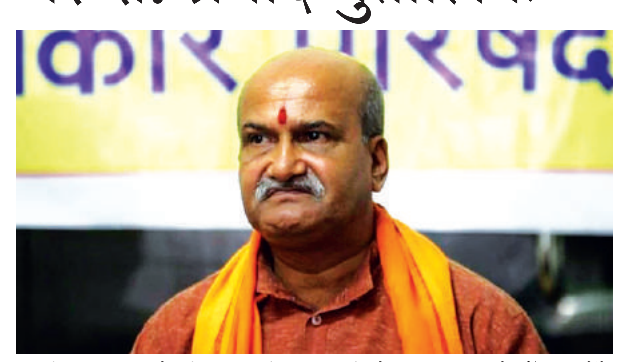

था कि आजादी के लिए स्थापित कांग्रेस को भंग कर दो। उन्होंने कहा था कि अगर कांग्रेस उनके हाथ में आ गई तो देश भ्रष्ट हो जाएगा। हालाँकि, उनके पास कांग्रेस के अलावा कोई विकल्प नहीं है और उन्होंने देश को बर्बाद कर दिया। अंबेडकर ने कहा था कि मैं देश के बंटवारे से सहमत नहीं हूं। अंबेडकर ने कहा था कि पाकिस्तान में मुस्लिम और भारत में हिंदू होने चाहिए। ऐतिहासिक अभिलेख यही कहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने से हमें परेशानी हो रही है।

वो कहते थे कि हमने आपके राम मंदिर के ऊपर मस्जिद बना दी है। अब उसी स्थान पर राम मंदिर बन चुका है। कांग्रेस बाबर के साथ खड़ी रही और सुप्रीम कोर्ट को लिखा कि राम एक कल्पना हैं, भगवान नहीं। मुतालिक ने कहा कि 500 साल बाद राम मंदिर का उद्घाटन हुआ।

स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का निर्णय है अटल: ईश्वरप्पा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
वरिष्ठ भाजपा नेता केएस ईश्वरप्पा, जिनके बेटे को हावेरी-गदग लोकसभा सीट से टिकट देने से इनकार कर दिया गया था, ने कहा कि वह स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेंगे और चुनाव जीतेंगे, भले ही प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी आते हैं और मेरा मन बदलने का प्रयास करते हैं। जब ईश्वरप्पा शिवमोग्गा में एक सार्वजनिक सभा में बोल रहे थे, तो एक महिला समर्थक ने उनसे एक सवाल किया और पूछा कि क्या पीएम मोदी उनके घर आएंगे और उन्हें स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के खिलाफ मनाने की कोशिश करेंगे। जिसके जवाब में पूर्व मंत्री ने कहा समर्थकों की इस सभा में, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हू कि अगर मोदी मेरे घर आने का प्रयास भी करते हैं, तो मैं उनका मनोरंजन नहीं करूंगा। मैं अपने समर्थकों या कार्यकर्ताओं का अनादर नहीं करूंगा। मुझे विश्वास है कि मैं सफलतापूर्वक चुनाव लड़ूंगा और विजयी होऊंगा। इससे पहले, उन्होंने कहा मैंने 40 वर्षों तक ईमानदारी से पार्टी की सेवा की है। सीटी रवि, सदानंद गौड़ा, नलिन कुमार कटील और प्रताप सिम्हा भी मेरे समर्थन में सामने आए हैं और कहा है कि यह अनुचित है। उन्होंने दावा किया था कि उनके समर्थक विरोध स्वरूप उनसे येदियुरप्पा के बेटे बीवाई राघवेंद्र के सामने शिवमोग्गा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे थे। 13 मार्च को, भाजपा ने 72 लोकसभा उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसमें तीन पूर्व मुख्यमंत्री और चार केंद्रीय मंत्री शामिल थे। कर्नाटक में, पार्टी ने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी को धारवाड़ से, तेजस्वी सूर्या को बेंगलूरु दक्षिण सीट से, बोम्मई को हावेरी से और पीसी मोहन को बेंगलूरु सेंट्रल से मैदान में उतारा है। भाजपा ने शिवमोग्गा से बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई राघवेंद्र और तुमकुरु से वी सोम्माना को भी उम्मीदवार बनाया है। इस घोषणा के बाद ईश्वरप्पा ने अपनी ही पार्टी उम्मीदार के खिलाफ स्वतंत्र चुनाव लड़ने का फैसला किया। बीएस येदियुरप्पा ने वादा किया था कि वह हावेरी से केई कांतेश को टिकट देंगे। इसलिए मैंने अपने बेटे कांतेश को वहां प्रचार के लिए भेजा। लेकिन मेरे बेटे केई कांतेश को टिकट नहीं मिला और बीएस येदियुरप्पा के बेटे को फिर से टिकट मिल गया।

नफरत फैलाने वाले भाषण का मामला

बेंगलूरु पुलिस ने शोभा करंदलाजे के खिलाफ मामला दर्ज किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के निर्देश के बाद, गुरुवार को बेंगलूरु के कॉटनपेट पुलिस स्टेशन में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे के विवादास्पद बयान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री पर तमिलनाडु के लोगों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण के लिए नफरत को बढ़ावा देने और युद्ध छेड़ने के आरोप के तहत मामला दर्ज किया गया है। हाल ही में, बेंगलूरु में एक दुकानदार पर हमले के संबंध में एक विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए, शोभा ने यह कहकर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया कि एक व्यक्ति तमिलनाडु से आता है और एक कैफे में बम रखता है। एक अन्य व्यक्ति दिल्ली से आता है और विधान सौधा में पाकिस्तान समर्थक नारे लगाता है। एक अन्य व्यक्ति केरल से आता है और कॉलेज के छात्रों पर एसिड फेंकता है। केंद्रीय मंत्री के नफरत भरे भाषण की कड़ी निंदा की गई। घटना के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तुरंत भारत के चुनाव आयोग से उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा इस तरह के दावे करने के लिए किसी को या तो एनआईए अधिकारी होना चाहिए या रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट से निकटता से जुड़ा होना चाहिए। जाहिर है, उनके पास इस तरह के दावे करने का अधिकार नहीं है। तमिल और कन्नडिगा समान रूप से भाजपा की इस विभाजनकारी बयानबाजी को खारिज कर देंगे। मैं शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को खतरा पैदा करने के लिए शोभा के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई का भी आग्रह करता हूं। उल्लेखनीय है कि घटना के बाद शोभा करंदलाजे ने अपने बयान पर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा मैंने वह बयान अपने तमिल भाइयों और बहनों को ठेस पहुंचाने के इरादे से नहीं दिया था। हालाँकि, मुझे लगता है कि मेरे बयानों से कुछ लोगों को ठेस पहुंची है। मैं इसके लिए माफी मांगती हूं। मैंने इस जानकारी के आधार पर ऐसा बयान दिया कि संदिग्ध को कृष्णागिरी जंगल में प्रशिक्षित किया गया था और उसने रामेश्वरम कैफे को उड़ा दिया था। तमिलनाडु में जो कोई भी मेरे बयान से आहत हुआ है, उससे मैं तहे दिल से माफी मांगती हूं। तमिल लोग कर्नाटक के सामाजिक ताने-बाने का अभिन्न अंग रहे हैं और उन्होंने राज्य में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने दावा किया कि हमारे बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध और साझा इतिहास है। करंदलाजे के भड़काऊ बयानों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया था कि केंद्रीय मंत्री के पास इस तरह के दावे करने का कोई अधिकार नहीं है।

मोदी की गारंटी का मुकाबला करने के लिए

सत्तारूढ़ कांग्रेस अपनी पांच गारंटियों के लाभार्थियों के वोटों पर कर रही भरोसा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सत्तारूढ़ कांग्रेस भाजपा की मोदी की गारंटी का मुकाबला करने के लिए अपनी पांच गारंटियों के लाभार्थियों के वोटों पर भरोसा कर रही है। हाल के एक सरकारी सर्वेक्षण में पाया गया कि लाभार्थी, विशेषकर महिलाएं, गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं से प्राप्त धन का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रही हैं। 1.14 लाख से अधिक स्वयंसेवकों द्वारा किए गए सर्वेक्षण में गृह ज्योति, अन्न भाग्य, शक्ति और युवा निधि सहित विभिन्न योजनाओं के 5.10 करोड़ लाभार्थियों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण के अनुसार, दस में से लगभग नौ महिलाएं गृह लक्ष्मी योजना के तहत प्राप्त धन का उपयोग अपने खर्चों के लिए कर रही हैं। साथ ही स्वयं सहायता समूहों या बैंकों में भी निवेश कर रही हैं। शक्ति के तहत मुफ्त बस यात्रा का उपयोग कई महिलाएं विभिन्न उद्देश्यों के लिए कर रही हैं, और गृह ज्योति के तहत मुफ्त बिजली से बड़ी संख्या में लाभार्थियों को बचत हो रही है। इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण से पता चलता है कि कई अन्न भाग्य लाभार्थी नकदी के बजाय आवश्यक खाद्य पदार्थ प्राप्त करना पसंद करते हैं, जो प्रदान की गई नकद राशि की अपर्याप्तता को दर्शाता है। युवा निधि लाभार्थियों की प्रतिक्रिया से संकेत मिलता है कि बेरोजगारी भत्ते का उपयोग परीक्षा शुल्क, पारिवारिक खर्च और बचत के लिए किया जा रहा है। गारंटियों को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने जिलों में कई लाभार्थी सम्मेलन आयोजित किए हैं। हालाँकि, लाभार्थियों की संतुष्टि को वोटों में बदलना कांग्रेस के लिए एक चुनौती बनी हुई है। गारंटी से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के वोटों में वृद्धि करने में मदद मिल सकती है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का सुझाव है कि यह आसान काम नहीं होगा। इस बीच, भाजपा ने पिछले 10 महीनों में राज्य में विकास कार्यों की कमी को उजागर करते हुए कांग्रेस की योजनाओं की आलोचना की है।

छात्र की नम्मा मेट्रो ट्रैक पर गिरने से मौत

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

एक 19 वर्षीय युवक गुरुवार को कथित तौर पर पर्पल लाइन पर अट्टीगुप्पे मेट्रो स्टेशन पर नम्मा मेट्रो ट्रैक पर गिर गया। घटना के बाद वह सामने से आ रही मेट्रो ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान ध्रुव ठक्कर के रूप में हुई है, जो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु में बीए एलएलबी कार्यक्रम का प्रथम वर्ष का छात्र था और मुंबई का रहने वाला था। जैसे ही ट्रेन लड़के के ऊपर से गुजरी, उसका शरीर बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो गया और पुलिस को उसके शव को पटरी से हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। शव को पोस्टमार्टम के लिए विक्टोरिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस ने बताया कि छात्र को पटरी पर गिरने से ठीक पहले अपने मोबाइल फोन पर बात करते देखा गया था। बेंगलूरु के पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) एस. गिरीश ने घटना की पुष्टि की और पीड़ित की पहचान का खुलासा किया। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या लड़का गलती से ट्रैक पर गिरा या जानबूझ कर अपनी जान देने के लिए कूदा। घटना के कारण, बेंगलूरु मेट्रो की पर्पल लाइन में कुछ समय के लिए व्यवधान आया। अधिकारियों से मंजूरी के बाद ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। इस साल की शुरुआत में, 5 जनवरी को, एक 23 वर्षीय पुरुष यात्री ने जलाहल्ली मेट्रो स्टेशन पर आ रही मेट्रो ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया था। इस घटना के कारण बेंगलूरु मेट्रो की ग्रीन लाइन (नागसंद्रा-सिल्क इंस्टीट्यूट) सेवाएं लगभग 50 मिनट तक बाधित रहीं। घायल व्यक्ति को बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां वह ठीक हो गया। 1 जनवरी को इंदिरा नगर स्टेशन पर एक घटना के कारण मेट्रो परिचालन 15 मिनट के लिए रुक गया था, जहां एक महिला अपना फोन वापस लेने के लिए मेट्रो ट्रैक पर कूद गई थी, जो गलती से गिर गया था। परिणामस्वरूप, मेट्रो अधिकारियों ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बिजली की आपूर्ति बंद कर दी।

सॉफ्टवेयर अपग्रेड के कारण ऑनलाइन पोर्टल में गड़बड़ी

शहरी उपभोक्ताओं के लिए मार्च के बिजली बिलों पर कोई जुर्माना नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यदि आप मार्च में नियत तारीख से पहले अपने बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पाए, तो चिंता न करें क्योंकि बेंगलूरु इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (बेस्कॉम) ने केवल इस महीने के लिए कोई विलंब शुल्क नहीं लगाने या बिजली आपूर्ति बंद करने का फैसला किया है। कर्नाटक में सभी बिजली आपूर्ति कंपनियों (ईएस्कॉम) की ऑनलाइन सेवाएं 10 मार्च से 19 मार्च तक आईटी प्रणाली के उन्नयन के कारण उपलब्ध नहीं थीं। 20 मार्च को सेवाएं फिर से शुरू होने की उम्मीद थी। हालांकि, कई उपभोक्ताओं को अपने बिलों का भुगतान करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल में गड़बड़ी के कारण बुधवार और गुरुवार सुबह भी संघर्ष करना पड़ा। हालांकि गुरुवार दोपहर बाद स्थिति सामन्य हो गई। मंजूनाथ नगर निवासी विशाल ने बताया कि मैं अपने बिल भुगतान में हमेशा नियमित रहा हूं, और मैं लगभग दो वर्षों से ऑनलाइन पोर्टल का उपयोग कर रहा हूं। चूँकि नियत तिथि से पहले सेवाएँ फिर से शुरू होने की उम्मीद थी, इसलिए मैंने बेस्कॉम कार्यालय में भुगतान नहीं किया। लेकिन, 20 मार्च को पूरे दिन प्रयास किया, लेकिन सर्वर काम नहीं किया। हालाँकि, मैंने गुरुवार दोपहर में भुगतान पूरा किया। अधिकांश उपभोक्ताओं के लिए 20 मार्च की तारीख होने के कारण, बेस्कॉम कार्यालयों के बाहर भी बड़ी कतारें थीं। वहां भी कथित तौर पर तकनीकी खामियों के कारण कुछ उपभोक्ताओं का भुगतान नहीं हो पा रहा था। बेस्कॉम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पूरे कर्नाटक में, सभी सिटी म्यूनिसिपल काउंसिल (सीएमसी) और टाउन म्यूनिसिपल काउंसिल (टीएमसी) सीमाओं में, जो अनिवार्य रूप से शहरी क्षेत्र हैं, बिलों के देर से भुगतान के लिए कोई जुर्माना नहीं होगा। यह बात ग्रामीण उपभोक्ताओं पर लागू नहीं होती। उन्होंने कहा यह नियम केवल इसी महीने के लिए लागू है। बेस्कॉम के अधिकारियों ने कहा कि लंबे समय तक काम बंद रहने और उन्नत सॉफ्टवेयर को अपनाने से शुरुआती दिक्कतें आईं।

-आगे कोई गड़बड़ी नहीं होगी

हमने भुगतान के सभी तरीकों का परीक्षण किया, पुष्टि की कि वे काम कर रहे हैं और फिर बुधवार की सुबह सार्वजनिक उपयोग के लिए सॉफ्टवेयर जारी किया। लेकिन चूँकि आठ दिन का डाउन टाइम था और भारी भीड़ के कारण, कुछ छोटी-मोटी समस्याएँ थीं। बेस्कॉम के महाप्रबंधक (आईसीटी और एमआईएस) वेंकटेश ने कहा, किसी भी आईटी प्रणाली को इस तरह का भार उठाने पर गड़बड़ियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि, अगले दो से तीन दिनों में, जैसे-जैसे भीड़ कम होगी, पोर्टल की पहुंच में सुधार होगा और आगे कोई गड़बड़ी नहीं होगी।

डीएमके नेता को मंत्री बनाने से राज्यपाल का इनकार, अब सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

चेन्नई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में डीएमके नेता के.कोनमुडी को राज्यपाल द्वारा कैबिनेट मंत्री नियुक्त देने से इनकार किया गया है। इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है और तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कल सुप्रीम सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल आरएन रवि के फैसले पर सवाल उठाया है। कोर्ट ने इस बात को नोट किया है कि के.पोनमुडी की सजा पर शीर्ष अदालत द्वारा रोक लगाई गई है। इसके बाद भी राज्यपाल द्वारा उन्हें कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने की अनुमति नहीं दी गई।

मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि राज्यपाल क्या कर रहे हैं? शीर्ष अदालत द्वारा पोनमुडी की सजा पर रोक लगाई गई है। इसके बाद राज्यपाल ऐसे कैसे कह सकते हैं कि पोनमुडी का कैबिनेट मंत्री बनना संवैधानिक नैतिकता के खिलाफ होगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का कहना है कि राज्यपाल ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना की है। हम उनके इस आचरण को लेकर चिंतित हैं।

तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके के वरिष्ठ नेता के.पोनमुडी आय से अधिक संपत्ति के मामले में फंस गए थे। 21 दिसंबर 2023 को उन्हें और उनकी पत्नी को मद्रास हाईकोर्ट द्वारा तीन साल की कैद और 50 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद 13 मार्च, 2024 को उनकी तीन साल की जेल की सजा पर सुप्रीम कोर्ट की तरफ से रोक लगाई गई थी।

यादगीर जिले में 23,309 लोग पहली बार करेंगे मतदान

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में 23,309 युवा आगामी 7 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट डालने का इंतजार कर रहे हैं। मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने वाले इन युवाओं में 13,203 पुरुष, 10,099 महिलाएं हैं, जबकि सात अन्य श्रेणी में हैं।

जिले में चार विधानसभा क्षेत्र हैं जिसमें गुरमितकल, यादगीर, शाहपुर और शोरापुर शामिल है। गुरमितकल कलबुर्गी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जबकि यादगीर, शाहपुर और शोरापुर रायचूर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

जिले में कुल 10,26,778 मतदाता हैं, जिनमें 5,12,572 पुरुष, 5,14,137 महिलाएं और 69 अन्य हैं।

यह देखना बाकी है कि इनमें से कितने युवा अपने सांसदों को चुनने के लिए चुनाव के दिन वोट डालेंगे।

होराट्टी ने दो वर्षों में परिषद के सदस्यों से 11वां इस्तीफा किया स्वीकार

एक तरह का बनाया रिकॉर्ड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के सभापति बसवराज होराट्टी ने कहा कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में 11 परिषद सदस्यों के इस्तीफे स्वीकार करके एक तरह का रिकॉर्ड बनाया है। गुरुवार को हुब्बल्ली में परिषद में जनता दल (एस) के सदस्य मारथिब्बेगौड़ा का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, होराट्टी ने कहा कि परिषद के अध्यक्ष के रूप में पिछले दो वर्षों में, उन्होंने 11 सदस्यों को इस्तीफा देते हुए देखा है, नवीनतम मारथिब्बेगौड़ा हैं, जो एक प्रकार का रिकॉर्ड है। होराट्टी ने यह भी कहा कि उन्हें पहले ही परिषद के एक अन्य सदस्य का फोन आया है जिसमें उन्होंने परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देने के अपने इरादे से अवगत कराया है।

यह दो दिनों के भीतर होने की संभावना है। हालाँकि, उन्होंने परिषद सदस्य के नाम का खुलासा करने से इनकार कर दिया। एक वर्ष में 60 दिनों के लिए विधायिका सत्र आयोजित करने के नियम पर एक प्रश्न के उत्तर में, उन्होंने कहा कि हालांकि ऐसा कोई नियम है, लेकिन नियम पुस्तिका में यह निर्धारित नहीं किया गया है कि यदि सरकार सत्र आयोजित करने में विफल रहती है तो क्या किया जाना चाहिए। हम सरकार से साल में 60 दिन सत्र आयोजित करने के लिए कह रहे हैं। हालाँकि, अब यह साल में 25 से 30 दिनों के लिए आयोजित किया जाने लगा है। विधानमंडल में सार्थक विचार-विमर्श करने और निर्धारित दिनों के लिए सत्र आयोजित करने के बारे में विधायकों के बीच ज्यादा प्रतिबद्धता नहीं देखी जा रही है। होराट्टी ने कहा कि सदन के विचार-विमर्श और प्रक्रियात्मक नियमों पर विधायकों को दिये जा रहे प्रशिक्षण का कोई खास सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह खेदजनक है कि विधायक सदन की प्रक्रियाओं का पालन करने में विफल रहे हैं, जिससे ज्यादातर समय अराजकता की स्थिति पैदा होती है।

दिव्यांग अब बिना किसी सहारे के हो सकेंगे खड़े पहली स्वदेशी इलेक्ट्रिक स्टैंडिंग व्हीलचेयर विकसित

चेन्नई (एजेंसियां)।

अब दिव्यांगजनों को अपने काम के लिए किसी की मदद नहीं लेनी पड़ेगी। आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर रिहैबिलिटेशन रिसर्च एंड डिवाइस डेवलपमेंट की प्रोफेसर सुजाता श्रीनिवासन की अध्यक्षता में विशेषज्ञों ने स्वदेशी इलेक्ट्रिक स्टैंडिंग व्हीलचेयर-नियोस्टैंड तैयार किया है। यह एक कॉम्पैक्ट स्टैंडिंग व्हीलचेयर है। इसके मोटराइज्ड स्टैंडिंग मैकेनिज्म के लिए नेविगेशन आसान बनाया गया है। व्हीलचेयर पर बैठा व्यक्ति एक बटन दबा कर आसानी से खुद खड़ा हो सकता है।

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी कामकोटि ने व्हीलचेयर को लॉन्च करते हुए कहा, नियोस्टैंड को दिव्यांगजनों की समस्याओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसके माध्यम से दिव्यांगजन लंबे समय तक बैठ सकते हैं और जब चाहें आराम से खड़े हो सकते हैं। आईआईटी मद्रास के इनक्यूबेट स्टार्टअप नियोमोशन ने इसकी कीमत 90 हजार रखी है।

पहले चरण की अधिसूचना के साथ ही जम्मू कश्मीर में सियासी हलचल तेज

डॉ. जितेंद्र सिंह ने उधमपुर सीट के लिए पर्चा भरा

कांग्रेस लाल सिंह को उतारेगी मुकाबले में

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 21 मार्च।

लोकसभा सीटों के पहले चरण की अधिसूचना जारी होने के बाद प्रदेश में सियासी हलचल ने जोर पकड़ लिया है। पहले चरण में उधमपुर लोकसभा सीट के लिए मतदान होना है। इसके लिए इस संसदीय क्षेत्र से दो बार सांसद रहे डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कठुआ में अपना नामांकन भरा। उन्होंने हैट्रिक बनाने की उम्मीद तो जताई है पर इसी सीट पर कांग्रेस द्वारा चौधरी लाल सिंह को मैदान में उतारने के कारण मुकाबला कांटे का हो गया है।

उधमपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को कठुआ के जिला उपायुक्त कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना, ग्रेट खली उर्फ दलीप सिंह व अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। कठुआ के कालीबाड़ी में रोड शो करते हुए बड़ी संख्या में भाजपा समर्थकों के साथ जितेंद्र सिंह उपायुक्त कार्यालय के करीब पहुंचे।

नामांकन भरने के बाद कठुआ शहर के रामलीला मैदान में उन्होंने एक रैली को संबोधित भी किया। डॉ. जितेंद्र सिंह पर भाजपा ने तीसरी बार भरोसा जताया है। इससे पहले 2014 व 2019 में वह इसी लोकसभा सीट से विजयी हुए हैं और पीएमओ में मंत्री रहे हैं। अपना नामांकन दाखिल करने से पहले जितेंद्र सिंह ने सुबह जम्मू स्थित अपने घर पर पूजा की।

पर इस सीट पर मुकाबला कांटे का लगने लगा है क्योंकि पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस से दो बार सांसद रह चुके चौधरी लाल सिंह का गुरुवार को जम्मू पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ जो कल ही कांग्रेस में शामिल हुए हैं और कांग्रेस उन्हें डॉ. जितेंद्र सिंह के मुकाले उतार रही है। बुधवार को लगभग 10 साल के बाद फिर लाल सिंह ने कांग्रेस में वापसी की थी। इन दस सालों में वह भाजपा के साथ रहे। विधायक बन कर प्रदेश में मंत्री भी रहे। फिर भाजपा से अलग होकर खुद की पार्टी डोगरा स्वाभिमान संगठन बनाई। अब एक बार फिर कांग्रेस से हाथ मिलाया है।

चौधरी लाल सिंह ने कांग्रेस की टिकट से उधमपुर सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। हालांकि कांग्रेस की ओर से इस सीट पर उम्मीदवार की घोषणा किया जाना अभी बाकी है। लाल सिंह 2004 और 2009 में उधमपुर की सीट से जीत हासिल कर चुके हैं। अगर कांग्रेस एक बार फिर लाल सिंह को उधमपुर सीट से मैदान में उतारती है तो इस सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो जाएगा।

इस बीच जेल में बंद इंजीनियर रशीद को अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने उत्तरी कश्मीर की बारामुला लोकसभा सीट से उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। रशीद द्वारा स्थापित एआईपी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने बताया कि सर्वसम्मति से पार्टी प्रमुख को लोकसभा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का निर्णय लिया गया है।

पार्टी प्रवक्ता फिरदौस बाबा ने कहा कि हमें उम्मीद है कि चुनाव से पहले उन्हें रिहा कर दिया जाएगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह तिहाड़ जेल से ही चुनाव लड़ेंगे। बाबा ने कहा कि दोषी न ठहराए जाने तक संविधान किसी भी आरोपी को चुनाव लड़ने की इजाजत देता है। रशीद को एनआईए ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को रद्द करने से दो दिन पहले गिरफ्तार किया था और बाद में यूएपीए की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

असम पुलिस ने गिरफ्तार आईएसआईएस इंडिया प्रमुख को एनआईए को सौंपा

गुवाहाटी, 21 मार्च (एजेंसियां)।

आईएसआईएस इंडिया प्रमुख हारिस फारूकी उर्फ हरीश अजमल फारुखी और उसके सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ रेहान को बांग्लादेश से सीमा पार करने के बाद बुधवार को असम के धुबरी जिले से गिरफ्तार कर लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचनाओं के 15 दिनों के विश्लेषण और स्थानीय लिंक की तलाश के बाद यह कार्रवाई की गई। एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के महानिरीक्षक पार्थसारथी महंत ने कहा कि दो आईएसआईएस आंतकियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पहले ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया है। हमें लगभग 15 दिन पहले एक केंद्रीय एजेंसी से जानकारी मिली थी कि धुबरी के कुछ हिस्सों में आईएसआईएस आतंकी की संभावित आवाजाही हो सकती है। इनपुट विश्वसनीय थे और इसलिए एसटीएफ को शामिल किया गया था। इस बीच, एनआईए ने भारत में आईएसआईएस के दो आतंकी हारिस फारूकी और उसके सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ रेहान, जिन्हें असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) द्वारा गिरफ्तार किया गया था, को गुवाहाटी में एनआईए अदालत में पेश किया। महंत ने कहा, इसके बाद एसटीएफ ने संभावित क्षेत्रों पर काम करना शुरू कर दिया था, यदि कोई स्थानीय लिंक हो तो उसे ढूंढने की कोशिश की और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक योजना तैयार की थी।

आईजीपी ने कहा कि पुलिस के पास पहले से ही आईएसआईएस आंतकियों की तस्वीरें थीं और उनमें से दो सड़क पर चल रहे लोगों से मेल खाती थीं। उन्होंने कहा, हमने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और तुरंत गुवाहाटी ले आए। हमने उन्हें कल रात ही एनआईए को सौंप दिया।

29 जून से 19 अगस्त तक चलेगी अमरनाथ यात्रा

इस बार भी 10 लाख श्रद्धालुओं को न्यौता

मेडिकली फिट का सर्टिफिकेट लेकर आना होगा

जम्मू, 21 मार्च (ब्यूरो)।

इस बार भी अमरनाथ यात्रा में करीब 10 लाख लोगों को न्यौता दिया गया है। इस बार यह यात्रा 52 दिनों तक चलेगी जबकि पिछले साल यह 62 दिनों तक चली थी जबकि वर्ष 2018 में 46 दिन। इस बार भी 29 जून को आरंभ होने वाली अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वाले का तंदरुस्त होना जरूरी होगा। अर्थात बिना मेडिकल फिटनेस और मेडिकल सर्टिफिकेट के कोई भी इसमें शामिल नहीं होगा। इस बार दोनों रास्तों पर यात्रियों की संख्या पर फिलहाल कोई बंदिश लागू नहीं की गई है।

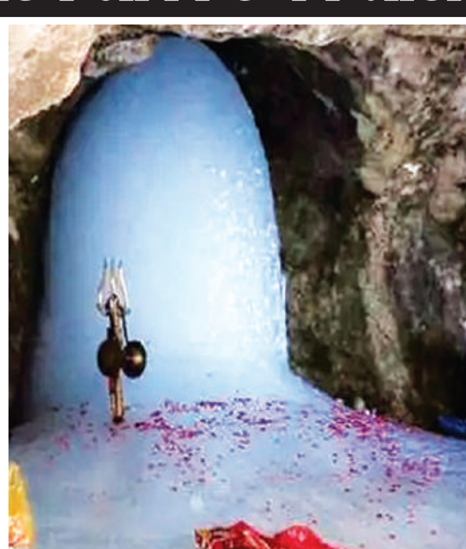

अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू कर दिए जाएंगे। यात्रियों को किस तरह और कितने दलों में भेजा जाएगा, इसका प्लान भी तैयार हो गया है। इस बार अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होगी और यह 19 अगस्त तक चलेगी। यात्रा से पूर्व 22 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रथम पूजन का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए अप्रैल में देशभर की विभिन्न बैंक शाखाओं में यात्री अग्रिम पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। उप राज्यपाल ने यात्रा के दौरान किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए सभी उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल अमरनाथ यात्रा के प्रति आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले कई श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण हर साल मौत के बढ़ते मामलों को देखते हुए यात्रा का प्रबंधन करने वाले श्राइन बोर्ड ने फैसला किया है कि यात्रा के लिए पंजीकरण कराने के समय श्रद्धालुओं को चिकित्सा प्रमाणपत्र दिखाना होगा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि आज श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की एक उच्च स्तरीय बैठक में यह फैसला लिया गया।

इस बैठक की अध्यक्षता उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की। बैठक में हृदयाघात से मरने वाले श्रद्धालुओं के संबंध में चर्चा की गई। प्रवक्ता ने कहा कि बोर्ड ने हृदय संबंधी समस्याओं के कारण मारे जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या पर चर्चा की। बोर्ड ने तय किया कि यात्रा के लिए पंजीकरण कराने के समय श्रद्धालुओं को किसी पंजीकृत चिकित्सक द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। देशभर के राज्यों/केंद्र शासित राज्यों में पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू कश्मीर बैंक और यस बैंक की नामित बैंक शाखाओं में यात्री पंजीकरण की सुविधा दी जा रही है। पंजीकरण 15 अप्रैल से आरंभ होगा जिसमें प्रतिदिन 20 हजार लोगों का पंजीकरण किया जाएगा।

बोर्ड की बैठक में यह निर्देश दिया गया है कि यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का पंजीकरण वक्त से हो जाए। इसलिए इसे इस बार 15 अप्रैल से ही आरंभ कर दिया जाएगा। यात्रा पर जाने वाले सभी पंजीकृत श्रद्धालुओं का अमरनाथ श्राइन बोर्ड की ओर से दुर्घटना बीमा निशुल्क किया जाएगा। यह फैसला श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की बैठक में किया गया। बर्फबारी थमते ही सुरक्षाबलों व प्रशासन से सुरक्षा प्रबंध शुरू करने के लिए कहा जाएगा।

जानकारी के लिए वर्ष 2012 की यात्रा के दौरान 128 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी।

इस बार यात्रा पर जाने के इच्छुक श्रद्धालुओं का पहले मेडिकल फिटनेस टेस्ट होगा और उसके बाद हर पंजीकृत श्रद्धालु का बोर्ड की ओर से निःशुल्क बीमा किया जाएगा। यात्रा कैंपों के लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। बोर्ड ने यात्रा के दौरान लंगर की व्यवस्था को भी मंजूरी दे दी है। यात्रा में 13 साल से कम और 75 साल से अधिक उम्र के लोगों को शामिल होने की अनुमति नहीं मिलेगी ।

अपराध और आतंकवाद से निपटने में सीबीआई की मदद करेगा यूरोपोल

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।

अपराधों से निपटने में भारत और यूरोपीय संघ के देशों की सुरक्षा एजेंसी यूरोपोल के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस समझौते पर यूरोपोल के कार्यकारी निदेशक कैथरीन डी बोले और सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने दस्तखत किए। 21 मार्च गुरुवार के दिन नई दिल्ली में मौजूद वरिष्ठ सीबीआई अधिकारियों और हेग में मौजूद यूरोपोल अधिकारियों की एक वर्चुअल मीटिंग हुई। इस दौरान सीबीआई निदेशक ने दोनों पक्षों द्वारा दिखाए गए सहयोग की सराहना की।

इस दौरान प्रवीण सूद ने कहा कि इस कार्य व्यवस्था को अमलीजामा पहनाने के लिए सीबीआई और यूरोपोल के बीच कई वर्षों से बातचीत हो रही थी।

अपराध से निपटने के प्रयासों में यह कोशिश मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने इस पर जोर दिया कि अपराध और अपराधियों का नेटवर्क अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जा पहुंचा है, जिसके खात्मे के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। इस तरह के आपराधिक नेटवर्क सीमाओं के पार काम करते हैं और आधुनिक तकनीकि का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में बेहतर सहयोग की मदद से हम ऐसी चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

सीबीआई के अधिकारी के अनुसार यह कार्य व्यवस्था सीबीआई और यूरोपोल को एक साथ एक मंच पर लाएगी। सीबीआई और यूरोपोल के बीच नई कार्य व्यवस्था के तहत संगठित अपराध, वित्तीय अपराध, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, साइबर अपराध, मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, पर्यावरणीय अपराधों से संयुक्त रूप से निपटने में सहयोग बढ़ेगा। यह कार्य व्यवस्था संचार और सहयोग के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करती है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सीबीआई और यूरोपोल निर्बाध रूप से एक दूसरे का सहयोग कर सकेंगे। यूरोपोल का मिशन सभी प्रकार के गंभीर अंतरराष्ट्रीय और संगठित अपराध, साइबर अपराध और आतंकवाद का मुकाबला करने में अपने सदस्य देशों का समर्थन करना है।

वामपंथी उग्रवाद ग्रस्त क्षेत्रों का नए सिरे से वर्गीकरण

38 में से 12 जिले सबसे अधिक प्रभावित

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 10 राज्यों के प्रभावित जिलों का नया वर्गीकरण गृह मंत्रालय ने जारी किया है।

अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 10 राज्यों में कुल 38 जिलों को 1 अप्रैल, 2024 से वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों के तौर पर वर्गीकृत किया गया है, जबकि 2015 में यह संख्या 75 थी। आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों का वर्गीकरण 2015 में अनुमोदित राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना के तहत संसाधनों की तैनाती के लिए आधार प्रदान करता है।

कश्मीर में आ गया जश्ने बहार का मौसम

बादामबाड़ी में बादाम के पेड़ों पर फूल देखने उमड़ी भीड़, 23 से गुलजार होगा ट्यूलिप गार्डन

जम्मू, 21 मार्च (ब्यूरो)।

कश्मीर में जश्ने बहार का मौसम आ गया है। अगर मौसम ने साथ दिया तो आप 17 लाख से अधिक ट्यूलिप के फूलों को शनिवार से निहार सकते हैं। वैसे बादामबाड़ी में बादाम के पेड़ों पर फूल समय से पहले आ चुके हैं जिन्हें निहारने को भीड़ उमड़ने लगी है।

दरअसल जैसे-जैसे सर्दियों की ठंड धीरे-धीरे बसंत की हल्की गर्मी की जगह ले रही है, कश्मीर का प्रतिष्ठित बादामवाड़ी गार्डन बादाम के फूलों की लुभावनी सुंदरता के साथ जीवंत हो गया है, जो स्थानीय लोगों के लिए बहुत खुशी की बात है जो उत्सुकता से इस वार्षिक दृश्य का इंतजार करते हैं।

जाफरान कालोनी श्रीनगर के निवासी अजान का कहना था कि हम कश्मीरियों के लिए, बादामवाड़ी गार्डन में बादाम के पेड़ों का खिलना एक पोषित और सुंदर दृश्य है जो बसंत की शुरुआत का प्रतीक है। यह एक ऐसा दृश्य है जो हमारे दिलों को खुशी से भर देता है और हमें हमारी भूमि की लचीलापन की याद दिलाता है।

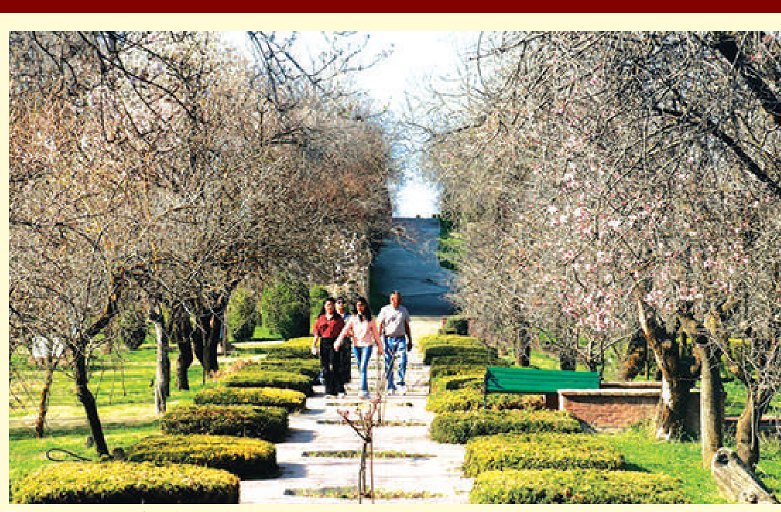

मुंबई से कश्मीर घूमने आए एक पर्यटक राहुल ने बताया कि बादामवाड़ी गार्डन के बादाम के खिलने की मनमोहक सुंदरता और बसंत का आगमन आपकी नग्न आंखों से स्वर्ग को देखने जैसा है।

बर्फ से ढके पहाड़ों की पृष्ठभूमि के खिलाफ गुलाबी और सफेद फूलों की जीवंत छटा लोगों में आश्चर्य और श्रद्धा की भावना पैदा करती है।

बादाम के फूलों को निहारने बादामवाड़ी गार्डन में आए एक अन्य स्थानीय निवासी साहिल के बकौल, यह सुंदरता अद्वितीय है, यह एक परी कथा में कदम रखने जैसा है, जहां हर पेड़ नाजुक फूलों से सजा हुआ है। बसंत के आगमन का जश्न मनाने के लिए परिवार फूलों के बीच इकट्ठा होते हैं, और हवा एक उत्सव के रूप से भर जाती है।

एक जमाने में धूम मचाने वाला यह ऐतिहासिक बाग तकरीबन 28 साल तक सही देखरेख न मिलने के कारण अपनी साख खो चुका था, यहां तक कि उस समय की सरकार की गलत नीतियों के कारण बादामवाड़ी जो 309 वर्ष पहले 750 कनाल जमीन पर फैली थी सिमटते-सिमटते केवल 280 कनाल तक ही सीमित रह गई क्योंकि सरकार ने वहां पर तिब्बती कालोनी का निर्माण किया। इसको नए सिरे से सजाने संवारने के लिए जेके बैंक ने इसके निर्माण की जिम्मेदारी संभाली थी। वर्ष 2006 में इसका दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था।

तकरीबन 280 कनाल तक फैले हुए इस बाग को बड़ों के साथ-साथ बच्चों के आकर्षण के हर सामान से सजाया गया है। जिसमें एक किमी लंबा जौगर, तकरीबन तीस मीटर ऊंचा बादाम के आकार का फव्वारा भी शामिल है। इस अवसर पर यादें ताजा करते हुए लोगों का कहना था कि बादामवाड़ी केवल एक पर्यटन ही नहीं, बल्कि इसके साथ हमारा इतिहास भी जुड़ा है। यह जगह हमारी परंपरा का प्रतीक भी है।

काशी में खेली गई विश्व प्रसिद्ध मसाने की होली

महाश्मशान घाट पर महादेव ने अपने प्रिय गणों भूत-प्रेत के साथ खेली चिता भस्म की होली

पूरे विश्व में सिर्फ काशी में ही खेली जाती है चिता-भस्म की होली

विदेशी पर्यटकों ने भी इस उत्सव का जमकर लुफ्त उठाया

वाराणसी, 21 मार्च (एजेंसियां)

काशी के मणिकर्णिका घाट पर गुरुवार को अद्भुत नजारा देखने को मिला। यहां बड़े ही उत्साह के साथ जलती चिताओं के बीच चिता-भस्म की होली खेली गई। मसाने की होली खेलने के लिए मणिकर्णिका घाट के महाश्मशान पर जन सैलाब उमड़ पड़ा। ऐसी मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ मणिकर्णिका के महाश्मशान में अपने गणों के साथ चिता भस्म की होली खेलते हैं।

पूरे देश में रंगों और गुलालों से होली खेली जाती है, लेकिन शिव की नगरी काशी में चिता की राख के साथ भी होली खेली जाती है। ऐसी होली पूरे विश्व में सिर्फ काशी में मनाई जाती है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शंकर भस्म की होली अपने प्रिय गण भूत, प्रेत, पिशाच शक्तियों के साथ खेलते हैं।

चिता भस्म की होली शुरू करने से पहले बाबा मसान नाथ की पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की जाती है। फिर बाबा की आरती करने के बाद चिता के राख से होली की शुरुआत की जाती है, जिसमें ढोल-नगाड़े और डमरू के साथ पूरा श्मशान घाट हर-हर महादेव के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। काशीवासियों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों ने भी इस उत्सव का जमकर लुफ्त उठाया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने मसान की होली की शुरुआत की थी। ऐसा माना जाता है कि रंगभरी एकादशी के दिन भगवान शंकर माता पार्वती का गौना कराने के बाद उन्हें काशी लेकर आए थे। तब उन्होंने अपने गणों के साथ रंग-गुलाल के साथ होली खेली थी, लेकिन वे श्मशान में बसने वाले भूत, प्रेत, पिशाच, यक्ष गन्धर्व, किन्नर जीव जंतु आदि के साथ होली नहीं खेल पाए थे, इसलिए रंगभरी एकादशी के एक दिन बाद भोलेनाथ ने श्मशान में रहने वाले भूत-प्रेत साथ होली खेली थी। तभी से काशी में मसान की होली खेलने की परंपरा चली आ रही है। चिता की राख से होली खेलने की वजह से ये परंपरा देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी प्रसिद्ध है।

होली पर शत-प्रतिशत ऑनरोड होंगी परिवहन निगम की बसें

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)। होली पर्व के अवसर पर यात्रियों के भारी संख्या में आवागमन को लेकर परिवहन की बेहतर सुविधा के लिए योगी सरकार की ओर से पहल की गई है।

इस क्रम में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने सभी क्षेत्रीय/सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को होली पर्व के दृष्टिगत शत-प्रतिशत बसों के संचालन के साथ-साथ बस अड्डों पर व्यापक यात्री सुविधा सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि 24/25 मार्च, 2024 को मुख्य पर्व की तिथि से पूर्व व उसके पश्चात विभिन्न गन्तव्यों के लिए जनसामान्य का भारी संख्या में आवागमन देखते हुए यात्रियों को पर्याप्त परिवहन सुविधा उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से बसों को शत-प्रतिशत आनरोड करते हुए संचालन कराया जाएगा।

प्रत्येक क्षेत्र समस्त बसों की यांत्रिक एवं भौतिक दशा को सुदृढ़ व ऑनरोड कराकर शत-प्रतिशत संचालन सुनिश्चित करेगा। समस्त सक्षम चालक-परिचालक से संचालन का कार्य लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि होली पर्व की अवधि में यात्रियों की उपलब्धता एवं आवश्यकता के आधार पर अतिरिक्त बसों का संचालन योजनाबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा। बस अड्डों पर बैनरों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। एमडी ने कहा कि एसी बसों के संचालन को निर्धारित कर आनलाइन बुकिंग/आरक्षण व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यात्रियों के बैठने की अतिरिक्त व्यवस्था के साथ-साथ सभी बस अड्डों पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, शौचालय एवं परिसर की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। बसों में संचालन के दौरान यह भी सुनिश्चित करें, कि अवांछनीय, प्रतिबंधित व ज्वलन्तशील विस्फोटक सामग्री न ले जाई जाए।

अनाधिकृत वाहनों की सघन चेकिंग के निर्देश

उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने सभी संभागीय/सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को होली पर्व के दृष्टिगत अनाधिकृत वाहनों की सघन चेकिंग कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि 24/25 मार्च 2024 को होली का पर्व मनाया जाना है। प्रायः महत्वपूर्ण अवसरों पर प्रदेश के अंदर आने वाली व प्रदेश से अन्य राज्य में जाने वाली अथवा प्रदेश के विभिन्न स्थानों से बहुतायत में संचालित होने वाले अनाधिकृत वाहनों से जहां एक ओर निगम की आय कुप्रभावित होती है, वहीं दूसरी ओर व्यापक कर चोरी से शासन को राजस्व की हानि होने के साथ-साथ यात्री सुरक्षा मानकों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाता है। उन्होंने अनाधिकृत संचालन की रोकथाम के लिए जनहित में 21 मार्च से 01 अप्रैल 2024 तक सभी जनपदों में अनाधिकृत वाहनों के रोकथाम हेतु प्रभावशाली संयुक्त चेकिंग अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए हैं।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद 1 करोड़ 12 लाख भक्तों ने किए श्रीरामलला के दर्शन

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में लगातार बढ़ रही भक्तों की संख्या

प्रतिदिन एक से सवा लाख श्रद्धालु कर रहे भगवान राम के दर्शन, मंगलवार को हो रही सर्वाधिक भीड़

अयोध्या, 21 मार्च (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को दो माह पूरे हो रहे हैं। इसके साथ ही यहां दर्शन-पूजन के लिए आने वाले भक्तों की संख्या में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। 22 जनवरी से लेकर 20 मार्च तक 1 करोड़ 12 लाख श्रद्धालुओं को भगवान रामलला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो चुका है।

अयोध्या में रामलला का दर्शन करने के लिए यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बीते वर्ष की अपेक्षा तेजी से बढ़ी है। प्रतिदिन मंदिर में एक से सवा लाख रामभक्त दर्शन करने पहुंच रहे हैं। वहीं अयोध्या में आयोजित होने वाले पर्वों और मंगलवार को यह संख्या और बढ़ जाती है।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों को देखा जाय तो 2017 में जबसे दीपोत्सव प्रारंभ हुआ है, उसके बाद से श्रीराम की नगरी में भक्तों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। 2017 में कुल 1,78,57,858 श्रद्धालुओं ने रामनगरी में दर्शन-पूजन किया। इनमें 1,78,32,717 भारतीय एवं 25,141 विदेशी शामिल हैं। वहीं 2018 में 1,95,34,824 भारतीय एवं 28,335 विदेशी नागरिकों ने रामनगरी में दर्शन किया। इस प्रकार कुल मिलाकर 1,95,63,159 श्रद्धालुओं ने वर्ष 2018 में अयोध्या में दर्शन-पूजन किया।

ऐसे ही वर्ष 2019 में 2,04,63,403 भारतीय एवं 28,331 विदेशी को मिलाकर कुल 2,04,91,724 श्रद्धालुओं ने अयोध्या में दर्शन किया। वर्ष 2020 में कोरोना के कारण श्रद्धालुओं की संख्या में कमी देखने को मिली और 61,93,537 भारतीय एवं 2,611 विदेशी मिलाकर कुल 61,96,148 श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। वहीं वर्ष 2021 में 1,57,43,359 भारतीय एवं 431 विदेशी पर्यटकों ने अयोध्या में दर्शन पूजन किया।

2021 में कुल 1,57,43,790 श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए आए। इसी क्रम में वर्ष 2022 में 2,21,12,402 भारतीय एवं 26,403 विदेशी पर्यटक अयोध्या पहुंचे। कुल मिलाकर 2,21,38,805 श्रद्धालु 2022 में अयोध्या दर्शन के लिए यहां पहुंचे। वर्ष 2023 में यह संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। 2023 में वर्ष भर में कुल 5,75,15,423 श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। इनमें 5,75,07,005 भारतीय श्रद्धालु व 8418 विदेशी श्रद्धालु शामिल रहे। ऐसा माना जा रहा है कि वर्ष 2024 में अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या इतनी तेजी से बढ़ी है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद से 20 मार्च के बीच 1 करोड़ 12 लाख श्रद्धालु रामलला का दर्शन कर चुके हैं।

ऐसा नहीं है कि अयोध्या आने वाले भारतीय श्रद्धालुओं की ही संख्या में बढ़ोतरी हुई है। राम लला का दर्शन करने के लिए यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है।

प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यहां देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ से अयोध्या में रोजी-रोजगार में भी तेजी से वृद्धि भी होने लगी है। पहले सूने रहने वाले दुकानों में अब ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। खान-पान, होटल-रेस्टोरेंट, सजावटी सामानों की दुकानों पर सैलानियों की भीड़ अब आम हो चली है। लोगों का मानना है कि 22 जनवरी को जबसे रामलला विराजमान हुए हैं, यहां देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं व विदेशी पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है। इसे लेकर प्रदेश की योगी सरकार तेजी से अयोध्या का विकास करने में लगी है। अयोध्या को फोर लेन व सिक्स लेन सड़कों से जोड़ा जा रहा है। विश्वस्तरीय हवाई अड्डा व रेलवे स्टेशन का निर्माण किया गया है। इसके अलावा तमाम अन्य सुविधाएं भी अयोध्या में विकसित की जा रही हैं।

संपादकीय

चुनावी बॉन्ड 'काला धन' कैसे?

चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत 'असंवैधानिक' करार दे चुकी है और उन पर रोक भी लगा दी गई है, लिहाजा यह अध्याय यहीं समाप्त हो जाना चाहिए था। अब चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर वे ब्योरे जारी कर रहा है, जो भारतीय स्टेट बैंक ने भेजे हैं और जारी करने का आदेश सर्वोच्च अदालत का है। कांग्रेस समेत विपक्ष के दल इस चुनावी चंदे को 'बहुत बड़ा घोटाला' चित्रित कर रहे हैं, जो हास्यास्पद राजनीति है। यदि बॉन्ड के जरिए फरवरी, 2024 तक करीब 7700 करोड़ रुपए का चंदा भाजपा को मिला है, तो नवम्बर, 2023 तक 1334.35 करोड़ रुपए का चंदा कांग्रेस के हिस्से भी आया है। गणना कर लें कि फरवरी, 2024 तक कितना पैसा कांग्रेस के खजाने तक पहुंचा होगा! सूची में दूसरा स्थान तृणमूल कांग्रेस का है, जिसे 1397 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। एक क्षेत्रीय दल को इतना चंदा... ! सूची में बीआरएस, बीजद, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, राजद, एनसीपी, सपा, अकाली दल, अन्नाद्रमुक आदि क्षेत्रीय दल भी हैं, जिन्हें उनकी हैसियत के मुताबिक करोड़ों में चंदा दिया गया है। क्या कांग्रेस समेत ये सभी दल 'घोटालेबाज' हैं? चुनावी बॉन्ड पर शीर्ष अदालत के फैसले पर कोई सवाल नहीं, अलबत्ता देश का बौद्धिक और जागरूक वर्ग कमोबेश चिंतन कर सकता है कि ऐसा चुनावी चंदा 'घोटाला' कैसे माना जा सकता है? विश्व में ऐसा कोई देश नहीं है, जहां राजनीतिक दलों को चंदा न दिया जाता हो। जहां आम चुनाव के लिए सरकारें आर्थिक संसाधन मुहैया कराती हैं, वहां भी औद्योगिक घराने और वैचारिक तौर पर जुड़े आम जनता चुनावी चंदे देते रही है। यह एक सार्वजनिक परंपरा और प्रक्रिया है। औसत करदाता को आयकर या अन्य कर-योग्य संपदा में छूट भी मिलती है, लिहाजा देश की आजादी और संविधान को ग्रहण करने के बाद चंदा देने की परंपरा रही है। इस संदर्भ में 'काला धन' का खूब शोर मचाया जा रहा है, लेकिन जो पैसा देश के बुनियादी ढांचे के विकास और जन-कल्याण की परियोजनाओं में निवेश किया जाता रहा है, उस आर्थिक स्रोत को 'काला धन' करार कैसे दिया जा सकता है? दरअसल चुनावी बॉन्ड के तौर पर व्यक्ति, संस्थान, औद्योगिक ईकाई और समूह जितना पैसा निवेश करते हैं, वह अनिवार्य रूप से उनके खातों में दिखाया जाता है। जिन राजनीतिक दलों को बॉन्ड के जरिए चंदा मिला है, उसे दलों ने भी अपने अधिकृत खातों में दिखाया होगा। चुनाव आयोग एक निश्चित अंतराल पर इन खातों की जांच करता रहा है। तो फिर बॉन्ड में खर्च किया गया धन 'काला धन' कैसे कहा जा सकता है? दरअसल 'काला धन' वह है, जिसे आरोपित व्यक्ति या कॉरपोरेट घराने अथवा राजनेता विदेशी बैंकों में खाते खुलवा कर जमा कर देते हैं और कर-जांच एजेंसियों को उनके खुलासे भी नहीं किए जाते। ऐसे कई 'काले रहस्योद्घाटन' हो चुके हैं। अभी तक चुनाव आयोग के जरिए जितने चुनावी बॉन्ड सार्वजनिक किए गए हैं, उनमें रिलायंस, अंबानी, टाटा, बिरला सरीखे बड़े औद्योगिक समूहों के नाम नहीं हैं। क्या वे राजनीतिक दलों को चंदा नहीं देते? सबसे अधिक 1368 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदने वाले 'लॉटरी किंग' मार्टिन की कंपनी 'फ्यूचर गेमिंग' पर प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर आदि सरकारी एजेंसियों के कई बार छापे मारे जा चुके हैं, जेल भी जाना पड़ा है, फिर भी उसने सर्वाधिक चंदा दिया है। चूंकि कंपनी का मुख्यालय अब तमिलनाडु में है, लिहाजा वहां की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक को 509 करोड़ रुपए का चंदा दिया गया है। ऐसी कई कंपनियां चुनावी चंदे की सूची में हैं, जिनका मुनाफा कम है, लेकिन वे कई गुना ज्यादा चंदा दे रही हैं। ऐसी भी खबरें आई हैं कि किसी ने बंद लिफाफे में 1-1 करोड़ के 10 बॉन्ड जद-यू के दफ्तर में भेज दिए। भाजपा को 8 बार एक ही दिन में 100-100 करोड़ मिले। एक दिन में 200 करोड़ भी मिले। भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल सहित कई दलों ने चंदा देने वालों के नाम के खुलासे नहीं किए हैं। बताया जाता है कि बसपा, इंनेलो, एमआईएम, एनपीपी समेत कई छोटे दलों को बॉन्ड से चंदा नहीं मिला है।

अब चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर वे ब्योरे जारी कर रहा है, जो भारतीय स्टेट बैंक ने भेजे हैं और जारी करने का आदेश सर्वोच्च अदालत का है। कांग्रेस समेत विपक्ष के दल इस चुनावी चंदे को 'बहुत बड़ा घोटाला' चित्रित कर रहे हैं, जो हास्यास्पद राजनीति है। यदि बॉन्ड के जरिए फरवरी, 2024 तक करीब 7700 करोड़ रुपए का चंदा भाजपा को मिला है, तो नवम्बर, 2023 तक 1334 .35 करोड़ रुपए का चंदा कांग्रेस के हिस्से भी आया है। गणना कर लें कि फरवरी, 2024 तक कितना पैसा कांग्रेस के खजाने तक पहुंचा होगा! सूची में दूसरा स्थान तृणमूल कांग्रेस का है, जिसे 1397 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। एक क्षेत्रीय दल को इतना चंदा... ! सूची में बीआरएस, बीजद, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, राजद, एनसीपी, सपा, अकाली दल, अन्नाद्रमुक आदि क्षेत्रीय दल भी हैं।

निम्न मध्यम वर्ग वाले 55 देश हैं जिनकी सालाना प्रति व्यक्ति आय 83000 से 332000 रुपए के बीच है

अब भारत होगा उच्च मध्यम आय वाला देश

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत फिलहाल 3 .6 लाख करोड़ डॉलर के जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके आगे अमरीका, चीन, जापान और जर्मनी हैं। 2030-31 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 6 .7 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा और उस समय तक भारत की प्रति व्यक्ति आय भी बढक़र 4500 अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगी और भारत उच्च मध्यम आय वाले देशों के समूह में शामिल हो जाएगा। गौरतलब है कि विश्व बैंक की परिभाषा के मुताबिक दुनिया में निम्न आय वर्ग वाले 26 देश हैं, जिनकी प्रति व्यक्ति सालाना आय 83000 रुपए या उससे कम है।

हाल ही में 6 मार्च को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत आर्थिक, वित्तीय तथा संरचनात्मक सुधारों के कारण वर्ष 2031 तक निम्न मध्यम से उच्च मध्यम आय वाला देश बन जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने और आगामी वित्त वर्ष 2024-25 में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। भारत फिलहाल 3.6 लाख करोड़ डॉलर के जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके आगे अमरीका, चीन, जापान और जर्मनी हैं। 2030-31 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 6.7 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा और उस समय तक भारत की प्रति व्यक्ति आय भी बढक़र 4500 अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगी और भारत उच्च मध्यम आय वाले देशों के समूह में शामिल हो जाएगा। गौरतलब है कि विश्व बैंक की परिभाषा के मुताबिक दुनिया में निम्न आय वर्ग वाले 26 देश हैं, जिनकी प्रति व्यक्ति सालाना आय 83000 रुपए या उससे कम है। निम्न मध्यम वर्ग वाले 55 देश हैं जिनकी सालाना प्रति व्यक्ति आय 83000 से 332000 रुपए के बीच है। उच्च मध्यम वर्ग वाले 55 देश हैं जिनकी सालाना प्रति व्यक्ति आय 332000 से 996000 रुपए के बीच है। उच्च वर्ग वाले 79 देश हैं जिनकी प्रति व्यक्ति सालाना आय 1000565 रुपए से अधिक है। इस समय भारत जीडीपी के मद्देनजर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत से आगे अमरीका, चीन, जर्मनी और जापान हैं। माना जा रहा था कि भारत 2026 में जापान को पीछे कर दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, लेकिन अब भारत और जापान की अर्थव्यवस्था में बहुत थोड़ा अंतर रह गया है। इसलिए जापान की अर्थव्यवस्था से इसी साल 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था आगे निकल सकती है। 7 मार्च को दुनिया की वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी बार्कलेज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आगामी 5 वर्षों तक चीन की विकास दर भारत से कम रह सकती है तथा दुनिया की कुल जीडीपी में भारत का जो वर्तमान योगदान करीब 10 फीसदी है, वह 2028 में बढक़र 16 फीसदी हो

जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि हाल ही में ब्लूमबर्ग के द्वारा भारतीय सरकारी बॉन्डों को अपने सूचकांक में शामिल करने के फैसले से भारतीय ऋण बाजार को काफी मजबूती मिलेगी। इन बॉन्डों को 31 जनवरी 2025 से ब्लूमबर्ग सूचकांक में शामिल किया जाएगा। जेपी मॉर्गन के बाद ब्लूमबर्ग अपने उभरते बाजार बॉन्ड सूचकांक में भारतीय सरकारी बॉन्ड को शामिल करने वाला दूसरा प्रमुख वैश्विक सूचकांक प्रदाता है। जेपी मॉर्गन ने जून 2024 से भारतीय बॉन्डों को अपने सूचकांक में शामिल करने का निर्णय लिया है। भारतीय सरकारी बॉन्डों को ऐसे वैश्विक सूचकांकों में शामिल किए जाने से वैश्विक वित्तीय बाजार में भारत की वित्तीय प्रतिष्ठा बढ़ेगी और इसके कई लाभ होंगे। इससे भारत में विदेशी निवेश बढ़ेंगे, जिससे सरकार को अपने राजकोषीय घाटे की भरपाई करने में मदद मिलेगी। साथ ही सरकार को चालू खाते के घाटे की भरपाई में भी आसानी होगी। यह बात महत्वपूर्ण है कि इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह रेखांकित हो रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था विकास की पटरी पर पूरी रफ्तार से दौड़ रही है और विकास की ऐसी तेज रफ्तार से भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश तथा वर्ष 2031 तक उच्च मध्यम आय वाला देश बन जाएगा। साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में चमकते हुए दिखाई दे सकता है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर से दिसंबर तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.4 फीसदी की तेज दर से बढ़ा है। जीडीपी की यह रफ्तार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.5 फीसदी के अनुमान से भी अधिक रही है। जीडीपी के इस उत्साहवद्र्धक परिदृश्य के मद्देनजर अब एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7.6 फीसदी कर दिया है। इस समय भारतीय शेयर बाजार भी दुनियाभर में ऊंचाइयों पर रेखांकित होते हुए दिखाई दे रहा है। 7 मार्च 2024 को जो सेंसेक्स 74000 से अधिक की अब तक की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है, वह 2024 के अंत तक 100000 से अधिक के स्तर पर पहुंच सकता है। इस तरह भारतीय अर्थव्यवस्था उम्मीद से बढक़र प्रदर्शन कर रही है। इससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की ताकत और क्षमता बढ़ रही है और इससे भारत विकसित राष्ट्र बनने की डगर पर आगे बढने की अच्छी संभावनाएं रखता है। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय भारत दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था के साथ आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को आर्थिक पंख लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। घरेलू संरचनात्मक सुधार, मैन्युफैक्चरिंग, ग्लोबल सप्लाई चेन, इंफ्रास्ट्रक्चर में इन्वेस्टमेंट और ग्रीन एनर्जी पर निर्भरता बढने से भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी, सबसे अधिक कौशल प्रशिक्षण के अभियान, बढ़ता सर्विस सेक्टर, बढ़ते निर्यात और अर्थव्यवस्था के बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता नए भारत के निर्माण की बुनियाद बन सकती है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष महत्व, अमरीका और रूस दोनों महाशक्तियों के साथ दुनिया के जी-20 देशों में भारत की नई अहमियत और दुनिया में मजबूत लोकतंत्र और स्थिर सरकार के रूप में भारत की पहचान भारत के विकास को तेज रफ्तार दे रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार के द्वारा विगत 10 वर्षों में किए गए आर्थिक और वित्तीय सुधारों के साथ-साथ कठोर प्रशासनिक निर्णयों से आर्थिक विकास की जो रफ्तार बढ़ी है, वह अब आगामी लोकसभा चुनाव के बाद और तेज होते हुए दिखाई दे सकेगी।

दृष्टि कोण

न्यायिक व्यवस्था की सक्रियता व आम जनमानस

देश व प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था एक ऐसा संवैधानिक संस्थान है, जो देश के आम नागरिकों के लोकतान्त्रिक, सामाजिक एवं मानवीय अधिकारों के संरक्षक के रूप में कार्य करता है या इन सभी कारकों की रक्षा एवं सुरक्षा के प्रहरी के रूप में कार्य करता है। देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था स्वतंत्रता और समानता की पक्षधर है। सतही स्तर पर वर्तमान में देश व प्रदेश में जिन घटनाक्रमों का पटाक्षेप हो रहा है, उनकी विवेचना पर यह निष्कर्ष निकलता है कि वर्तमान राजनीति, राजनीतिज्ञ, प्रशासन एवं प्रशासनिक अधिकारी लोकतंत्र की इस मूल धारणा के विपरीत अराजकता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, रिश्वतखोरी आदि अनुचित कार्यों में लिप्त हैं। इन कृत्यों पर अंकुश लगाने की दिशा में देश की न्यायिक व्यवस्था निरंतर प्रयासरत है। न्यायिक निर्णय, तर्क-वितर्क एवं तथ्यों की शुचिता पर आधारित होते हैं जिसके आधार पर ही माननीय न्यायाधीश अपने न्यायिक निर्णय का निर्धारण करते हैं। यह सर्वविदित है कि देश व प्रदेश के अधीनस्थ न्यायालयों में अधिकांश मुकदमें दो पक्षकारों के मध्य छोटे-छोटे झगड़ों, आपसी मतभेद या अहंकार, भूमि विवाद से सम्बन्धित होते हैं। इस प्रकार के मुकद्दमों को गुण-दोष के आधार पर निर्धारित तय समय सीमा में निर्णय होना चाहिए, जिससे आम जनमानस, साधारण न्याय प्राप्त करने में, मानसिक एवं आर्थिक रूप से अत्यधिक प्रताड़ित हो रहा है। अपने व्यक्तिगत विकास की गति में अवरोध उत्पन्न कर रहा है। वर्तमान असमानता पूर्ण, भ्रष्टाचार युक्त व्यवस्था में, तथ्यों एवं तर्क - वितर्क को भी वादी-प्रतिवादी अपनी सुविधानुसार न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है जिसके परिणामस्वरूप उस

न्यायिक निर्णय में न्याय-अन्याय के चरित्र में कोई भी भेद नहीं रह जाता है। कालांतर से ही यह सत्यापित है कि न्याय एवं मानव निर्मित कानून दीन एवं दुर्बल अपराधी को ही दंडित करता है, जबकि समर्थ व प्रभावी अपराधी अपने धन बल, छल एवं प्रभाव से सर्वथा दोष मुक्त रहता है। इससे यह प्रतीत होता है कि वर्तमान न्यायिक व्यवस्था में भी आम नागरिकों मुख्यतः निर्धन, दलित एवं महिला वर्ग के लिए न्याय प्राप्त करना एक कल्पित वस्तु है। अथक मेहनत और प्रयास से जो न्याय मिलता भी है, निश्चित रूप से थका देने वाला होता है। न्याय के सिद्धांत के संदर्भ में एक कहावत प्रचलित है कि न्याय प्राप्ति में विलम्ब भी पीड़ित पक्ष के साथ अन्याय ही माना जाता है। प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा प्रदेश पुलिस महा निदेशक एवं ज़िला कांगड़ा के व्यवसायी के मध्य विवाद की निष्पक्ष जांच के निष्पक्षता हेतु प्रदेश पुलिस महा निदेशक व ज़िला कांगड़ा के पुलिस अधीक्षक को उनके पद से विमुक्त करने का आदेश, प्रदेश उच्च न्यायालय का एक साहसिक एवं ऐतिहासिक निर्णय था। इसके उपरान्त के घटनाक्रम में प्रदेश पुलिस महा निदेशक द्वारा देश की सर्वोच्च अदालत में अपने पक्ष को प्रस्तुत करते हुए, इस निर्णय को लेकर स्थगन आदेश प्राप्त करना, देश व प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में याचककर्ता की सजगता व धन बल की प्रासंगिकता या उसके महत्व को इंगित करता है। अब प्रश्न न्याय-अन्याय का नहीं है, अपितु न्यायिक व्यवस्था में भी किस प्रकार से तत्परता के साथ अपने अधिकारों की सुरक्षा की जा सकती है, उसको प्रमाणित करता है। इसके विपरीत यक्ष प्रश्न यह भी है कि क्या देश का आम नागरिक जिसमें महिला, दलित, आर्थिक रूप से अक्षम व्यक्ति सम्मिलित हैं, इस प्रकार से त्वरित न्याय प्राप्ति की दिशा में ऐसा प्रयास कर, न्याय प्राप्त कर सकता है? इसका स्पष्ट सा उत्तर है, कदापि नहीं, क्योंकि जिस प्रकार देश व प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था का वर्तमान चरित्र है, उस संदर्भ में माननीय उच्चतम न्यायालय की पीठ द्वारा देश की न्यायिक प्रक्रिया को सजा बताना, देश की वर्तमान न्यायिक प्रणाली की दशा को बयान करता है। देश का लचर न्यायिक ढांचा, देश व प्रदेश के न्यायालयों में लम्बित मुक़द्दमों का अत्यधिक दबाव एवं अधिवक्ताओं का आपसी गठजोड़, देश के न्यायालयों में विचाराधीन मुक़द्दमों के त्वरित निर्णय एवं समाधान में सबसे प्रमुख बाधा हैं। अपितु दोषमुक्त न्यायिक प्रक्रिया में न्यायिक मानकों एवं मापदंडों की पूर्ति में अप्रतिक्षित चुनौतियां एवं रुकावटें वादी-प्रतिवादी के समक्ष होती हैं।

कुछ अलग

आध्यात्मिक नक्शे पर आ रहा गोवा

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक सोशल मीडिया पोस्ट से लक्षद्वीप एकाएक विश्व पर्यटन मानचित्र पर आ गया था। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लक्षद्वीप बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल बनने की सभी खूबियां रखता है। वो पड़ोसी देश मालदीव को आसानी से पर्यटन में पछाड़ सकता है, लेकिन भारत के पर्यटन नेकलस में गोवा भी एक अहम हीरा है। मालदीव के मुकाबले गोवा न केवल देसी-विदेशी पर्यटकों को लुभाता है, बल्कि गोवा की प्रमोद सावंत सरकार राज्य में पर्यटकों को बढ़ावा देने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। गोवा हमेशा सन, सेंड और सी के लिए जाना जाता रहा है। सूर्य के नीचे नहाते हुए सुनहरे रेत पर टहलना, नीले सागर में सर्फिंग का आनंद लेना और मनमोहक सूर्यास्त का दीदार करना गोवा के समुद्र तटों का यही सार है। गोवा अपनी नाइट लाइफ, स्वादिष्ट समुद्री भोजन और खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। गोवा में 75 मील लंबी तटरेखा और 40 बीच हैं, जिनमें कुछ अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं, जो गोवा को इंटरनेशनल टूरिज्म मैप पर एक अलग पहचान दिलाते हैं। हरे-भरे ताड़ के पेड़ों से घिरे बीच सैलानियों का मन मोह लेते हैं। कलंगुट बीच, पालोलेम बीच, बागा बीच, अंजुना बीच, कैंडोलिम बीच, अरामबोल बीच, अगोंडा बीच, मोरजिम बीच और मीरामार बीच प्रसिद्ध हैं। अंजुना, कलंगुटे और बग जैसे बीच तो मालदीव को पीछे छोड़ते हैं। अब गोवा सरकार राज्य को आध्यात्मिक पर्यटन के नक्शे पर लाने के प्रयास में जुटी है। आध्यात्मिक पर्यटन के लिए जिस इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी, उसके लिए सरकार काम कर रही है। राज्य सरकार ने गोवा में देश का पहला रीजेनरेटिव पर्यटन लॉन्च किया है। गोवा की आजादी की 62वीं वर्षगांठ पर राज्य के पर्यटन विभाग ने नई पर्यटन नीति रीजेनरेटिव टूरिज्म की घोषणा की थी। रीजेनरेटिव के माध्यम से सरकार राज्य में पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक संरक्षण और सामुदायिक सशक्तिकरण को मजबूत करना चाहती है। नई नीति के माध्यम से प्रमोद सावंत एकादश तीर्थ की शुरुआत के साथ ही आध्यात्मिकता, स्वदेशी, सभ्यतागत और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सजग पर्यटन पर जोर देते हुए भारतीय पर्यटन को एक नया आयाम देना चाहते हैं। यदि गोवा के इतिहास की बात करें तो इसका उल्लेख महाभारत में भी आता है। महाभारत में गोवा गोपराष्ट्र यानी गोपालकों के देश के रूप में मिलता है। संस्कृत के कुछ अन्य पुराने स्रोतों में गोवा को गोपकपुरी और गोपकपट्टन कहा गया है, जिनका उल्लेख हरिवंशम और स्कंद पुराण में मिलता है। जनश्रुति के अनुसार, गोवा की रचना भगवान परशुराम ने की थी। मान्यता है कि परशुराम ने एक यज्ञ के दौरान अपने बाणों की वर्षा से समुद्र को कई स्थानों पर पीछे धकेल दिया था। इसी वजह से आज भी गोवा में बहुत से स्थानों का नाम वाणावली, वाणनस्थली आदि है। चूंकि, गोवा करीब 450 साल तक पुर्तगाली शासन के अधीन रहा, इस कारण यहां यूरोपीय संस्कृति का प्रभाव दिखता है, लेकिन गोवा के वास्तु शास्त्र में हिंदू प्रभाव दिखाई देता है। सबसे प्राचीन मंदिर गोवा में हैं। गोवा की संस्कृति काफी प्राचीन है। 1000 साल पहले गोवा कोंकण काशी के नाम से जाना जाता था। यहां का श्री कामाक्षी, सप्तकेटेश्वर, श्री शांतादुर्ग, महालसा नारायणी, परनेम का भगवती मंदिर, महालक्ष्मी आदि बेहद दर्शनीय हैं। पुर्तगालियों ने गोवा की संस्कृति का नामोनिशान मिटाने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन यहां की मूल संस्कृति इतनी शक्तिशाली थी कि उनके प्रयास असफल ही रहे। वैसे तो गोवा में पर्यटक सीजन साल भर चलता है, लेकिन अक्टूबर से फरवरी गोवा घूमने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। इसमें भी फरवरी को बेस्ट माना जाता है।

देश दुनिया से

द नक्सल स्टोरी, 'और भी गम हैं जमाने में मोहब्बत के सिवा'

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितने रूपए बटोरती है, वो एक अलग बात है, पर जो ख़ास बात है वो ये कि अब बॉलीवुड भी समझ रहा है कि 'और भी ग़म हैं ज़माने में मोहब्बत के सिवा'। मुझे इस कहानी में वो दिखा जो अब कुछ साल से धीरे धीरे दिखने लगा है। बॉलीवुड में जमीनी कहानी कहने का दम और साहस। इस फिल्म ने मुझे वो उम्मीद दी कि अब बॉलीवुड या हिंदी सिनेमा ज़मीनी सच्चाई से भरी कहानियां कहने को बिलकुल तैयार है। वो तैयार है कि जनता जाने कि पिछले कई दशक से जो खबरें उसने अखबारों में दो या तीन कॉलम के समाचारों में पढ़ीं या फिर टॉप 50 खबरों में जो सरपट निकल गयीं, उसकी पूरी कहानी क्या थी, पृष्ठभूमि क्या थी, वो कौन लोग थे जो कह नहीं पाए, वो कौन लोग थे जिनकी आवाज़ सालों साल हम तक पहुंची ही नहीं, या शायद पहुँचने ही नहीं दी गया।

'बस्तर द नक्सल स्टोरी', इस फिल्म शुरुआत के वक़्त चलने वाला डिस्क्लेमर कहता है कि 'फिल्म के कुछ दृश्य आपको विचलित कर सकते हैं 'कई फिल्म रिव्यु कहते हैं कि ये फिल्म परेशान करने वाली है। पर, मैं जब से फिल्म देखकर आया हूँ कहीं बस्तर के जंगलों में ही खोया हुआ हूँ। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितने रूपए बटोरती है, वो एक अलग बात है, पर जो ख़ास बात है वो ये कि अब बॉलीवुड भी समझ रहा है कि 'और भी ग़म हैं ज़माने में मोहब्बत के सिवा'। मुझे इस कहानी में वो दिखा जो अब कुछ साल से धीरे धीरे दिखने लगा है। बॉलीवुड में जमीनी कहानी कहने का दम और साहस। इस फिल्म ने मुझे वो उम्मीद दी कि अब बॉलीवुड या हिंदी सिनेमा ज़मीनी सच्चाई से भरी कहानियां कहने को बिलकुल तैयार है। वो तैयार है कि जनता जाने कि पिछले कई दशक से जो खबरें उसने अखबारों में दो या तीन कॉलम के समाचारों में पढ़ीं या फिर टॉप 50 खबरों में जो सरपट निकल गयीं, उसकी पूरी कहानी क्या थी, पृष्ठभूमि क्या थी, वो कौन लोग थे जो कह नहीं पाए, वो कौन लोग थे जिनकी आवाज़ सालों साल हम तक पहुंची ही नहीं, या शायद पहुँचने ही नहीं दी गया। ऐसा नहीं है कि नक्सलवाद और नक्सलियों पर पहले फिल्म नहीं बनीं, पर उसमें वो सिर्फ कोई पात्र बनकर रह गए। माओवाद और नक्सलवाद पर समाचार चैनलों ने भी कुछ ख़ास न तो समझ बनायी, न खबर दिखाई। जब जब हमले हुए तो कितने मरे, किसने ज़िम्मेदारी ली से आगे समाचार चैनल न तो बढ़ पाए न बढ़ना चाहा जो ख बरें आयीं वो भी फर्ज निभाने के खांचे में ज़्यादा फिट होती दिखाई दी। सरकारों के साथ साथ खबरिया चैनल भी मौन ही तो रहे अक्सर। अब पिछले कुछ सालों से चाहे वो कश्मीर फाइल हो, केरला स्टोरीज हो, माझी हो, लापता लेडीज हो या फिर बस्तर द नक्सल स्टोरी, ये सिर्फ कह नहीं रहे, सवाल भी कर रहे हैं। विपुल शाह की ये फिल्म जो कुछ दिखाती है वो देखने के लिए शायद हिम्मत चाहिए और जिस तरह से दिखाती है वो भी देखने के लिए हिम्मत चाहिए। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे नक्सलियों ने वहां अपनी एक अलग सत्ता बना ली है. कैसे उन्होंने वहां के लोगों की जिंदगी तहस नहस कर दी है। आईपीएस ऑफिसर नीरजा माधवन (Adah Sharma) नक्सलवादियों को कैसे खत्म करती हैं, कैसे वो देश के सिस्टम से लड़ती हैं और ये कहानी बड़े खौफनाक तरीके से पर्दे पर पेश की गई है। अब जब बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक ऐसी फिल्में आने लगी हैं तो इन्हें एजेंडा और प्रोपेगैंडा भी कहा जाता है। फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने आतंक की नक्सली क्रूरता और तंत्र की विवशता के बीच पिस्ते आदिवासियों की कहानी को कहने में यकीनन तगड़ी रिसर्च की होगी ऐसा जान पड़ता है। मैं बस्तरः द नक्सल स्टोरी को किसी सियासी चश्मे की बजाये उस सृजनात्मक लेंस से देखना पसंद करूँगा जहां आखिर सुदूर झारखंड, छत्तीसगढ़, केरला के गाओं मोहल्लों के नाम, उनकी समस्याएं, उनकी खुशियां मुंबई-दिल्ली होती हुई समस्त विश्व में पहुँच रही हैं। निर्माता अब सिर्फ रिस्क नहीं ले रहा, वो ऐसी

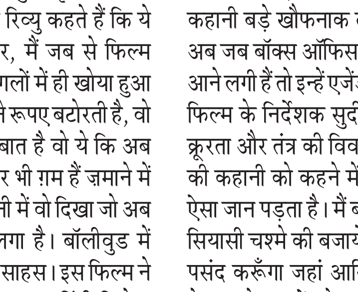

कार्ययोजना भी गढ़ रहा है कि जिस से कम से कम इन मुद्दों पर बातचीत नए सिरे से शुरू हो। 'हम कलाकारों को भी अब इस तरह की कहानियां जोशपूर्ण प्रोत्साहन दे रही हैं, क्यूंकि हमें भी लगता है कि सिर्फ पात्र नया नहीं है, उस पात्र के ज़रिये हम उस पात्र और कहानी को दुनिया तक सही ढंग से ले जाने की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं। 'कहते हुए कंपनी। बुद्धा इन ट्रैफिक जैम, पेज 3, एक हसीना थी जैसी फिल्मों मके बाद 'बस्तर द नक्सल स्टोरी में आई जी के सचिव 'श्रीवास्तवजी' का बेहतरीन किरदार निभाने वाले गोपाल के सिंह बड़े दिलचस्प ढंग से कहानी, कलाकार और चुनौतियों की बात कह जाते हैं। ये चुनौतियां अब अक्सर कलाकारों को झेलनी होंगी क्यूंकि जनता भी इन ज़मीनी कहानियों में खुद को पहचानने लगी है, फिर चाहे वो बॉलीवुड में बनी'१२वी फेल हो' या OTTपर पंचायत जैसा मीठा कटाक्ष। अब कलाकार भी वो ही चलेगा जो इन जमीनी कहानियों को अपना सा लगेगा। अब वो बात पुरानी हुई कि जो बिक जाये वो हिट। जनता ने अपनी पसंद न पसंद बताकर जता दिया है कि और भी गम हैं जमाने में मोहब्बत के सिवा। देश के अमृतकाल में ये एक सुखद संकेत है कि पगडण्डी के अंतिम छोर पर खड़े हिन्दुस्तानी की कहानी भी अब जगह बनाने लगी है।

आप का नजरिया

सियासी भाषा का मनोविज्ञान

हिमाचल में कांग्रेस का नया युग, बीते कल से मुकाबला कर रहा है। जाहिर है भाषण और भाषा सडक़ की सभ्यता में नए उच्चारण तक पहुंच गई है या राजनीति का मनोविज्ञान अब बोलने की नई परिभाषा है। आगामी लोकसभा चुनाव की फांस में सरकार, सत्ता और कांग्रेस के बीच नए अफसाने जन्म ले रहे हैं, तो कमोबेश भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने विपक्ष की कुंडलियों में अपने अर्थ की शब्दावली बैठा दी है। अब भाषा की संगत भी सोशल मीडिया की तरह बेपरवाह, नुकीली व प्रहारक बन गई है। यह सियासत का नया दौर है और जाहिर तौर पर पिछले एक दशक के आरोहण में हमने गिरते हुए शब्द, झगड़ते हुए अर्थ तथा मरती हुई भाषायी मर्यादा देखी है। अब बात अगर मेंढक तक पहुंच जाएगी, तो भाषायी उछलकूद कोहराम तो मचाएगी ही। बहरहाल हिमाचल में जनता के लिए और जनता के सामने कसूरवार तो भाषा ही है। यह पहले पक्ष-विपक्ष में गिर रही थी, लेकिन अब अपने ही भितरघात को शब्दों के युद्ध में पहचान रही है। जाहिर है हम हिमाचली जिन बोलियों में स्वयं को अभिव्यक्त करते हैं, वहां शब्दों का प्रचलन अपने आप में माधुर्य की संस्कृति में अभिव्यक्त होता रहा है। बेशक व्यंग्य का पुट, मुहावरों की गहराई और अनौपचारिक संवाद में हिमाचली समाज अपनी कठिनाइयों की सहजता में चलता रहा है, लेकिन अब राजनीति के सार्वजनिक मंच ने हमसे भाषायी संस्कार और संतुलन छीन लिया है। यह काफी हद तक राजनीति के आरपार होने लगा और इसीलिए इसके अक्स में स्थानीय निकाय तक के चुनाव ने सामाजिक गली को गाली बना दिया। कांग्रेस के बीच जिस हिसाब से घटनाक्रम रहे हैं, वहां एक नए युग की परिकल्पना से इन्कार नहीं किया जा सकता। ऐसे में असमंजस के सारे कारण जनता को अपने राज्य के नसीब पर संदेह करने का अवसर दे रहे हैं। एक ही पार्टी, एक ही सत्ता के बीच शह और मात का खेल अगर सार्वजनिक मंच पर अभिव्यक्ति की सीमा से बाहर भाषा के उच्चारण को गिरा रहा है, तो कहीं कमजोरियों के आलम में सिंह गर्जना का क्या तात्पर्य बचेगा। जो हुआ, नहीं होना चाहिए था, लेकिन जो अब लगातार हो रहा है, अवांछित व अप्रिय है। हम राजनीतिक कारणों से हिमाचल की भाषायी संस्कृति को गिराते रहेंगे, तो एक दिन यहां के फैसले सिर्फ मौखिक गालियों के सहारे ही जन्म लेंगे। मंचीय युद्ध की पैमाइश में भले ही कोई पक्ष आगे दिखाई दे, लेकिन यहां हर कदम की एक भाषा है। बागी विधायकों के लिए न्याय की भाषा क्या सुनाएगी या सीपीएस पर सरकार को कानून के शब्द क्या बताएंगे, इसके ऊपर सारा दारोमदार टिका है, वरना सत्ता के प्रभाव से अंगुली मरोडऩे का भाषायी अर्थ कौन नहीं जानता। किसी विधायक के पिता या किसी विधायक पर एफआईआर हो जाने की भाषा में गुरूर हो सकता है, लेकिन जमानत मिलने में अधिकारों की भाषा नग़र आती है। यही अधिकारों की भाषा मतदाता के काम आएगी और इसीलिए वह कभी दिल्ली से अपने प्रधानमंत्री की भाषा में सुन रहा है कि हिमाचल में कहां फोरलेन, कहां सुरंग और कहां नेशनल हाईवे बन रहे हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

फेड ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, इस वर्ष तीन तिमाही दर में कटौती की उम्मीद

वाशिंगटन,21 मार्च (एजेंसियां) ।

फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व ने अनुमान लगाया कि मुद्रास्फीति कम होने से साल के अंत तक उधार लेने की लागत कुछ हद तक कम हो जाएगी। फेड अधिकारियों ने अपने मार्च नीति निर्णय में, ब्याज दरों को लगभग 5.3 प्रतिशत पर स्थिर रखा, जहां वे जुलाई 2023 से निर्धारित हैं।

नीति निर्माताओं ने दिसंबर के बाद पहली बार त्रैमासिक आर्थिक अनुमानों का एक नया सेट भी जारी किया और अनुमान लगाया कि उधार लेने की लागत 2024 में 4.6 प्रतिशत पर समाप्त हो जाएगी। उस अपरिवर्तित पूर्वानुमान से पता चलता है कि वे अभी भी इस वर्ष तीन तिमाही दर में कटौती की उम्मीद करते हैं।

विकास और मुद्रास्फीति पर असर पड़ने की उम्मीद

फेड नीति निर्माता इस महीने तक पूरे दो वर्षों से तेजी से मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं। हालांकि, उन्हें हालिया प्रगति से प्रोत्साहित किया गया है, वे अभी तक मूल्य वृद्धि पर जीत की घोषणा करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह देखते हुए, वे ब्याज दरों को उच्च स्तर पर रख रहे हैं, जिससे विकास और मुद्रास्फीति पर असर पड़ने की उम्मीद है, भले ही वे संकेत देते हैं कि एनवाईटी के अनुसार, आने वाले महीनों में दरों में कटौती की संभावना है।

केंद्रीय बैंकर अर्थव्यवस्था को नरम स्थिति की ओर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वे ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखें ताकि मूल्य वृद्धि को पूरी तरह से नियंत्रण में लाया जा सके, लेकिन वे इसे ज्यादा करने और मंदी का कारण बनने से भी बचना चाहते हैं।

फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान बताया, यहां जोखिम वास्तव में दोतरफा हैं, हम ऐसी स्थिति में हैं, जहां अगर हम बहुत अधिक या बहुत जल्द ढील देते हैं, तो हम मुद्रास्फीति को वापस आते हुए देख सकते हैं।

फेड अधिकारियों ने अपने मार्च नीति निर्णय में, ब्याज दरों को लगभग 5.3 प्रतिशत पर स्थिर रखा, जहां वे जुलाई 2023 से निर्धारित हैं। नीति निर्माताओं ने दिसंबर के बाद पहली बार त्रैमासिक आर्थिक अनुमानों का एक नया सेट भी जारी किया और अनुमान लगाया कि उधार लेने की लागत 2024 में 4.6 प्रतिशत पर समाप्त हो जाएगी।

पेटीएम की यूपीआई सेवाएं पहले की तरह करेंगी काम, कंपनी ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

नई दिल्ली । पेटीएम ने अपने सभी ग्राहकों और शेयरधारकों को विश्वास दिलाया है कि पेटीएम की यूपीआई सेवाएं पहले की तरह संचालित होती रहेंगी। दरअसल नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्यूनिकेशन को विभिन्न बैंकों के साथ थर्ड पार्टी एप्लीकेशन प्रोवाइडर के रूप में मंजूरी दे दी है। जिसके तहत कंपनी की यूपीआई सेवाएं पहले की तरह संचालित होती रहेंगी। ये चार बैंक पेटीएम के पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर के रूप में काम करेंगे कंपनी ने बताया कि चार बैंक (एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यस बैंक) वन97 कम्यूनिकेशन के पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर (भुगतान सेवा प्रदाता) के रूप में काम करेंगे। यस बैंक वन97 कम्यूनिकेशन के लिए मौजूदा और नए व्यापारिक भुगतान के लिए व्यापारी अधिग्रहण बैंक के रूप में काम करेगा। व्यापारी अधिग्रहण बैंक सेवा के तहत पेटीएम हैंडल ग्राहकों को यस बैंक के लिंक पर लेकर जाएगा, जिसकी मदद से यूजर्स और व्यापारी सभी लोग पेटीएम की यूपीआई और ऑटोपे जैसे सेवाओं का बिना किसी परेशानी के इस्तेमाल जारी रख सकेंगे। कंपनी ने सोशल मीडिया के जरिए दी जानकारी पेटीएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। कंपनी ने लिखा कि हां, आप पेटीएम यूपीआई हैंडल की सेवाएं बिना किसी परेशानी के जारी रख सकेंगे। पेटीएम यूपीआई हैंडल को विभिन्न बैंक खातों से जोड़ दिया गया है। हैंडल के बदलाव के लिए हम जल्द ही अपने ग्राहकों को एक विकल्प प्रदान करेंगे।

69.2 करोड़ महिलाओं में से 37 प्रतिशत को मिला रोजगार, हैदराबाद सहित ये शहर हैं सबसे आगे

नई दिल्ली। देश में करीब 69.2 करोड़ महिलाओं की आबादी में से लगभग 37 फीसदी सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। करिअर नेट की रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर महिला रोजगार के मामले में शीर्ष पर हैं।

2022 की तुलना में 2023 में जूनियर स्तर पर और कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में 2–5 फीसदी की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में कॉलेजों से निकली प्रतिभाओं में से 40 फीसदी महिलाएं थीं। तीन और सात वर्ष के अनुभव वाली महिला उम्मीदवारों का कुल नियुक्तियों का 20–25 फीसदी है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर को छोड़कर देश के अधिकांश प्रमुख शहरों में महिलाओं की नियुक्ति अनुपात में मामूली वृद्धि हुई है। सबसे आगे हैदराबाद, दिल्ली–एनसीआर में गिरावट हैदराबाद 34 फीसदी नियुक्ति दर के साथ सबसे आगे है। पुणे में यह दर 33 फीसदी और चेन्नई में 29 फीसदी है। दिल्ली–एनसीआर में 20 फीसदी की गिरावट देखी गई है। यह रिपोर्ट 25,000 नौकरी प्लेसमेंट के विश्लेषण के साथ तैयार की गई है। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं में ज्यादा भर्तियां विश्लेषण से पता चला है कि बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा में महिलाओं की भर्ती का रुझान बढ़ा है। जहां शहरी आबादी में 30 फीसदी संगठित क्षेत्र में नियुक्त हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्र से 5 फीसदी ही हैं।

जून में आरबीआई की बैठक में रेपो रेट में हो सकती है कटौती, जमा पर कम हो जाएगा रिटर्न

नई दिल्ली । ऊंची ब्याज दरों का फायदा अब वरिष्ठ नागरिकों को भी मिल रहा है। करीब आठ ऐसे स्मॉल फाइनेंस बैंक ऐसे हैं जो सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) पर 9.5 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं।

ऐसे में इन नागरिकों के लिए ऊंची ब्याज दर पर लंबे समय के लिए पैसा फिक्स करने का यह बेहतर अवसर है। विश्लेषकों के मुताबिक, आगे चलकर जून से दरों में कटौती होने की उम्मीद है। ऐसे में जमा पर ब्याज दरें भी घटने लगेंगी। इस समय चूंकि रेपो रेट अपने कई साल के उच्च स्तर पर है, साथ ही उधारी की मांग भी बहुत ज्यादा है, इसलिए बैंक ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। बड़े बैंकों की दर 7.85 फीसदी तक वैसे बड़े बैंक भी इस समय आम जमाकर्ताओं को 7.85 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं। हालांकि, वरिष्ठ नागरिकों के लिए इससे ज्यादा दर है। एक्सिस बैंक जहां एक साल की अवधि पर 7.85 फीसदी ब्याज दे रहा है, वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा 7.25 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। यह दरें अलग–अलग अवधि पर हैं। छोटे बैंकों में ईएएसएफ और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक भी वरिष्ठ नागरिकों को 8.75 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं।

विज्ञापन केस में पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी

कहा– ऐसे ऐड नहीं दिखाएंगे, कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को 2 अप्रैल को तलब किया है

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

सुप्रीम कोर्ट ने चल रहे पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले दवा विज्ञापन मामले में अब कंपनी ने कोर्ट से अपनी गलती की माफी मांगी है। पतंजलि आयुर्वेद और उसके आचार्य बालकृष्ण ने गुमराह करने वाले भ्रामक दवा विज्ञापन देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। इस माफीनामे में विज्ञापन को फिर से प्रसारित न करने का भी वादा किया गया है। आचार्य बालकृष्ण का कहना है कि कंपनी के मीडिया विभाग को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी नहीं थी। उनका कहना है कि इसका उद्देश्य नागरिकों को पतंजलि के प्रोडक्ट का उपभोग करके स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना था।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और बालकृष्ण को पेश होने का दिया था आदेश – कोर्ट ने 2 अप्रैल को पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले दवा विज्ञापन मामले में स्वामी रामदेव (पतंजलि के को–फाउंडर) और पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण को कोर्ट में पेश होने को कहा है। कंपनी और आचार्य बालकृष्ण ने नोटिस का जवाब दाखिल नहीं किया, जिसकी वजह से यह आदेश जारी किया गया था। अब उन्हें अगली तारीख पर कोर्ट में पेश होना पड़ सकता है। कोर्ट ने 19 मार्च को हुई सुनवाई में नोटिस जारी कर ये भी पूछा था कि उनके खिलाफ क्यों न अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए। जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। इससे पहले 27 फरवरी को इस मामले की सुनवाई हुई थी। 27 फरवरी की सुनवाई में कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले दवा विज्ञापनों पर रोक लगाई थी। इसके अलावा अवमानना कार्यवाही में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। दरअसल, कोर्ट ने पिछले साल भ्रामक विज्ञापन जारी नहीं करने का निर्देश दिया था, लेकिन कंपनी ने इसे नजरअंदाज किया।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट – सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 17 अगस्त 2022 को दायर की गई याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार किया। वहीं खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा किया।

कोर्ट के आदेश के बाद भी पतंजलि ने जारी किए थे विज्ञापन – इससे पहले हुई सुनवाई में आईएमए ने दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 में प्रिंट मीडिया में जारी किए गए विज्ञापनों को कोर्ट के सामने पेश किया। इसके अलावा 22 नवंबर 2023 को पतंजलि के सीईओ बालकृष्ण के साथ योग गुरु रामदेव की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बारे में भी बताया। पतंजलि ने इन विज्ञापनों में मधुमेह और अस्थमा को पूरी तरह से ठीक करने का दावा किया था। ये प्रेस कॉन्फ्रेंस सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के ठीक एक दिन बाद की गई थी। 21 नवंबर 2023 को हुई सुनवाई में जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा था– पतंजलि को सभी भ्रामक दावों वाले विज्ञापनों को तुरंत बंद करना होगा। कोर्ट ऐसे किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगा और हर एक प्रोडक्ट के झूठे दावे पर 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना लगा सकता है।

कोर्ट ने कहा था– पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है – पिछली सुनवाई में बेंच ने कहा था– पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है कि उसकी दवाएं कुछ बीमारियों को ठीक कर देंगी, जबकि इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। पतंजलि ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) एक्ट में बताई गई बीमारियों के इलाज का दावा करने वाले अपने प्रोडक्ट्स का विज्ञापन नहीं कर सकती।

कोर्ट ने सरकार से पूछा था– आपने पतंजलि पर क्या कार्रवाई की – कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि पतंजलि के विज्ञापनों के खिलाफ ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम 1954 के तहत क्या कार्रवाई की गई है। केंद्र की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि इस बारे में डेटा इकट्ठा किया जा रहा है। कोर्ट ने इस जवाब पर नाराजगी जताई और कंपनी के विज्ञापनों पर नजर रखने का निर्देश दिया।

कोविड की दवा बनाने के दावे को लेकर घिरी थी पतंजलि – रामदेव बाबा ने दावा किया था कि उनके प्रोडक्ट कोरोनिल और स्वसारी से कोरोना का इलाज किया जा सकता है। इसके अलावा भी पतंजलि अपने कुछ अन्य प्रोडक्ट्स को लेकर विवादों में रही है। 2015 में कंपनी ने इंस्टेंट आटा नूडल्स लॉन्च करने से पहले फूड सेफ्टी एंड रेगुलेरिटी अथॉरिटी ऑफ इंडिया से लाइसेंस नहीं लिया था।

देश में तेजी से बढ़ रहा गेमिंग बाजार अमेरिका की गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस में पहली बार भारत का पेवेलियन

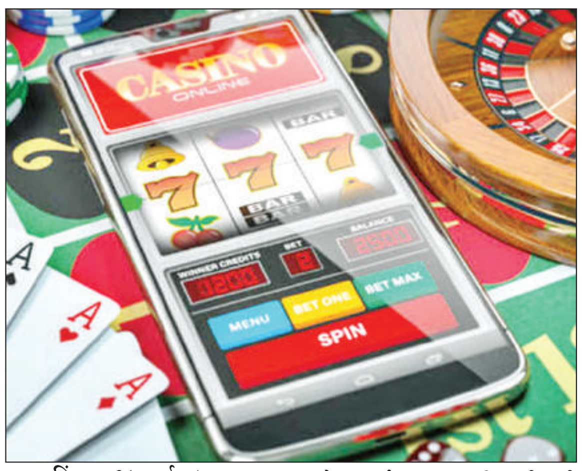

वाशिंगटन,21 मार्च ।

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। खास बात ये है कि पहली बार इसमें भारत का भी पेवेलियन है। यह भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों को दिखाता है। यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के सहयोग से गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया है। फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने बताया कि भारत पेवेलियन का उद्घाटन भारत–अमेरिका के संबंधों में मील का पत्थर है।

देश में तेजी से बढ़ रही गेमिंग इंडस्ट्री

गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया। साथ ही इस दौरान इंडिया गेमिंग मार्केट रिपोर्ट भी जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का गेमिंग मार्केट साल 2023 में 3.1 अरब डॉलर था, जिसके साल 2028 तक 6 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। कार्यक्रम में सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूत के श्रीकर रेड्डी भी समेत कई अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। रेड्डी ने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में काफी संभावनाएं हैं।

देश में 56 करोड़ ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोग

इंडिया गेमिंग मार्केट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अभी ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में एक लाख लोग काम करते हैं और आने वाले दशक में इस सेक्टर में ढाई लाख नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। भारत में साल 2023 में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 88 करोड़ थी, जिसके साल 2028 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2023 में ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोगों की संख्या करीब 56 करोड़ थी, जो 2028 तक बढ़कर 89 करोड़ हो जाएगी। भारत में साल 2015 में सिर्फ 25 गेमिंग कंपनियां थीं, जो साल 2023 में बढ़कर 1400 हो गई हैं। भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा मोबाइल गेम एप डाउनलोड किए जाते हैं।

ईडी ने एआईएडीएमके नेता विजय भास्कर के ठिकानों पर की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई कार्रवाई

चेन्नई,21 मार्च (एजेंसियां) ।

केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने एआईएडीएमके नेता और तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सी.विजयभास्कर के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी की कार्रवाई ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े दो मामलों में 25 ठिकानों पर छापेमारी की।

एआईएडीएमके सरकार में मंत्री रह चुके हैं विजयभास्कर

विजयभास्कर एआईएडीएमके की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं और तमिलनाडु की पुडुकोट्टई से पार्टी के शीर्ष नेता हैं। साल 2022 में तमिलनाडु की विजिलेंस टीम ने विजयभास्कर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच की थी। विजिलेंस की जांच के आधार पर ही ईडी ने एआईएडीएमके नेता के खिलाफ छापेमारी की कार्रवाई की। इससे पहले साल 2022 में भी विजयभास्कर के खिलाफ गुटखा घोटाले में मामला दर्ज हुआ था। ईडी ने जिन ठिकानों पर छापेमारी की, उनमें रियल एस्टेट ग्रुप जीसक्वायर के चेन्नई स्थित ठिकाने भी शामिल हैं। रांची में भी ईडी की छापेमारी ईडी ने झारखंड में भी छापेमारी की। ईडी ने झारखंड कांग्रेस के नेता लाल मोहित शाहदेव और झारखंड पुलिस की एक महिला दारोगा के ठिकानों पर छापेमारी की। दोनों के आवास रांच के तुपुदाना इलाके में हैं। झारखंड के जमीन से जुड़े घोटाले की जांच में दोनों के खिलाफ ईडी को कथित तौर पर सबूत मिले हैं। ईडी ने बिहार के भोजपुर, बक्सर जिले में ब्रह्मपुर विधानसभा के राजद विधायक शंभूनाथ सिंह और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी आरा–बक्सर हाइवे पर अमराई नवादा स्थित होटल और पेट्रोल पंप पर एक साथ छापेमारी की गई।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने मांगा 24वां बेलआउट पैकेज, आईएमएफ ने मामले पर कहा

इस्लामाबाद,21 मार्च (एजेंसियां) ।

नकदी संकट से जूझ रहा पाकिस्तान दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधार के तहत स्थायी प्रोत्साहन के लिए 24वें मध्यम अवधि के बेलआउट पैकेज की मांग कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष(आईएमएफ) ने इसकी जानकारी दी। जारी बयान के मुताबिक, पिछले साल जुलाई में स्वीकृत आईएमएफ की तीन अरब अमेरिकी डॉलर की स्टैंडबाय व्यवस्था द्वारा समर्थित पाकिस्तान के स्थिरीकरण कार्यक्रम की दूसरी और अंतिम समीक्षा पर पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंची है।

पाकिस्तान में आर्थिक सुधार पर जोर – पिछले कार्यक्रमों की तरह चार केंद्रीय क्षेत्र सुधारों पर ध्यान केंद्रित रहेंगे। लगभग 36 से 39 महीनों के अगले मध्यम अवधि के कार्यक्रम विस्तारित फंड सुविधा का शीर्ष उद्देश्य सार्वजनिक वित्त को मजबूत करना होगा, जिसमें राजकोषीय समेकन और कर आधार को व्यापक बनाना शामिल है।

चार केंद्रीय क्षेत्र सुधारों पर मुख्य फोकस – अगले कार्यक्रम का दूसरा उद्देश्य लागत कम करने वाले सुधारों में तेजी लाकर ऊर्जा क्षेत्र की व्यवहार्यता को बहाल करना होगा। तीसरा मुख्य उद्देश्य मुद्रास्फीति को लक्ष्य पर लौटाना है, अधिक पारदर्शी लचीले विदेशी मुद्रा बाजार के साथ बाहरी पुनर्संतुलन और विदेशी मुद्रा भंडार के पुनर्निर्माण का समर्थन करना है। चौथा और अंतिम महत्वपूर्ण उद्देश्य

निजी नेतृत्व वाली गतिविधि को बढ़ावा देना होगा, साथ ही क्षेत्र के प्रदर्शन में सुधार के लिए राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों (एसओई) सुधारों को आगे बढ़ाना और मानव में निवेश को बढ़ाना होगा।

पाकिस्तान की आर्थिक और वित्तीय स्थिति में हुआ सुधार– नाथन – पाकिस्तान में आईएमएफ मिशन प्रमुख, नाथन ने कहा कि पहली समीक्षा के बाद के महीनों में पाकिस्तान की आर्थिक और वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। नीति प्रबंधन, बहुपक्षीय और द्विपक्षीय भागीदारों से प्रवाह की बहाली के कारण विकास और आत्मविश्वास में सुधार जारी है।

लोकसभा चुनाव के बाद बाजार में आ सकता है 100 अरब डॉलर का विदेशी निवेश, जेपी मॉर्गन ने कही यह बात

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

देश में आम चुनावों के बाद शेयर बाजार में 100 अरब डॉलर का निवेश विदेशी निवेश आ सकता है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि अर्थव्यवस्था की आशाजनक विकास संभावनाओं और अमेरिका के फेडरल रिजर्व की दर में कटौती की संभावना के चलते भारतीय बाजार आकर्षक बना हुआ है।

जेपी मॉर्गन के एक अधिकारी ने कहा, भारत के 4.3 लाख करोड़ डॉलर वाले शेयर बाजार में वैश्विक फंड की स्थिति हल्की बनी हुई है। निवेशक बाजार के किसी भी सुधार को होल्डिंग बढ़ाने के अवसर के रूप में उपयोग करेंगे। विदेशी निवेशक पिछले दो ढाई साल से अपने निवेश को बहुत ज्यादा नहीं बढ़ाए हैं। वे एक स्पष्ट और मजबूत अवसर के इंतजार में हैं। विदेशी निवेशक विकास आधारित नीतियों या सुधारों के आधार पर बाजार में निवेश बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में इस पर ज्यादा जोर दिया जा सकता है। इसलिए चुनावों के बाद नई सरकार के आने पर विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में अच्छा खासा निवेश कर सकते हैं।

गोल्डमैन का भी निवेश का अनुमान

जेपी मॉर्गन से पहले गोल्डमैन सैश ने भी कहा है कि नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने से इस दशक में भारत तेज विकास करेगा। मोदी सरकार ने बाजार–अनुकूल नीतियों को जारी रखने, बुनियादी ढांचे पर खर्च करने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने का वादा किया है।

भारत सबसे आगे रहेगा

कई निवेशकों का तर्क है कि अर्थव्यवस्था की बेहतर विकास संभावनाओं और राजनीतिक स्थिरता को देखते हुए भारत दूसरे उभरते बाजारों की तुलना में आगे रह सकता है। गोल्डमैन के एशिया के इक्विटी रणनीतिकार सुनील कौल ने कहा, वैश्विक फंड भारत में निवेश बढ़ाने के इच्छुक हैं। बेहतर अवसर की तलाश में हैं। हमें उम्मीद है कि साल के उत्तरार्ध में विदेशी प्रवाह बढ़ेगा, क्योंकि चुनाव हो चुका होगा। साथ ही, केंद्रीय बैंक दरों को घटाएंगे। डॉलर भी रुपया की तुलना में कमजोर होगा।

763 अरब डॉलर है विदेशी निवेशकों का हिस्सा

जेपी मॉर्गन के अधिकारी ने कहा, भारतीय बाजार के लिए अपने उच्च मूल्यांकन को बनाए रखने के लिए नीतिगत निरंतरता जरूरी है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी के अंत तक विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयरों में हिस्सेदारी 763 अरब डॉलर थी।

दूसरी छमाही से निवेश में रहेगा उतार-चढ़ाव

पिछले साल की दूसरी छमाही से विदेशी निवेश में उतार–चढ़ाव है। लगातार तेजी से बाजार का मूल्यांकन ज्यादा हो गया है। एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 2023 में रिकॉर्ड आठ साल की तेजी को इस साल गंवा सकता है।

बंगाल में टीएमसी सरकार के मंत्री के भाई के घर आयकर की छापेमारी, कर चोरी मामले में कार्रवाई

कोलकाता । लोकसभा चुनाव से पहले आयकर विभाग ने तृणमूल कांग्रेस के नेता स्वरूप विश्वास के आवास पर छापेमारी की। स्वरूप पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार में मंत्री के भाई हैं। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी 12 घंटे से अधिक समय से जारी है। कार्रवाई दो रियल एस्टेट कंपनियों की ओर से कथित कर चोरी को लेकर की जा रही है। आयकर अधिकारी ने बताया कि आयकर विभाग के अधिकारी कोलकाता में स्वरूप विश्वास से जुड़े पांच स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहे हैं। जहां तलाशी अभियान चल रहा है, उनमें से कुछ न्यू अलीपुर और बेहाला इलाके में हैं। स्वरूप विश्वास मंत्री अरूप विश्वास के भाई हैं। अधिकारी ने कहा कि तलाशी अभियान दो रियल एस्टेट समूहों की कर चोरी और आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की जांच के संबंध में चलाया जा रहा है। जांच के दौरान अधिकारियों को फर्जी कंपनियों का पता चला है।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार, अनुराग ठाकुर ने फिर भरी हुंकार

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय खिलाड़ी भले ही इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे हों, लेकिन भारत सरकार ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की तैयारियां शुरू कर दी है। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

बोली शुरू होने का इंतजार

अनुराग ठाकुर ने एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि जिस पल इसके लिए बोली शुरू होगी, भारत ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा।

उन्होंने कहा, हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति हैं और हम उन देशों में हैं जहां युवाओं की ताकत काफी है। खेल के लिए भारत से बड़ा बाजार और कोई नहीं है।

भारत 2030 यूथ ओलंपिक और 2026 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए तैयार है। विदेशी प्रशंसकों ने की थी धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को देखने के लिए इंग्लैंड से चार हजार से ज्यादा विदेशी प्रशंसक आए थे और उन्होंने यहां मौजूद इस खूबसूरत स्टेडियम की सराहना की थी।

पेरिस के बाद लॉस एंजिल्स और ब्रिसबेन में होंगे ओलंपिक

इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस शहर में आयोजित होगा। इसके लिए वहां तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसके बाद इन खेलों की मेजबानी 2028 में लॉस एंजिल्स और 2032 में ब्रिसबेन को करनी है।

न्यूज ब्रीफ

विस्फोटक है दिल्ली कैपिटल्स का शीर्ष क्रम : चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स टीम का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है और उसके पास कई आक्रामक बल्लेबाज है। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, उनके पास विनाशकारी शीर्ष क्रम है। पृथ्वी शॉ सिर्फ हिट करते हैं। उन्होंने एक ओवर में छह चौके भी लगाए हैं। उन्होंने शिवम मावी के खिलाफ ऐसा किया था। सा ही कहा कि पिछले साल से इस साल तक चीजें बहुत बदल गई हैं। अगर डेविड वार्नर हिट करना चाहते हैं, वह ऐसा बहुत अच्छे से करता है। उसने पिछले साल ऐसा करने का मन नहीं बनाया था। इसके साथ ही मिशेल मार्श और ऋषभ पंत की मौजूदगी से भी दिल्ली के बल्लेबाजी क्रम को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मिशेल भी बेहद तेजी से खेलते हैं। उसके बाद ऋषभ पंत हैं जो अपने आतिशी तूफानी अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं अगर मैं ट्रिस्टन स्टब्स को नंबर 5 पर रखता हूं, तो उनकी बल्लेबाजी भी सभी को हैरान कर देती है। ऐसे में देखा जाये तो शीर्ष पांच बल्लेबाज मन को झकझोर देने वाले हैं। आईपीएल सत्र 22 मार्च शुरू होगा जिसमें दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स से होगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम : ऋषभ पंत (कप्तान), प्रवीण दुबे, डेविड वार्नर, विक्की ओस्टवाल, पृथ्वी शॉ, एनरिक नॉर्टजे, अभिषेक पोरेल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, ललित यादव, खलील अहमद, मिशेल मार्श, ईशांत शर्मा, यश ढुल, मुकेश कुमार, हैरी ब्रूक, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, शाई होप, स्वास्तिक छिकारा।

आईपीएल के आगाज से पहले कमिंस ने भरी हुंकार

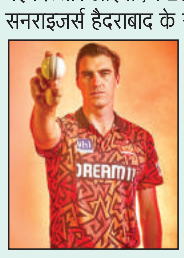

नई दिल्ली। आईपीएल 2016 की चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद के नए कप्तान पैट कमिंस चाहते हैं कि इस बार उनकी टीम आक्रामक क्रिकेट खेले। सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी पहले एडेन मार्कराम के पास थी, लेकिन आईपीएल 2023 में 14 मैचों में सिर्फ चार जीत के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे रहने वाली हैदराबाद को बदलाव के दौर से गुजरना पड़ा। कमिंस के लिए 2023 शानदार रहा, जिसने उनकी नेतृत्व क्षमता को बढ़ाया। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतना, इंग्लैंड में एशेज बरकरार रखना और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के रूप में रिकॉर्ड छठे वनडे विश्व कप ट्रॉफी पर कब्जा जमाना उनकी नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। पिछले साल दुबई में आईपीएल नीलामी में, कमिंस को फ्रेंचाइजी ने 20.5 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर खरीदा था, जिससे वह लीग के इतिहास में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। इसके बाद, हैदराबाद ने कमिंस को अपना कप्तान बनाया, जिससे आईपीएल में वो पहली बार कप्तानी करते दिखेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद को डैनियल विटोरी द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए सहायक कोच के रूप में काम करते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद 23 मार्च को ईडन गार्डन्स में दो बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने आईपीएल 2024 अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद वे अपना पहला घरेलू मैच 27 मार्च को राजीव गांधी अंतर्राष्टीय स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेंगे। कमिंस ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे पास एक बेहतरीन मिश्रण है। हमारे पास भुवी (भुवनेश्वर कुमार) और एडेन मार्कराम जैसे कुछ और अनुभवी खिलाड़ी हैं। साथ ही हमारे पास कई शानदार युवा खिलाड़ी भी हैं। मैं अभिषेक, उमरान मलिक जैसे युवा लड़कों को देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि प्रशंसकों को आने वाले सीजन के लिए काफी उत्साहित होना चाहिए, क्यों उन्हें कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

मुंबई इंडियंस ने दिलशान की जगह 17 साल के तेज गेंदबाज मफाका को शामिल किया, वंडर ब्वॉय के नाम से मशहूर हैं मफाका

मुम्बई । मुंबई इंडियंस ने युवा दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को 2024 आईपीएल सत्र के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। मुंबई ने वंडर ब्वॉय के नाम से मशहूर हुए 17 साल के मफाका को चोटिल श्रीलंकाई तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की जगह पर रखा है। ऐसे में मफाका पहली बार आईपीएल में खेलते हुए नजर आयेंगे। बाएं हाथ के इस युवा तेज गेंदबाज ने इस वर्ष अंडर 19 विश्वकप में अपनी घातक गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया था। मफाका अपने ही देश के अनुभवी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की तरह दिखते हैं। जिससे उनका नाम 'बेबी रबाडा' पड़ गया है। मफाका सटीक लाइन लेंथ से गेंदबाजी करने के कारण बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बन जाते हैं। के लिए जाने जाते हैं. वह वर्ल्ड क्रिकेट में तेजी से उभरते हुए एक बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं वहीं श्रीलंकाई गेंदबाज दिलशान बांग्लादेश के खिलाफ समाप्त हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। मुंबई इंडियंस ने उन्हें आईपीएल नीलामी में 4.6 करोड रुपए में खरीदा था। मफाका ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है पर अंडर 19 विश्व कप में उसने 9.71 की औसत से 21 विकेट लिए थे और इसी कारण उसे टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड भी मिला था।

ओलंपिक क्वालिफायर में महिला पहलवानों के साथ जाएंगी दो महिला कोच, 27 मार्च से लगेगा शिविर

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से बहाली के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ ने 11 अप्रैल से होने जा रही एशियाई चैंपियनशिप और 19 अप्रैल से शुरू हो रहे एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए महिला पहलवानों की टीम के साथ दो महिला प्रशिक्षकों को भेजने का फैसला लिया है। यही नहीं महासंघ ने तदर्थ समिति की ओर से नियुक्त प्रशिक्षकों की जगह पुराने प्रशिक्षकों को भी वापस बुला लिया है। इन दोनों टूर्नामेंट में पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के चीफ कोच ओलंपियन जगमिंदर सिंह, महिला टीम के विरेंदर कुमार और ग्रीको रोमन टीम के मुख्य प्रशिक्षक हरगोविंद सिंह होंगे। टूर्नामेंट की तैयारियों के लिए 27 मार्च से पुरुष पहलवानों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का गांधीनगर या एनआईएस पटियाला में लगाया जाएगा।

विनेश समेत ट्रायल में जीते पहलवानों की एंट्री भेजी

कुश्ती महासंघ ने पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के साथ द्रोणाचार्य अवार्डी जगमिंदर, विनोद कुमार और अनिल मान, ग्रीको रोमन टीम के साथ हरगोविंद, अनिल कुमार, विक्रम शर्मा और महिला टीम के साथ विरेंदर कुमार के अलावा महिला कोच मंजीत रानी और सोनिया मोर को नियुक्त किया है। महिला पहलवानों के शिविर के लिए साई को गांधीनगर या एनआईएस पटियाला का प्रस्ताव दिया गया है। इन दोनों स्थानों पर शिविर नहीं लगने की स्थिति में साई सेंटर भोपाल के लिए प्रयास किया जाएगा। कुश्ती महासंघ ने हाल ही में इन दोनों टूर्नामेंट के लिए हुए चयन ट्रायल के विजेताओं की एंट्री भेज दी है। इनमें 50 भार वर्ग में विनेश फोगाट का नाम भी शामिल है।

एथलीट कमीशन के चुनाव 24 अप्रैल से

आईओए के कहने पर महासंघ एथलीट कमीशन का चुनाव फेडरेशन कप के दौरान छत्तीसगढ़ में 24-25 अप्रैल को कराने जा रहा है। प्रत्येक राज्य संघ से दो एथलीट सात पदों के लिए नामांकन भरेंगे। सात पदों में दो महिलाओं का होना अनिवार्य है। अभी तक लंदन ओलंपिक के पदक विजेता योगेश्वर दत्त एथलीट कमीशन के चेयरमैन थे, लेकिन यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नियम के अनुसार कमीशन का चुनाव मौजूदा या फिर बीते चार वर्ष में खेलने वाला पहलवान ही लड़ सकता है। ऐसे में वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। महासंघ ने यह भी साफ कर दिया है कि राज्य संघों के चुनाव खेल संहिता के अनुसार कराए जाएंगे।

रोहित के अभ्यास के लिए पहुंचते ही गले मिले हार्दिक

मुम्बई । आईपीएल 2024 के लिए रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक पंड्या को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाये जाने के बाद से ही इन दोनो खिलाड़ियों में दूरियां आने की बातें कहीं जा रहीं थीं जो गलत साबित हुई हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता हैं कि जब रोहित मुम्बई टीम के अभ्यास सत्र के लिए पहुंचे तो हार्दिक उनसे गले मिले। मुंबई इंडियंस ने इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। यह वीडियो मुंबई इंडियंस के अभ्यास सत्र का है। इसमें मुम्बई के सभी खिलाड़ी खड़े हैं। इस दौरान पंड्या ने रोहित को देखा तो उनसे मिलने के लिए चले गए। रोहित पहले हाथ मिलाना चाहते थे पर पंड्या ने उन्हें सीधे गले लगा लिया। पंड्या और रोहित के इस पूरे वाकये का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। रोहित ने इस दौरान इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज के दौरान डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इन युवा क्रिकेटरों के साथ खेलने का भरपूर आनंद उठाया। विराट सहित कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में 5 युवा खिलाड़ियों रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, आकाश दीप और देवदत्त पडिक्कल ने इस सीरीज से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। रोहित ने सोशल मीडिया पर कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मुझे इनके साथ काम करके बहुत मजा आया जितने भी युवा लड़के थे, सब काफी हंसमुख थे। इनमें से अधिकतर को मैं अच्छी तरह से जानता था तथा मुझे उनके मजबूत पक्षों के बारे में पता था। मैं जानता था कि वह किस तरह से खेलना चाहते हैं। मेरा काम केवल उन्हें सहज बनाए रखना था। जिस तरह से उन्होंने मेरी और कोच राहुल द्रविड़ की उम्मीदों को पूरा किया, वह शानदार था।' मुंबई इंडियंस इस सत्र में अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस से खेलेगी।

आईपीएल में वापसी कर रहे स्टार्क पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली,21 मार्च ।

आईपीएल सत्र में इस बार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पर सबकी नजरें रहेंगी। इसका कारण है कि स्टार्क अब तक के आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। स्टार्क को ऐसे ही नहीं मिल गयी इतनी बड़ी रकम। इससे पहले उनपर 99 बार बोली लगी थी। वहीं अंतिम बोली केकेआर ने सबसे ज्यादा 24.75 करोड़ रुपये की लगायी थी। स्टार्क अब 8 साल बाद आईपीएल में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने अंतिम बार रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से साल 2015 में खेला था। इसके बाद से ही वह अलग-अलग कारणों से इस लीग से बाहर थे। वह कभीऑस्ट्रेलियन टीम की ओर से व्यस्त रहने के साथ ही चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर थे। साल 2028 में केकेआर ने उन्हें 9.40 करोड़ में खरीदा था पर वह चोटिल होने के कारण मैदान पर नहीं उतरे थे। ऐसे में स्टार्क पर आईपीएल के इस सत्र में बहुत दबाव भी रहेगा। वहीं ये भी कहा जाता है कि स्टार्क दबाव में ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। विश्वकप में ये सामने आया है। भारत में खेले गए इस विश्व कप के लीग मैचों में स्टार्क लय में नहीं थे पर नॉकआउट मैचों से सेमीफाइनल और फाइनल में उन्होंने जबरदस्त गेंदबाजी की। अब जब केकेआर की टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में आईपीएल 2024 में उतरेगी तो स्टार्क से उसी प्रकार के बेहतर फॉर्म की उम्मीद करेगी। स्टार्क निचले क्रम में अच्छी बल्लेबाज भी करते हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 10 अर्धशतक हैं। स्टार्क का टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा स्कोर 99 है और केकेआर ने भी उन्हें आईपीएल नीलामी में 99वीं बोली लगाकर ही जीता था। 89 टेस्ट और 121 वनडे मैच खेल चुके मिचेल स्टार्क का ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़े ही रणनीतिक तरीके से इस्तेमाल करता है।

पंत का कमबैक टीम के लिए बेहद खास:अक्षर पटेल

चंडीगढ़,21 मार्च (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2024 का आगाज होने वाला है। इस सीजन में कुछ ऐसे नाम हैं जिनके कमबैक का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम ऋषभ पंत का है, जो एक खतरनाक कार एक्सीडेंट और लंबे ब्रेक के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। भारतीय टीम का ये स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज अब पूरी तरह फिट है और आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व करते हुए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार भी है।

इस बीच ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने अपने खास दोस्त की वापसी पर खुशी व्यक्त की और कहा, एक बार फिर टीम में उनके आने से हंसी-मजाक और मौज-मस्ती शुरू हो गई, जिसकी शायद पिछले साल बहुत कमी खली थी। दिल्ली कैपिटल्स सीजन का पहला मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलेगी, जिसके लिए टीमें चंडीगढ़ पहुंच चुकी हैं। अक्षर ने दिसंबर 2022 में एक जानलेवा कार दुर्घटना में कई चोटों से उबरने के 14 महीने बाद पंत की वापसी पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि हर किसी ने कहा होगा कि टीम में उसका वापस आना बहुत अच्छा है, लेकिन व्यक्तिगत रूप से, मैंने उसे बहुत याद किया, पिछले साल मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह हमारी नोक-झोंक को मैंने काफी मिस किया। लेकिन, अब जब वह वापस आ गया है, तो खेल को लेकर गंभीर बातचीत के साथ-साथ हंसी-मजाक भी शुरू हो चुका है। मैं इस सीजन में उसके साथ और अधिक मौज-मस्ती करने की उम्मीद कर रहा हूं। 30 वर्षीय ऑलराउंडर ने आईपीएल के 17वें संस्करण में टीम के दृष्टिकोण पर भी बात की। अक्षर ने कहा कि हर कोई अपने-अपने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। टीम में बहुत अच्छा माहौल है। हमारे शुरुआती मैच से पहले विशाखापत्तनम में हमारे पास अच्छे प्रशिक्षण सत्र थे। अक्षर पटेल ने कहा, यह एक नया सीज़न है, हम नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं। मुख्य रूप से कोचों के साथ बातचीत, योजनाएं बनाना और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टूर्नामेंट में चीजों को कैसे सरल रखा जाए, इस पर खूब चर्चा हो रही है।

भारतीय अंडर-23 फुटबॉल सीनियर मलेशिया से दो अभ्यास मैच खेलेगी, सीनियर टीम से प्रेरणा ले: कोच

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय अंडर-23 फुटबॉल टीम को 22 और 25 मार्च को कुआलालंपुर में दो अभ्यास मैचों में मलेशिया का सामना करना है। इसके लिए टीम यहां शिविर में तैयारियों में लगी है। इसी दौरान टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा ने कहा है कि खिलाड़ियों को सीनियर टीम से प्रेरणा लेते हुए उसी अनुसार खेलने का प्रयास करना चाहिये। कोच के अनुसार जूनियर खिलाड़ियों को भी अपने लक्ष्य तय करन चाहिये जिससे उन्हें सीनियर टीम में आने के बाद खेलने में कोई परेशानी न हो। मूसा ने कहा, 'हमारे लिए यह देखना अहम है कि सीनियर टीम क्या चाहती है और हमें इसी के अनुसार खेलना चाहिए। ये ही खिलाड़ी अंत में सीनियर टीम में जायेंगे और खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण चीज लड़कों को यह बताना है कि हम किस तरह से खेलना चाहते हैं ताकि वे मैदान पर इसी तरह का खेल दिखा सकें। अभ्यास मैचों के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है।

भारतीय टीम इस प्रकार है : गोलकीपर : अर्श अनवर शेख, प्रभसुखन सिंह गिल और विशाल यादव।

डिफेंडर : विकास युमनाम, चिंगंबम शिवाल्डो सिंह, होर्मिपम रुइवा, नरेंद्र, रॉबिन यादव और संदीप मंडी।

मिडफील्डर : अभिषेक सूर्यवंशी, ब्रिसन फर्नांडिस, मार्क जोथनपुइया, मोहम्मद ऐमेन, फिजाम सनाथोई मीतेई, थोइबा सिंह मोइरांगथेम और विबिन मोहनन।

फॉरवर्ड : अब्दुल रबीह, गुरकीरत सिंह, इरफान यदवाड, इसाक वनलालरुआतफेला, खुमानथेम मीतेई, मोहम्मद सानन, पार्थिब सुंदर गोगोई, समीर मुर्मू, शिवशक्ति नारायणन और विष्णु पुथिया वलप्पिल।

भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ खासे सफल रहे क्लार्क और कुक

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के माइकल क्लार्क और इंग्लैंड के एलिस्टर कुक भारतीय टीम के खिलाफ बल्लेबाजी में खासे सफल रहे हैं। इन दोनो ही बल्लेबाजों ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत भारत के खिलाफ करने के साथ ही शतक लगाया। भारत के खिलाफ अपने अंतिम टेस्ट में भी इन दोनों ने शतक लगाया। ये संयोग की बात है कि इन दोनों ही बल्लेबाजों ने अपना सर्वोच्च टेस्ट स्कोर भी टीम इंडिया के खिलाफ बनाया। टेस्ट करियर के ओवरऑल बल्लेबाजी से ज्यादा औसत इन्होंने भारत के खिलाफ दर्ज किया। इन दोनों ही क्रिकेटरों का करियर करीब 12 साल का रहा है।

दोनों बल्लेबाजों में माइकल क्लार्क का करियर पहले शुरू हुआ। अक्टूबर 2004 में बेंगलुरू में इन्होंने भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेला और अपनी पहली पारी में ही 248 गेंदों पर 18 चौकों और चार छक्कों की मदद से 151 रन बनाये। इसी प्रकार बाएं हाथ के ओपनर एलिस्टर कुक ने भी अपना टेस्ट डेब्यू भारत के खिलाफ मार्च 2006 में नागपुर में किया। टेस्ट की पहली पारी में 60 रन बनाने के बाद उन्होंने दूसरी पारी में नाबाद 104 रन (बनाए थे। क्लार्क ने भारत के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट दिसंबर 2014 में एडिलेड में खेला और इसमें पहली पारी में 128 रन बनाये। वहीं कुक की बात करें तो उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट भारत के खिलाफ दिसंबर 2018 में ओवल में खेला था। टेस्ट को यादगार बनाते हुए उन्होंने पहली पारी में 71 और दूसरी पारी में 147 रन बनाये थे।

क्लार्क और कुक, दोनों ने टेस्ट का अपना सर्वोच्च स्कोर भारत के खिलाफ ही बनाया था। क्लार्क ने टेस्ट क्रिकेट में एक तिहरा शतक भी लगाया है। यह भारत के खिलाफ जनवरी 2012 में सिडनी टेस्ट में बना था। मैच में क्लार्क ने ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने नाबाद 329 रन बनाए थे। कुक भी भारत के खिलाफ तिहरा शतक बनाने के बहुत करीब पहुंच गए थे। दुर्भाग्यवश उन्हें 294 के स्कोर पर आउट होना पड़ा था। क्लार्क और कुक ने जिस टेस्ट में अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया था, उन दोनों में टीम इंडिया को पारी के अंतर से हार मिली थी। क्लार्क ने 115 टेस्ट के अपने करियर में भारत के खिलाफ 22 टेस्ट में 53.92 के औसत से 2049 रन बनाए जिसमें 7 शतक शामिल हैं। वहीं कुक की बात करें तो उन्होंने भारत के खिलाफ उन्होंने 30 टेस्ट में 7 शतक की मदद से 2431 रन बनाए हैं और उनका औसत 47.66 का है।

रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचे केशव महाराज

नई दिल्ली। आईपीएल के 17वें सीजन से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स कैंप से जुड़ने के बाद दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर केशव महाराज अयोध्या पहुंचे और राम लला के दर्शन कर विशेष पूजा अर्चना की। बाएं हाथ के अफ्रीकी स्पिनर ने सोशल मीडिया पर अयोध्या जाने की एक फोटो शेयर की, जो अब खूब वायरल हो रही है। केशव महाराज ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, जय श्री राम, सभी को आशीर्वाद। केशव महाराज आईपीएल 2024 के लिए लखनऊ टीम के साथ प्रशिक्षण लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन वह टीम के आधिकारिक सदस्य नहीं होंगे। दिसंबर 2023 में हुई आईपीएल नीलामी में महाराज पर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगाई थी। उसके बाद हाल ही में लखनऊ ने एक बयान में कहा था कि केशव महाराज उनकी आधिकारिक टीम का हिस्सा नहीं होंगे, लेकिन पूरे सीजन उनके साथ रहेंगे। इससे पहले, महाराज ने 22 जनवरी को राम मंदिर के अभिषेक से पहले इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने कहा था, अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का इंतजार कर रहा हूं। यह सभी के लिए शांति और ज्ञान लाए। लखनऊ अपने आईपीएल 2024 सीजन की शुरुआत 24 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगा।

पश्चिम एशिया के दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे एंटनी ब्लिंकन, इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद छठा दौरा

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन एक बार फिर पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। अपने दौरे के तहत अमेरिकी विदेश मंत्री सऊदी अरब पहुंचे। सऊदी सरकार के साथ इजराइल हमास के बीच युद्धविराम के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। साथ ही अमेरिका की कोशिश है कि इजराइल-हमास युद्ध अरब क्षेत्र में फैलने न पाए।

इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद छठा दौरा

अमेरिकी विदेश मंत्री सऊदी अरब के बाद मिस्त्र के दौरे पर जाएंगे और वहां के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बताया कि एंटनी ब्लिकंन इजराइल का दौरा भी करेंगे और इजराइली सरकार के साथ बंधकों की रिहाई के प्रयासों पर बात करेंगे। साथ ही ब्लिंकन गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के प्रयासों पर भी बात करेंगे। इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी विदेश मंत्री का पश्चिम एशिया का यह छठा दौरा है।

अमेरिका कोशिश कर रहा है कि सऊदी अरब, इजराइल के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित करे। इसके बदले में इजराइल, फलस्तीन को कुछ राहत दे। साथ ही सऊदी अरब चाहता है कि अमेरिका और इजराइल उसके परमाणु कार्यक्रम को बनाने में समर्थन दें। सऊदी अरब, अमेरिका से सैन्य मदद भी चाहता है। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है।

राफा पर हमले की तैयारी में इजराइल

मनीला में पत्रकारों से बात करते हुए एंटनी ब्लिकन ने कहा था कि पश्चिम एशिया के दौरे का उद्देश्य गाजा में युद्ध के बाद के हालात पर चर्चा और क्षेत्र में शांति स्थापित करना है। एंटनी ब्लिंकन का पश्चिम एशिया का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब इजराइल राफा पर हमले की तैयारी कर रहा है। मिस्त्र की सीमा पर स्थित राफा में बड़ी संख्या में शरणार्थी रुके हुए हैं और अगर इजराइल राफा पर हमला करता है तो उससे बड़ा मानवीय संकट पैदा हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी इजराइल के इस कदम को लेकर चिंतित हैं। अमेरिका को डर है कि राफा पर हमले के बाद इजराइल वैश्विक स्तर पर बुरी तरह घिर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान आतंकवाद के भयानक खतरे का सामना कर रहा, सांसदों से बोले डोनाल्ड लू

वॉशिंगटन। बाइडन प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने पाकिस्तान में आतंकवाद का खतरा बढ़ने को लेकर चिंता जताई है। वहीं, एक अमेरिका के सांसद ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि से कार्रवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि भारत से आयातित झींगा बंधुआ मजदूरी पर निर्भर है और यह स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। 40 साल से संघर्ष जारी सदन में पाकिस्तानी चुनावों पर सुनवाई हो रही थी। इस दौरान दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने सदन की विदेश मामलों की समिति के सदस्यों को बताया कि पाकिस्तान आतंकवाद के भयानक खतरे का सामना कर रहा है क्योंकि अफगानिस्तान के साथ उसकी सीमा से लगे इलाकों में आतंकवादी गतिविधियों में कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में 40 साल से संघर्ष जारी है। इसमें पाकिस्तान फंस कर रह गया है। लू ने कहा, अफगानिस्तान में युद्ध खत्म होना हम सभी को पाकिस्तान के साथ उसकी अपनी शर्तों पर संबंध रखने का अवसर देती है और हम ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा अब एक बड़ा लक्ष्य उन्होंने कहा, हमारा अब एक बड़ा लक्ष्य है पाकिस्तानी लोगों की मदद करना क्योंकि वे आतंकवाद के खतरे का सामना कर रहे हैं। यह एक ऐसा देश है, जहां लोग आतंकवाद के खतरे से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। मुझे लगता है कि अभी तक किसी भी देश को ऐसे आतंकवाद को नहीं सहना पड़ा है– जैसे पाकिस्तान के लोग सह रहे हैं। कई सदस्यों ने इस पर चर्चा की है। अफगानिस्तान से हमले जारी लू ने कहा कि पिछले तीन सालों में अफगानिस्तान से हमले जारी हैं। विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में हमले तेजी से बढ़े हैं।

इस मामूली एडिटिंग पर हंगामा क्यों केट मिडलटन की तस्वीर को लेकर जारी विवाद पर ट्रंप की चुटकी

लंदन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन की तस्वीर के साथ छेड़छाड़ की गई मामले पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि वेल्स की राजकुमारी ने वही किया जो सब करते हैं। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। ट्रंप ने ली चुटकी मीडिया को साक्षात्कार देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, इसमे कोई बड़ी बात नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हर कोई तस्वीरों के साथ एडिटिंग करते हैं। आप फिल्मी अमिनेताओं को देखते हैं और उनसे मिलते हैं। उन्हें देखते ही आप यह सोचते हैं कि क्या तस्वीर में यही व्यक्ति है। मैंने वास्तव में उस पर गौर किया और इसमे बहुत ही मामूली एडिटिंग की गई थी। मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस पर इतना हंगामा क्यों हो रहा क्या था पूरा मामला बता दें कि पेट की सर्जरी के बाद मदर्स डे पर वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन की पहली तस्वीर सामने आई थी। इस तस्वीर में राजकुमारी केट मिडलटन मुस्कुराती हुईं नजर आ रही हैं। तस्वीर में केट के तीनों बच्चे जॉर्ज, चार्लेट और लुइस भी थे। उनकी ये तस्वीर उनके पति प्रिंस विलियम ने ही क्लिक किया था। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, बीते दो महीनों में आपकी दुआओं और समर्थन के लिए धन्यवाद। सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं। हालांकि, बात में इस तस्वीर को अपने प्लेटफॉर्म से हटाते हुए न्यूज एजेंसियों ने बताया है कि ऐसा लगता है कि तस्वीर से छेड़छाड़ की गई है। दरअसल, तस्वीर में केट की बांहे नहीं दिख रही थीं। उनकी उंगलियों में अंगूठी भी नहीं था और उनकी बांहे असामान्य तौर पर फैली दिखाई दे रही थी। पेट की सर्जरी के बाद से ही केट मिडलटन सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखाई दी हैं और इसी वजह से उनकी सेहत को लेकर चिंताएं उभरी हैं।

चीन-ताइवान में फिर तनातनी, पीएलए के 32 लड़ाकू विमानों ने की घुसपैठ की कोशिश

ताइपे। चीन और ताइवान के बीच लगातार तनातनी चल रही है। चीन की सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि 32 चीनी लड़ाकू विमान 20 से 21 मार्च को सुबह करीब छह बजे ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। साथ ही चीन की नौसेना के पांच युद्धक जहाज भी ताइवान की सीमा के नजदीक देखे गए। चीन और ताइवान के बीच एक अनौपचारिक सीमा रक्षा मंत्रालय का दावा है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के इन 32 विमानों में से 20 युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य को लांघा और दक्षिण-पश्चिमी, दक्षिणपूर्वी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुस गए। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ताइवान में 15 चीनी सैन्य विमान और 10 नौसैनिक जहाज घुस आए।

भारत के साथ हमारे संबंध पहले से अधिक मजबूत, रूस से रिश्ते पर उठा सवाल तो पेंटागन अधिकारी ने कही यह बात

वॉशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष रक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। आज के समय में यह संबंध पहले से अधिक मजबूत हैं। साथ ही अधिकारियों ने सांसदों से कहा कि रूस के साथ संबंध होने के कारण भारत के पास कई विकल्प हैं।

पहले से कहीं अधिक मजबूत संबंध

हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा मंत्री एली एस रैटनर ने हिंद-प्रशांत पर सदन की उपसमिति के सदस्यों से कहा कि अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं और यह पहले से कहीं अधिक मजबूत होते जा रहे हैं। एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हमारे दृष्टिकोण के लिए यह बहुत जरूरी है।

यह है मामला

बता दें, रैटनर रैंकिंग सदस्य एडम स्मिथ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, हम कई क्षेत्रों में संबंध को मजबूत कर रहे हैं। हमने जेट इंजन को लेकर कुछ प्रगति की है। इसके अलावा हमारे रक्षा औद्योगिक आधार को एकीकृत करने के लिए बख्तरबंद वाहनों पर कुछ नई परियोजनाएं हैं, जो उन संबंधों को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। स्मिथ ने कहा, मैं उन्हें महत्वपूर्ण समझता हूं, लेकिन मैं निश्चित रूप से भागीदार नहीं बनूंगा क्योंकि उनका संबंध रूस के साथ है और इससे उनके पास विकल्प ज्यादा हैं।

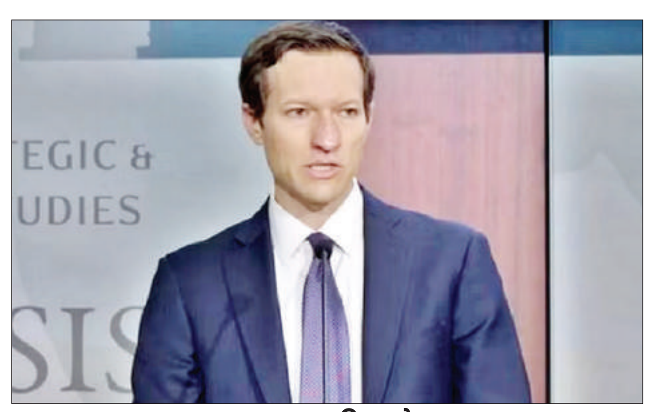

उनके दुनिया भर में हमारे कई विरोधियों के साथ संबंध हैं। मुझे लगता है कि उन्हें हमारे साथ और अधिक काम करने के लिए आगे बढ़ना हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने रैटनर से पूछा कि वह भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को कैसे देखते हैं और इसे मजबूत करने के लिए क्या जरूरी है।

स्मिथ के सवाल का जवाब

इस पर सहायक रक्षा मंत्री ने बताया कि वह अपने निजी क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, विशेष रूप से रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में काम किया जा रहा है। इसके अलावा संबंधों को मजबूत करने के लिए हमारे पास कुछ महत्वपूर्ण नई योजनाएं हैं। यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर नेवी एडमिरल जॉन एक्विलिनो भारतीयों के साथ कई महत्वपूर्ण अभ्यासों और अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं जो हमारे परिचालन समन्वय को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारा रक्षा व्यापार अब 20 अरब डॉलर का है और भारत ने हाल ही में 30 एमक्यू9बी और बीएस खरीदने का एलान किया है। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को दिखाता है।

एक्विलिनो ने भी सहमति जताई

इस बयान पर एक्विलिनो ने भी सहमति जताई और कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों के साथ अमेरिका के कई हित जुड़े हैं।उन्होंने कहा, सेना से सेना तक, हम एक साथ बहुत अधिक अभियान और अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने हमारे हेलीकॉप्टर खरीदे हैं, उनके पास सी-130 हैं।

ऋषि सुनक का महत्वकांक्षी रवांडा विधेयक फिर अटका, हाउस ऑफ लॉर्ड्स से नहीं हो सका पास

लंदन। ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक की महत्वकांक्षी योजना रवांडा विधेयक एक बार फिर अटक लगया है। दरअसल ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में विधेयक पर मतदान हुआ, लेकिन यह विधेयक पारित नहीं हो सका। हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्यों ने विधेयक में संशोधन की मांग की है। ऐसे में विधेयक में फिर से संशोधन किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विपक्षी नेताओं के साथ ही, सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ नेताओं ने भी विधेयक में संशोधन करने का समर्थन किया है। क्या है रवांडा विधेयक ब्रिटेन की सरकार का कहना है कि रवांडा विधेयक का उद्देश्य ब्रिटेन में इंग्लिश चैनल से अवैध रूप से आने वाले शरणार्थियों को रोकना है। बीते साल इंग्लिश रूट से 29,437 लोग ब्रिटेन पहुंचे। रवांडा विधेयक के तहत ब्रिटेन की सरकार शरण लेने वाले लोगों को रवांडा भेजेगी, जहां से वे ब्रिटेन में शरण पाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। शरणार्थियों के लिए ब्रिटेन की सरकार ने रवांडा को साल 2023 के अंत में 24 करोड़ पाउंड का भुगतान किया था। रवांडा विधेयक का एलान अप्रैल 2022 में बोरिस जॉनसन की सरकार में किया गया था, लेकिन उसके बाद से यह विधेयक विवादों के चलते लंबित हो रहा है। बीते साल नवंबर में ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने इस विधेयक को लेकर कहा था कि ब्रिटेन में शरण मांगने वाले लोगों के लिए रवांडा सुरक्षित देश नहीं है। इसके बाद सुनक सरकार ने दिसंबर में सेफ्टी ऑफ रवांडा विधेयक सदन में पेश किया। अगर ये विधेयक ब्रिटेन के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स से पास हो गया तो इससे सुप्रीम कोर्ट का फैसला बायपास हो जाएगा। लेबर पार्टी ने रवांडा विधेयक वापस लेने का किया एलान ब्रिटेन की विपक्षी पार्टी लेबर पार्टी इस विधेयक के विरोध में है और उन्होंने एलान किया है कि अगर वह सत्ता में आए तो इस विधेयक को वापस ले लेंगे। ब्रिटेन में अगले साल जनवरी में आम चुनाव होने हैं, जिनके इस साल के अंत तक होने की भी संभावना है। ऐसे में ऋषि सुनक की सरकार के पास अब इस विधेयक को पारित कराने के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है।

अपहृत छात्र को ढूंढने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में भारतीय दूतावास परिवार ने लगाई मदद की गुहार

न्यूयॉर्क। अमेरिका के क्लीवलैंड में एक 25 वर्षीय भारतीय छात्र को ढूंढने के लिए न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना शुरू किया है। वह छात्र इस महीने की शुरुआत से ही लापता है। हैदराबाद में नाचाराम के निवासी मोहम्मद अब्दुल अरफात पिछले साल मई में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी से आईटी में मास्टर्स करने के लिए यहां पहुंचे थे।

अरफात के परिवार के संपर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास

अरफात के पिता मोहम्मद सलीम ने बताया कि उन्होंने आखिरी बार सात मार्च को अपने बेटे से बात की थी। इसके बाद से ही अरफात अपने परिवार के संपर्क में नहीं है और उसका फोन भी बंद आ रहा है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हम अरफात के परिवार और अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में हैं। हम स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

अरफात का हुआ अपहरण

अमेरिका में अरफात के रूममेट ने उनके पिता को बताया कि उन्होंने अरफात के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। 19 मार्च को अरफात के परिवार को एक फोन आया जिसमें संदिग्ध ने बताया कि उनके बेटे का अपहरण किया गया है। संदिग्ध ने अरफात को छोड़ने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर की मांग भी की। संदिग्ध ने यह भी कहा कि अगर उसे पैसे नहीं मिले तो वह अरफात की किडनी बेच देगा। अरफात के पिता ने बताया, कल मुझे एक फोन कॉल आया। फोन पर एक संदिग्ध व्यक्ति ने बताया कि मेरे बेटे का अपहरण हो गया है और उसने पैसे की मांग की। कॉलर ने पैसे किस तरह से देना है उसका जिक्र नहीं किया। जब हमने अपने बेटे से बात करवाने के लिए कहा, तो उसने मना कर दिया। अरफात के परिवार ने केंद्र सरकार से मदद की अपील की है।

यूक्रेन की राजधानी पर रूस का मिसाइल हमला, कम से कम आठ लोग घायल

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच रूस ने एक बार फिर कीव पर मिसाइल हमले किए। इस हमले में कम से कम आठ लोग घायल हुए। वहीं कई आवासीय इमारतें व औद्योगिक प्रतिष्ठान क्षतिग्रस्त हो गए। बताया जा रहा है कि यूक्रेन ने जवाबी हमले किए, जिसके कारण राजधानी में सुबह पांच बजे के आसपास जोरदार धमाके सुने गए। वहीं, हवाई हमले की चेतावनी सुबह छह बजकर 10 मिनट पर समाप्त हुई।

यह हाल के हफ्तों में यूक्रेन की राजधानी पर हुआ सबसे बड़ा हमला है। हालांकि, फिलहाल नुकसान का पता नहीं चला है। मलबा गिरने से लगी आग यूक्रेन की सेना ने बताया कि रूस ने हाइपरसोनिक और बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया। कीव के पार्षद विताली क्लिट्सको ने बताया कि वायु रक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई कर मिसाइलों को मार गिराया। इन मिसाइलों का मलबा शहर के विभिन्न हिस्सों में गिर गया, जिससे कम से कम तीन आवासीय इमारतों और पार्किंग स्थलों में आग लग गई। हमले को देखते हुए पहले से ही आपातकाली सेवाओं को सतर्क कर दिया गया था। सैन्य सहायता की आवश्यकता बता दें, हवाई हमला ऐसे समय में हुआ, जब रूसी सेना 600 मील से अधिक की सीमा रेखा के साथ कई स्थानों पर जमीनी हमलों के साथ आगे बढ़ रही है। इस हमले से एक दिन पहले ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि देश को हमलों से बचाने के लिए सैन्य सहायता की आवश्यकता है।

अरुणाचल प्रदेश पर अमेरिका ने चीन का दावा किया खारिज, पन्नूं मामले को बताया बेहद गंभीर

वॉशिंगटन। अमेरिका ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे को खारिज कर दिया है। अमेरिका ने कहा कि हम एकपक्षीय तरीके से सीमा में किसी भी तरह के बदलाव का सख्ती से विरोध करेंगे। दरअसल बीते दिनों पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था और वहां सेला टनल का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी के दौरे के बाद चीन ने बयान जारी कर प्रधानमंत्री के दौरे पर विरोध जताया था।

अमेरिका ने चीन का दावा किया खारिज

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा मानता है और हम एकपक्षीय कार्रवाई से एलएसी पर सैन्य या नागरिक तरीके से किसी भी तरह के बदलाव के खिलाफ हैं। पीएम मोदी के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर चीन के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि शीजांग (तिब्बत का चीनी नाम) चीन का अभिन्न हिस्सा है और चीन कभी भी अरुणाचल प्रदेश पर भारत के कथित कब्जे को कभी स्वीकार नहीं करेगा। चीन अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत का हिस्सा मानता है। हालांकि चीन के बयान के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी सख्त शब्दों में चीन को जवाब दिया और अरुणाचल प्रदेश पर चीन को आईना दिखाया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि चीन के रक्षा मंत्रालय द्वारा किया गया दावा पूरी तरह से बेतुका है। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

पन्नूं मामले में भारत के साथ मिलकर काम कर रहे

अमेरिका की सरकार ने कहा कि वे, गुरुपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश के मामले में भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बीते साल भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर खालिस्तानी आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नूं की

अमेरिका में हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा था। आरोप है कि निखिल गुप्ता, भारत सरकार के एक अधिकारी के साथ मिलकर पन्नूं की हत्या की साजिश रच रहा था। भारत की सरकार भी इस मामले की जांच कर रही है। अमेरिका के विदेश विभाग के अधिकारी डोनाल्ड लू ने संसद की विदेश मामलों की समिति को बताया कि हम भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि जो इसके पीछे हैं, उन्हें जवाबदेय ठहराया जाए।

डोनाल्ड लू ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच एक गंभीर मामला है। न्याय विभाग ने आरोप लगाया है कि भारतीय नागरिक, भारत सरकार के एक अधिकारी के कहने पर अमेरिका में एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रच रहा था। हम इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रहे हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ इस मामले पर संपर्क में हैं। भारत ने भी एक समिति गठित कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इसलिए 8 साल पुराने अभियानों को फिर से किया गया सक्रिय, पाकिस्तान ने बांग्लादेश से रची है यह साजिश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने एक बार फिर से बांग्लादेश के माध्यम से भारत के खिलाफ साजिशें रचनी शुरू कर दी हैं। इन साजिशों के तहत पाकिस्तान की आईएसआई और कुछ आतंकी संगठनों ने मिलकर स्थानीय पार्टी के नेताओं के साथ विशेष मुहिम को बढ़ाना शुरू किया है। खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक इस अभियान को पाकिस्तान लगातार हवा देकर भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में दूरी बनाने की कोशिश कर रहा है। एजेंसियों को इस बात के भी पुख्ता प्रमाण मिले हैं कि भारत के खिलाफ की जाने वाली इस साजिश में बीते एक दशक से कुछ कॉमन अभियान सामने आ रहे हैं। जो 2016 से भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। यही नहीं एजेंसी वाले पाकिस्तान के कई ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला है जो बांग्लादेश के नाम पर भारत के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश में भी मालदीव की तरह इंडिया आउट

अभियान को हवा दी जा रही है। बांग्लादेश में इस अभियान को आगे बढ़ाने वहां की विपक्षी पार्टी बीएनपी से जुड़े समर्थक और उनके कार्यकर्ता सामने आए हैं। खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश की बीएनपी को न सिर्फ आईएसआई बल्कि पाकिस्तान के कुछ आतंकी संगठन इस अभियान को बढ़ावा देने के लिए उकसा रहे हैं। बाकायदा इंडिया आउट अभियान के लिए न सिर्फ सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है, बल्कि भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कुछ पुराने हैश टैग को भी भारत के खिलाफ बढ़ाए जाने वाले अभियान के तौर पर देखा गया है। सूत्रों के मुताबिक हैशटैग इंडिया आउट का अभियान पाकिस्तान के मानी अब्दुल ने 5 सितबर 2020 को रात 8 बजकर 53 पर तैयार किया था। इसी हैशटैग को दोबारा बंगलादेश में आगे बढ़ाया जा रहा है। यही नहीं 28 अगस्त 2016 को रात 10 बजकर 40 मिनट पर कश्मीर में माहौल खराब करने के लिए शुरू किया हैशटैग अभियान बायकॉट इंडिया तैयार किया गया था। जिसको आठ साल बाद बांग्लादेश में भारत के खिलाफ बनाए जा रहे माहौल में इस्तेमाल किया जा रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियो से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इन सभी अभियान में पाकिस्तान की संलिप्तता सामने आ रही है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के आधार पर पता चला है कि 27 अगस्त को पीटीआई के अलीम खान ने बॉयकॉट इंडियन प्रोडक्ट्स नाम से सोशल मीडया पर हैश टैग अभियान शुरू किया था। इस अभियान को भी बांग्लादेश में भारत के खिलाफ बनाए जाने वाले माहौल में दोबारा शुरू किया गया है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों की ओर से तैयार किए गए अभियान को बांग्लादेश में बढ़ाए जाने पर न सिर्फ गंभीर चिंता व्यक्त की है। बल्कि पूरी घटना की जानकारी केंद्र सरकार से भी साझा की है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक भारत के खिलाफ बांग्लादेश में खड़े हो रहे इस बड़े अभियान में पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई का बड़ा हाथ है। खुफिया एजेंसियो को कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हाथ लगी है जिसमें भारत और बांग्लादेश के बेहतर रिश्तों को खराब करने में पाकिस्तान की साजिश का पता चला है। इस पूरे मामले में केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को ऐसे कई सोशल मीडिया अकाउंट भी पता चले हैं जो पाकिस्तान में रहकर बांग्लादेश के लिए इंडिया आउट का अभियान आगे बढ़ा रहे हैं। इस पूरे मामले को नजदीक से मॉनिटर कर रही खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं कि शुरुआती चरण में 55 ट्विटर अकाउंट को ट्रेस किया गया है जो भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को खराब करने में लगे हैं। ज्यादातर इन अकाउंट की लोकेशन इस्लामाबाद लाहौर कराची समेत पेशावर और अन्य पाकिस्तान के छोटे-छोटे शहरों की मिली है। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं यह वह अकाउंट हैं जो पाकिस्तान के इशारे पर पहले भी कई अन्य मामलों को आगे बढ़ाते रहे हैं। इसके अलावा बांग्लादेश के 140 ट्विटर अकाउंट की भी जानकारी केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के हाथ लगी है। जो भारत के खिलाफ माहौल बनाने में लगे हुए हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पूरे मामले में कई ऐसे खुलासे भी किए हैं जो बताते हैं कि गलत सूचनाओं के आधार पर एक बड़ा माहौल तैयार हो रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि रूपोन रज्जाक नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से भारत के खिलाफ ऐसा ट्वीट किया गया जिससे दोनों देशों की सेनाओं पर सवाल उठाए गए। यही नहीं रज्जाक के अकाउंट से कई ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट भी की गई जिससे दोनों देशों के रिश्तों के खराब होने के साथ-साथ माहौल बिगड़ने की परिस्थितियों पैदा हो गई।

नई दुल्हन ससुराल में नहीं मनाती पहली होली, जानिए क्या है कारण

होली हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है। हर साल फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा की रात को होलिका दहन किया जाता है। इसके अगले दिन रंगों का त्योहार यानी होली मनाई जाती है। होली को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। इन्हीं मान्यता में से एक मान्यता है कि शादी के बाद पहली होली नई बहू अपने मायके में ही मनाती है। आइए, जानते हैं कि इस मान्यता के पीछे क्या कारण है।

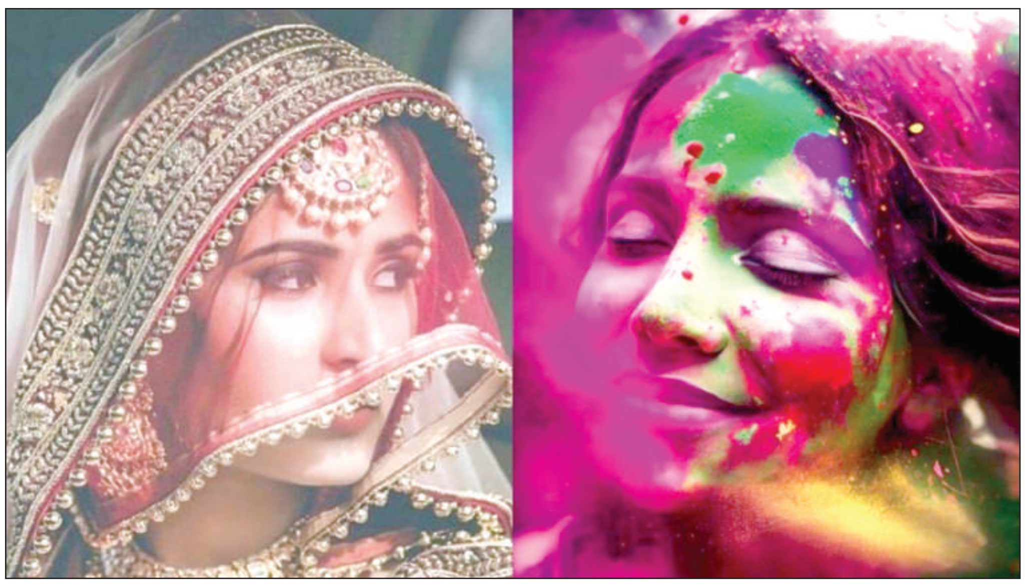

नई बहू ससुराल में क्यों नहीं मनाती पहली होली?

सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार नवविवाहित दुल्हन अपनी पहली होली अपने मायके में मनाती है। इसका कारण यह बताया जाता है कि पहली होली पर कभी भी सास-बहू को एक साथ होलिका दहन नहीं देखना चाहिए। इससे सास-बहू के रिश्ते में खटास आ सकती है।

ऐसा भी माना जाता है कि अगर कोई शादीशुदा जोड़ा पहली होली पत्नी के मायके में मनाता है, तो इससे नवविवाहित जोड़े के जीवन में खुशियां आती हैं। साथ ही उनके बच्चे भी स्वस्थ और भाग्यशाली होते हैं। इतना ही नहीं, ऐसा करने से दोनों परिवारों के बीच रिश्ता मजबूत होता है। इस कारण नवविवाहित पुरुष को भी शादी के बाद पहली होली अपने ससुराल यानि लड़की के मायके में मनानी चाहिए।

यह मान्यता भी है प्रचलित

नई बहू की पहली होली मायके में मनाने का एक और कारण यह भी है कि शादी के तुरंत बाद दुल्हन को ससुराल में सहज महसूस नहीं होता है। यही भी एक कारण है कि पहली होली मायके में ही मनाने की परंपरा है, ताकि इस त्योहार का आनंद अच्छे से उठाया जा सके। कई मान्यताओं के अनुसार, गर्भवती महिला को भी ससुराल में होली खेलने से मना किया जाता है। गर्भवती महिला को अपने मायके में ही होली मनानी चाहिए।

होली का महत्व

अष्टाँग योग का नियमित अभ्यास किसी भी मनुष्य को प्रह्लाद बना सकता है - वही प्रह्लाद जिसे हिरण्यकश्यप ने फाल्गुन मॉस की पूर्णिमा को, होलिका दहन में जलाकर मारने का प्रयास किया था। किन्तु उस रात की शक्ति ही कुछ ऐसी थी कि प्रह्लाद बिना जले बाहर आ गया और होलिका जलकर राख़ हो गयी।

पुराणों में निहित कथाएं ज्ञान का भंडार हैं। ज्ञान की प्राप्ति और दैविक शक्तियों का अनुभव गुरु द्वारा निर्धारित क्रियाओं और साधनाओं के नियमित अभ्यास से ही संभव हैं।

यह सृष्टि पांच तत्वों के संयोजन और सम्मिश्रण से उत्पन्न हुई है। पञ्च तत्वों में अग्नि विशेष महत्त्वपूर्ण है क्योंकि केवल इसी तत्व को दूषित नहीं किया जा सकता। इसके संपर्क में जो कुछ भी आता है वह शुद्ध हो जाता है। यही अग्नि, मनुष्य का उत्थान करने की क्षमता रखती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि ऋग वेद का पहला शब्द अग्नि ही है।

अग्नि की शक्ति को प्राप्त करने के लिए कुछ विशेष दिन बहुत महत्वपूर्ण हैं जिसमें होली भी एक है। इस दिन होलिका, प्रहलाद को लेकर अग्नि में बैठ गयी थी। किन्तु वह एक साधिका थी और अग्नि द्वारा उसके पवित्र होने का समय आ चुका था, इसलिए वरदान होते हुए भी अग्नि ने उसे स्वीकार कर लिया और प्रह्लाद, जो पहले से ही पवित्र था, बिना जले ही बाहर आ गया। एक पवित्र शरीर को अग्नि प्रभावित नहीं करती।

सनातन क्रिया में भी होली के दिन करने के लिए कुछ शुद्धिकरण प्रक्रिया दी गई हैं। इसमें साधक अपने चारों और अग्नि चक्र बना कर, गुरु द्वारा दिए गए मंत्र जप करते है जिससे तुरंत ही उनमे आत्मिक शुद्धि की प्रक्रिया आरंभ हो जाती है।

रविवार, 24 मार्च होली पर गुरुजी के साथ सीधा प्रसारण। होली के अवसर पर ध्यान आश्रम के साथ वैदिक यज्ञ में भाग लें ! आवाहन और पूर्णाहुति विश्व के सभी ध्यान फाउंडेशन केंद्रों पर एक साथ होगी।

अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

शुक्र प्रदोष व्रत के दिन करें ये खास उपाय, मिलने लगेंगे शुभ परिणाम

हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रदोष काल में आने वाली त्रयोदशी तिथि बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस तिथि पर भगवान शिव को समर्पित प्रदोष व्रत रखा जाता है। धार्मिक ग्रंथों में प्रदोष व्रत को बहुत उत्तम माना गया है। इस दिन भगवान शिव की आराधना करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में शुक्र प्रदोष व्रत के दिन कुछ खास उपाय कर लिए जाएं, तो जीवन की कई परेशानियों से छुटकारा मिलता है। साथ ही बिगड़े हुए काम बनने लगते हैं। फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी 22 मार्च को प्रातः 04:44 बजे शुरू होगी। यह तिथि 23 मार्च को सुबह 07 बजकर 17 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में प्रदोष व्रत 22 मार्च, शुक्रवार को रखा जाएगा। इस दौरान पूजा का शुभ समय शाम 6 बजकर 34 मिनट से रात 8 बजकर 55 मिनट तक रहेगा। यह व्रत शुक्रवार को पड़ रहा है, इसलिए इसे शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाएगा। क्र प्रदोष के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। इसके बाद भगवान शिव के सामने दीपक जलाएं। इसके बाद शाम को प्रदोष व्रत की पूजा शुरू करें और गाय के दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल आदि से शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन की सभी समस्याएं खत्म हो जाती हैं।

चंद्रमा को करें मजबूत

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा अशुभ स्थिति में हो, तो उस व्यक्ति को शुक्र प्रदोष व्रत के दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए। इसके बाद अपने माथे पर चंदन का तिलक भी लगाएं। इस प्रकार कुंडली में चंद्रमा की स्थिति को मजबूत किया जा सकता है।

मान-सम्मान में होगी वृद्धि

माना जाता है कि शिवलिंग पर दही चढ़ाने से जीवन में स्थिरता बनी रहती है। शिवलिंग पर गाय का घी चढ़ाने से बल में वृद्धि होती है। यह भी माना जाता है कि यदि शिवलिंग पर चंदन लगाया जाए, तो व्यक्ति के मान-सम्मान में वृद्धि होती है।

पांडव यहां करते थे महादेव की प्रार्थना

अनोखा है हस्तिनापुर का पांडेश्वर महादेव मंदिर

पांडेश्वर महादेव मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यहां हर साल महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की भक्तों की भीड़ लगती है। मंदिर का निर्माण विशालकाय है और इसका आकर्षण आस-पास के इलाकों से भी लोगों को आकर्षित करता है। इस मंदिर की स्थापना का इतिहास बहुत प्राचीन है और इसे महत्वपूर्ण होने का सामना करना पड़ा है, लेकिन हर बार उसे पुनर्निर्माण किया गया। इसके बावजूद, यह मंदिर अपनी सनातन और महत्वपूर्ण धार्मिक महत्वता को संरक्षित रखता है और लाखों शिव भक्तों को आकर्षित करता है। यहां की स्थापना विशेष रूप से शिवरात्रि के दिन भगवान शिव की उपासना के लिए महत्वपूर्ण है और इस दिन भक्तों की भीड़ यहां उमड़ती है। इस मंदिर के निकट स्थित सरयू नदी का

धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। यहां शिवरात्रि के अलावा भी विभिन्न पर्वों पर भक्तों की आत्मीयता और धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। इस मंदिर का दर्शन करने से लोगों का मन शांत होता है और उन्हें आत्मिक आनंद मिलता है।

पांडेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास :

पांडेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित है और इसे भगवान शिव को समर्पित किया गया है। मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना भगवान शिव के पुत्र भगवान कार्तिकेय (स्कंद) ने की थी। इसके निर्माण के समय का अनुमानित काल संगम काल माना जाता है, यानी इसका निर्माण लगभग 8वीं या 9वीं शताब्दी के आसपास हुआ था।

पांडेश्वर महादेव मंदिर को इतिहास में कई बार नष्ट भी धार्मिक महत्व है, और यहां कई और शिव मंदिर हैं जो भक्तों को आकर्षित करते हैं।

पांडेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी है भक्तों की आस्था:

पांडेश्वर महादेव मंदिर के चारों ओर की शांति और स्थिरता का अनुभव करने के लिए लोग यहां आते हैं। यहां के पावन वातावरण में ध्यान और ध्यान की अद्भुत वातावरण मिलता है, जो मन को शांति और संतुलन प्रदान करता है। मंदिर की स्थापना स्थानीय ऐतिहासिक कथाओं और पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी है, जिससे यहां का वातावरण और भक्ति की ऊर्जा से ओतप्रोत होता है। यहां के प्राचीन शिवलिंग को पूजा जाता है और लोग अपनी मनोकामनाओं को पूरा करने की कामना करते हैं। पांडेश्वर महादेव मंदिर एक आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र है जो लोगों को ध्यान, संयम और शांति की प्राप्ति में मदद करता है।

इन 3 राशियों के रिश्ते ज्यादा समय तक नहीं टिकते

दांपत्य जीवन में आती है परेशानी

मनुष्य अपने जीवन में रिश्तों को सबसे ज्यादा महत्व देता है। अक्सर लाख कोशिशों के बावजूद रिश्ते लंबे समय तक टिक नहीं पाते हैं। यह एक सामान्य अपेक्षा है कि कोई शख्स जीवन भर आपका साथ निभाए, लेकिन कुछ लोगों के रिश्ते लंबे समय तक टिकते नहीं है। उन्हें प्रेम और वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस लेख में कुछ राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें रिश्ते निभाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

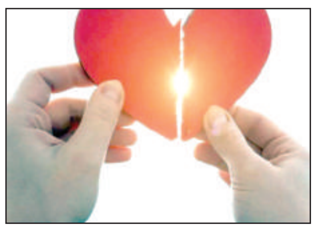

सिंह राशि–ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सिंह राशि के जातक स्वार्थी होते हैं। ये अपने प्रियजनों पर तब ध्यान देते हैं जब उन्हें उनसे प्रतिफल मिलता है। वे उन चीजों को समय देते हैं, जिनसे फायदा होता है। सिंह राशिवालों में ईमानदारी की कमी होती है। इस स्वभाव के कारण इन लोगों का रिश्ता ज्यादा समय तक टिक नहीं पाता है।

कुंभ राशि– वैदिक ज्योतिष के अनुसार, रिश्तों के लिहाज से कुंभ अस्थिर राशि है। इस राशि के जातक स्वभाव से खुले विचारों वाले होते हैं। उनका मन बदलता रहता है। वह अपनी कही हुई बात पर कायम नहीं रहते। ये स्वभाव से अच्छे होते हैं। ये अक्सर अपने साथी को समय देने के बजाय अपने ही ख्यालों में खोए रहते हैं।

तुला राशि–तुला राशि के जातक तुरंत किसी पर भरोसा नहीं करते हैं। इनमें समर्पण की भावना होती है। ये जिन लोगों को पसंद करते हैं उनके लिए कुछ भी करते हैं। हालांकि इनके अविश्वासी स्वभाव के कारण इनका रिश्ता ज्यादा समय तक चल नहीं पाता है। इस राशिवालों से ईमानदारी की उम्मीद नहीं की जाती है।

पैसा कमाने में माहिर होते हैं इन राशि के लोग शनि की कृपा से बनते हैं बड़े बिजनेसमैन

ज्योतिष शास्त्र में 27 नक्षत्र, 12 राशियां और 9 ग्रहों का वर्णन है। इन राशियों का व्यक्तित्व और स्वभाव एक-दूसरे से अलग होता है। सभी राशियों पर अलग-अलग ग्रहों का शासन होता है। आज हम आपको उन राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो पैसा कमाने में माहिर हैं। साथ ही ये अच्छे नीति निर्माता होते हैं। इन लोगों पर शनि महाराज की कृपा रहती है। आइए जानते हैं ये कौन-सी राशि के जातक हैं।

मिथुन राशि– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मिथुन राशि वाले पैसे वाले होते हैं। साथ ही काफी प्रभावित होते हैं। ये लोग जरूरी चीजों पर ही पैसा खर्च करते हैं। भविष्य के लिए अच्छा धन संचय करने में सफल होते हैं। इस राशि के जातक अच्छी योजनाएं बनाते हैं। इसके अलावा काफी व्यवहारिक होते हैं।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातक अपना बजट और प्लानिंग पहले से कर लेते हैं। उसी के अनुसार पैसे खर्च करते हैं। ये लोग समय के पाबंद होते हैं। इन्हें लापरवाही बिल्कुल पसंद नहीं होती है। इस राशि के लोग जो काम हाथ में लेते हैं उसे समय पर पूरा करते हैं। वे अच्छे निवेशक भी माने जाते हैं। इन्हें कभी पैसे की कमी नहीं होती।

मकर राशि– मकर राशि के जातक पैसा कमाने और बचाने में माहिर माने जाते हैं। साथ ही मेहनती होते हैं। इन लोगों की योजनाएं भी सफल होती हैं। साथ ही उनका टारगेट हर महीने पैसे बचाना होता है। ये लोग स्वाभिमानी होते हैं।

अपने बेटे के लिए चुनें खाटू श्याम से प्रेरित ये नाम, देखने को मिलेगा लाभ

खाटू श्याम जी को तीन बाण धारी हारे का सहारा जैसे कई नामों से जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार खाटू श्याम जी को भगवान कृष्ण का ही कलयुगी अवतार माना गया है। खाटू श्याम जी का मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में स्थित है जहां उनके दर्शनों के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में आप अपने लाडले के लिए खाटू जी से प्रेरित नाम चुन सकते हैं।

आजकल बच्चों के लिए धार्मिक नाम रखने का चलन बढ़ गया है। ऐसे में यदि आप अपने बेटे का कोई धार्मिक नाम रखना चाह रहे हैं, तो इसके लिए आप खाटू श्याम जी के यह नाम चुन सकते हैं। हिंदुओं में खाटू श्याम जी की विशेष मान्यता बनी हुई है। आइए जानते हैं बेटों के लिए खाटू श्याम जी ऐसे नाम, जो यूनिक होने के साथ-साथ मॉर्डन भी लगते हैं। साथ ही जानते हैं इन नामों का अर्थ।

खाटू श्याम जी से प्रेरित नाम

श्री श्याम - खाटू श्याम जी को श्री श्याम कहकर भी पुकारा जाता है। क्योंकि महाभारत के युद्ध में अपने शीश का दान करने पर उन्हें भगवान ने सर्वश्रेष्ठ वीर की उपाधि दी। साथ ही अपना नाम श्याम भी उन्हें दिया। ऐसे में आप अपने बेटे के लिए खाटू जी का यह नाम भी चुन सकते हैं। यह नाम आपके लाडले के लिए विशेष लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

अच्युत - यदि आप अपने बेटे का नाम 'अ' अक्षर से रखना चाहते हैं, तो अच्युत नाम चुन सकते है। अच्युत का अर्थ होता है भगवान। यह नाम काफी चलन में है, ऐसे में आप अपने बेटे को ये यूनिक नाम दे सकते हैं।

केशव - खाटू श्याम जी के सबसे लोकप्रिय नामों में से एक नाम केशव भी है। यह नाम सुनने में बहुत ही प्यारा लगता है। जिसके लंबे और सुंदर बाल हो उसे केशव कहा जाता है।

निरंजन - यदि आप अपने बेटे को खाटू श्याम जी से प्रेरित नाम देना चाहते हैं, तो आपके बेटे के लिए निरंजन नाम भी अच्छा रहने वाला है। निरंजन का अर्थ होता है जिस पर कोई कलंक न हो।

द्रविण - जिसका कोई शत्रु न हो उसे द्रविण कहा जाता है। ऐसे में आप अपने बच्चे के लिए यह नाम भी चुन सकते हैं, जो सुनने में भी बहुत अच्छा लगता है।

घर की छत पर न रखें ये चीजें आर्थिक संकट से हो जाएंगे परेशान

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में घर में रखी हर चीज वास्तु के अनुसार ही रखनी चाहिए। वरना नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर की छत पर कुछ चीजों को नहीं रखना चाहिए। इन चीजों के छत पर रखे होने से परिवार पर बुरा असर होता है। इतना ही नहीं, व्यक्ति को दुर्भाग्य का सामना करना पड़ता है।

घर की छत पर कूड़ा

बहुत से लोग घर की छत पर कूड़ा आदि रखते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करना बिल्कुल भी सही नहीं है। इसके अलावा छत पर पुरानी रद्दी और कागज रखना भी अशुभ प्रभाव डालता है। इस तरह देवी लक्ष्मी की नाराजगी का भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्ति को पैसों से जुड़ी समस्याएं आने लगती हैं।

ऐसे पेड़-पौधे न रखें

कई लोगों को घर की छत पर पेड़-पौधे आदि लगाना पसंद होता है। ऐसे में अगर छत पर भी पेड़-पौधे हैं, तो ध्यान रखें कि खराब पेड़-पौधे जिन पर दूध मिट्टी जमा हो गई हो, उन्हें छत पर बिल्कुल भी न रखें। आपको छत पर लगाए जाने वाले पेड़-पौधों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

इन चीजों को न रखें

ऐसा माना जाता है कि आपको छत पर झाड़ू, जंग लगा लोहा, टूटी हुई लकड़ी आदि चीजों को संग्रहित करने से बचना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। इसके अलावा छत पर रस्सियों का बंडल रखना भी वास्तु शास्त्र में अशुभ माना जाता है। इस कारण व्यक्ति को अशुभ परिणाम प्राप्त होने लगते हैं।

जीवन यात्रा को दिखाता है शो सावधान इंडिया अपनी खाकी में मेरा किरदार : तन्वी मल्हारा

शो सावधान इंडिया अपनी खाकी में एक तेजतर्रार सब-इंस्पेक्टर प्रगति देशमुख की भूमिका निभाने वाली एक्?ट्रेस तन्वी मल्हारा ने कहा कि उनका किरदार उनकी खुद की जीवन यात्रा को दिखाता है।अपने किरदार के में बात करते हुए तन्वी ने कहा, ऑडिशन के समय पुलिसकर्मी का यह किरदार बेहद कठिन लग रहा था। अभिनय के प्रति मेरे जुनून के कारण यह संभव हो पाया।उन्होंने कहा, ऐसे क्षण थे जब मुझे अपने संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कई दृश्यों दौरान मुझे लगा कि मैं टूट रही हूं। लेकिन दृढ़ता के साथ मैंने यह सब किया।तन्वी सपनों को लगातार आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर देती हैं।एक्?ट्रेस ने आगे कहा, बाधाओं के बावजूद मैंने हमेशा एक कलाकार बनने की ख्वाहिश रखी है। इसी तरह मेरा किरदार प्रगति कभी भी से पीछे नहीं हटती, और वह मजबूती मुझमें भी झलकती है।उनका किरदार युवा महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का प्रतीक है।तन्वी मल्हारा ने कहा, मैं पहले अपने निर्णय के लिए दूसरों पर निर्भर रहती थी। लेकिन अब, मैं अपनी पसंद खुद चुनने और परिणामों का डटकर सामना करने की ताकत हूं। सावधान इंडिया अपनी खाकी स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

शो से निकालने पर प्रतीक्षा होनमुखे ने मेकर्स को दिया करारा जवाब

पोस्ट में कही 'सच्चाई' की बात

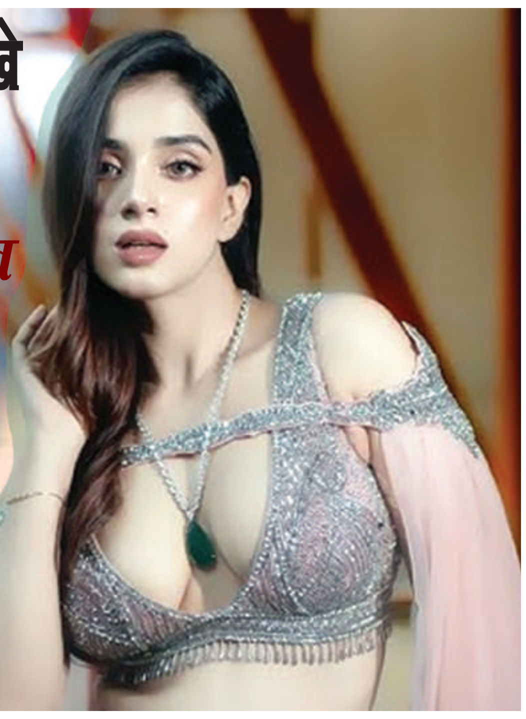

टीवी का पॉपुलर सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' काफी समय से सुर्खियां बटोर रहा है। ये सीरियल काफी समय से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। सीरियल में कई बार कहानी और कैरेक्टर्स में बदलाव किए गए हैं। शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' एक बार फिर चर्चा में आ गया है। दरअसल हाल ही में सीरियल में अरमान और रूही का किरदार निभाने वाले शहजादा धामी और प्रतीक्षा होमनुखे को शो के मेकर्स ने बाहर निकाल दिया है। शो के मेकर राजन शाही ने दोनों को उनके अनप्रोफेशनल बिहेवियर के चलते शो से बाहर किया है। इस खबर ने दोनों के फैंस और दर्शकों को हैरान कर दिया है। शहजादा धामी और प्रतीक्षा होमनुखे को शो से बाहर निकाले जाने की खबर इंस्टाग्राम पर आग की तरह फैल रही है। शो से बाहर होने के बाद प्रतीक्षा होमनुखे ने अपने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

रीम शेख को डर है कि कोई उनकी कॉफी के साथ छेड़छाड़ न कर दे

स्ट्रीमिंग शो रायसिंघानी वर्सेज रायसिंघानी में अंकिता रस्तोगी की भूमिका में नजर आने वाली एक्ट्रेस रीम शेख ने अपने बारे में एक खास बात शेयर की।एक्ट्रेस शो में एक तेज-तर्रार वकील का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि वह उन लोगों की कॉफी के साथ छेड़छाड़ करती हैं, जिन्हें वह पसंद नहीं करती। एक्ट्रेस एक कॉफी लवर हैं, उन्हें इस बात का डर है कि कहीं लोग उनकी कॉफी के साथ भी छेड़छाड़ न कर दें।रीम के मुताबिक, अंकिता का किरदार निभाना मजेदार है, वह स्मार्ट, मजबूत और स्वतंत्र है, जिसे जे-नजेड पसंद करेगा। उसकी एक आदत है, जिस पर मुझे गुस्सा आता है, जो अपनी बात रखने का एक रचनात्मक तरीका है। वह कहती है कि कॉफी लवर होने के नाते मुझे इस बात से डर लगता है कि जैसे मैं लोगों की कॉफी से छेड़छाड़ करती हूं, कहीं मेरी कॉफी के साथ भी ऐसा न हो जाए।उन्होंने आगे कहा, कहानी में एक मजेदार मोड़ आता है, जब मैं और मेरे दोस्त कॉफी से छेड़छाड़ के तरीके को एक मजाक में बदल देते हैं। यह सब बहुत मजेदार होता है और हम इस पर हंसे बिना नहीं रह सकते। हालांकि, मुझे लगता है कि मेरे दोस्त भी थोड़े डरे हुए हैं, वे अंकिता की रणनीति से अवगत हैं और वे जानते हैं कि मैं चुनौती से पीछे हटने वालों में से नहीं हूं।रायसिंघानी वर्सेज रायसिंघानी सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रहा है।

कंगुवा का दमदार टीजर हुआ रिलीज

खूंखार लुक में दिखे सूर्या और बॉबी देओल

साउथ सिनेमा के कुछ कलाकार ऐसे जिनकी फिल्मों का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। उन अभिनेताओं की सूची में सूर्या का नाम लिस्ट में टॉप पर बना रहता है। सूर्या की अपकमिंग फिल्मों में कंगुवा मौजूद है, जिसकी चर्चा काफी लंबे समय से चली आ रही है। अब तक कंगुवा के कई सामने आ चुके हैं, जिनको देखकर प्रशंसकों का क्रेज काफी बढ़ा हुआ है और अब उनका ये क्रेज दोगुना होने वाला है। क्योंकि सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पाटनी स्टारर कंगुवा का टीजर लॉन्च कर दिया गया है।आपको बता दें कि फिल्म मेकर्स की तरफ से इस बात का पहले ही कर दिया गया था कि आज यानी 19 मार्च को कंगुवा का टीजर रिलीज किया जाएगा। तय समय के अनुसार, सूर्या की मोस्ट अवेटेड फिल्म कंगुवा का टीजर सामने आ गया है। इस टीजर में सूर्या और बॉबी देओल एक दम से अलग और खूंखार अंदाज में रहे हैं।खासतौर एनिमल फिल्म से धमाकेदार वापसी करने वाले बॉबी फिल्म कंगुवा के इस टीजर में धांसू लुक में नजर आ रहें हैं। इन दोनों एक्टर के खतरनाक लुक इस लेटेस्ट वीडियो में आसानी से देखने को मिल जाएगी। इस टीजर से ये अनुमान लगाया जा सकता है कि की कंगुवा एक अलग और अनोखी कहानी दर्शाने वाली है।यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए अभिनेत्री दिशा पाटनी तमिल सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।प्रशंसक पिछले कुछ दिनों से फिल्म की एक झलक देखने का कर रहे थे, जो खत्म हो चुका है।कंगुवा को 38 भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। ऐसा पहली बार होगा, जब कोई तमिल फिल्म 38 भाषाओं में दर्शकों के बीच आएगी।बताया जा रहा है कि डायरेक्टर शिवा के निर्देशन में कंगुवा को इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता।

शाहरुख खान ने ली उर्फी जावेद संग सेल्फी

तस्वीर देख हक्के बक्के रह गए ट्रोल्स

बिग बॉस ओटीटी से नाम कमाने वाली एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपनी यूनिक ड्रेसेस को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। अभी हाल ही में उर्फी जावेद के फिल्मी दुनिया में डेब्यू करने की खबर भी सामने आई थी। इसके बाद से उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। उर्फी जावेद टीवी की दुनिया के कई शोज में धमाल चुकी हैं। अब इन सब के बीच उर्फी जावेद की एक फोटो सामने आई है। इस तस्वीर में इस तस्वीर में उर्फी जावेद बॉलीवुड के सुपरस्टार के साथ नजर आ रही हैं। उर्फी जावेद की इस तस्वीर को देखने के बाद हर कोई हैरान है।

उर्फी जावेद ने शाहरुख खान संग शेयर की तस्वीर

उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली एक्ट्रेसेस में से एक है। उर्फी जावेद अपने नए-नए लुक से लोगों को हैरान कर देती हैं। इसी बीच उर्फी जावेद की एक तस्वीर ने लोगों को हैरान कर दिया है। इस तस्वीर में उर्फी जावेद बॉलीवुड के जाने-माने स्टार शाहरुख खान के साथ नजर आ रही हैं। इस वायरल हो रही तस्वीर को उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया है। इस तस्वीर में शाहरुख खान सेल्फी लेते हुए नजर आ रहे हैं। उर्फी जावेद और शाहरुख खान की इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर गदर काट दिया है। इस तस्वीर को उर्फी जावेद ने अपनी सबसे फेवरेट तस्वीर बताया है। तो चलिए बिना देर किए देखते हैं उर्फी जावेद और शाहरुख खान की ये वायरल फोटो।

रमजान के पाक महीने में सानिया मिर्जा ने परिवार संग की इफ्तारी

तलाक के बाद खुशी का सहारा बना बेटा

टेनिस स्टार सानिया मिर्जा क्रिकेटर शोएब मलिक से तलाक लेने के बाद से काफी चर्चा में हैं। सानिया मिर्जा तलाक के बाद से सोशल मीडिया हैंडल से एक के बाद तस्वीरें शेयर कर रही हैं। अब इसी बीच सानिया मिर्जा ने तलाक के बाद पहली बार अपने परिवार संग फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में सानिया मिर्जा अपने बेटे और परिवार के साथ इफ्तारी करती हुई नजर आ रही हैं। इन वायरल हो रही तस्वीरों में सानिया काफी खुश दिखाई दीं।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में सूट पहने दिखाई दीं।

सानिया मिर्जा का ये देसी लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा के इस अंदाज पर फैंस फिदा हो गए।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में अपने बेटे के साथ मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा और उनके बेटे की तस्वीर को यूजर्स जमकर शेयर कर रहे हैं।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में नो मेकअप लुक में दिखाई दे रही हैं। सानिया मिर्जा का नो मेकअप लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है।सानिया मिर्जा इस लुक में बेहद हसीन लग रही हैं। सानिया मिर्जा के इस लुक के लोग दीवाने हो गए। सानिया मिर्जा इस तस्वीर में मिरर सेल्फी लेती हुई नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा क इस तस्वीर ने फैंस का दिल जीत लिया।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में रमजान के पाक महीने में परिवार संग इफ्तारी करती हुई नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा की इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर गदर काट दिया है। सानिया मिर्जा इस तस्वीर में अपने बेटे संग काफी खुश नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा के बेटे की क्यूटनेस को लेकर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा 'सानिया मिर्जा के लाडले बेहद क्यूट हैं।

केट शर्मा ने सिजलिंग साड़ी पहन दिए सेक्सी पोज

टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान हाई कर दिया है. हर बार की इस बार भी उन्होंने इंस्टाग्राम पर हॉट वीडियो शेयर किया है. केट शर्मा ने पीच कलर की सिजलिंग साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना है, लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दे रही हैं. एक्ट्रेस का यह वीडियो मीडिया पर लगे हाथ वायरल होने लगा है. केट शर्मा ने पीच कलर की सिजलिंग साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना है, लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दे रही हैं. एक्ट्रेस का यह वीडियो सोशल मीडिया में होने के बाद फैंस का दिल मचलने लगा है.टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान हाई कर दिया है. हर बार की तरह इस बार भी उन्होंने इंस्टाग्राम पर हॉट वीडियो शेयर किया है. केट शर्मा भले ही फिल्मों में सफल नहीं हो पायी लेकिन अपनी खूबसूरती और हॉटनेस से कई बालीवुड़ अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ती नजर आती है। साथ ही फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमन

दौसा सीट पर सचिन पायलट और किरोड़ीलाल मीणा की साख दांव पर! ऐसा है चुनावी गणित

दौसा/जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए राजस्थान में भाजपा ने 15 और कांग्रेस ने 10 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। कांग्रेस और भाजपा की एक और लिस्ट जल्द ही जारी हो सकती है। ऐसे में अब निगाहें पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के गढ़ दौसा लोकसभा सीट पर है। क्योंकि कांग्रेस के इस दिग्गज नेता के भरोसे पूर्वी राजस्थान में पार्टी पूरे दमखम के साथ उतरने के लिए तैयार है। जबकि कैबिनेट मंत्री और दौसा के कद्दावर नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीणा भी बड़ी चुनौती हैं। फिलहाल इस सीट पर दोनों ही पार्टी ने उम्मीदवारों का एलान नहीं किया है।

बता दें कि ऐसे में हर किसी कि निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि दौसा लोकसभा सीट से किसको मौका दिया जाएगा? ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा इस बार दौसा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काटकर किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगहमोन को टिकट दे सकती है। वहीं, कांग्रेस की ओर से पायलट कैंप के विधायक मुरारीलाल मीणा के मैदान में उतरने की संभावना है। पिछले लोकसभा चुनाव में मुरारीलाल मीणा की पत्नी बहुत ही कम मतों से हारी थीं। लेकिन इस बार यहां कठिन मुकाबला देखने को मिल सकता है।

पायलट का गढ़ मानी जाती है दौसा सीट

दौसा लोकसभा सीट को सचिन पायलट का गढ़ माना जाता है। उनके पिता राजेश पायलट यहां से सांसद रहे चुके हैं। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और कद्दावर नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीण की भी दौसा पर अच्छी पकड़ है। हालांकि, दोनों ही पार्टियों ने इस सीट के लिए किसी भी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है।

पिछले दो आम चुनावों में भाजपा ने प्रदेश की सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार कांग्रेस हर हाल में भाजपा की जीत की हैट्रिक को रोकना चाहेगी।

कांग्रेस को पायलट पर भरोसा

कांग्रेस सचिन पायलट के जरिए पूर्वी राजस्थान की इस सीट पर जीत जरूर दर्ज करना चाहेगी। दौसा से वर्तमान में भाजपा की जसकौर मीणा सांसद हैं। माना जा रहा है कि भाजपा इस बार जसकौर की जगह किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन को टिकट दे सकती है। इधर, कांग्रेस सचिन पायलट के करीबी माने जाने वाले विधायक मुरारीलाल मीणा को टिकट दे सकती है। बताते चलें, साल 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार बेहद कम मतों से जसकौर मीणा से हारी थी। लेकिन, इस बार माना जा रहा है कि दोनों पार्टियों के बीच सीट पर रोचक मुकाबला हो सकता है।

इधर आचार संहिता चल रही, उधर दम पर दम शराब मिल रही

सिरोही,21 मार्च (एजेंसियां)। सिरोही में आबूरोड रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बरेली-भुज आला हजरत एक्सप्रेस ट्रेन में चार बैग और एक प्लास्टिक के कट्टे में छुपाकर ले जाई जा रही 2.8 लाख रुपये कीमत की राजस्थान निर्मित देशी शराब पकड़ी गई है। यह ट्रेन के जनरल कोच में लावारिस हालत में मिली है। सबसे बड़ी एवं खास बात यह है कि ट्रेन में बीते 24 घंटे में शराब तस्करी का दूसरा मामला है। इससे एक दिन पूर्व रेलवे पुलिस द्वारा ट्रेन के स्लीपर क्लास में सफर कर रहे एक यात्री के पास से गुजरात ले जाई जा रही शराब जब्त कर उसे गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल, रेलवे सुरक्षा बल द्वारा पकड़ी गई शराब अग्रिम कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दी गई है।

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर शराब की तस्करी की रोकथाम के लिए आबूरोड रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक विकास कुमार की अगुवाई में सहायक उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार, आरक्षी वेदप्रकाश एवं योगेन्द्र कुमार की टास्क टीम द्वारा बरेली-भुज आला हजरत एक्सप्रेस के आबूरोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 2 पर आगमन पर तलाशी ली गई। इस दौरान ट्रेन के जनरल कोच में टॉयलेट के पास लावारिस हालत में चार बैग और एक प्लासिटक का कट्टा रखे हुए मिले।

कोच में मौजूद यात्रियों से इनके बारे में पूछताछ के दौरान अनभिज्ञता जताने पर रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों द्वारा इन्हें अपने कब्जे में लेकर खोला गया।

इस दौरान चार बैग में राजस्थान निर्मित देशी शराब रॉयल विस्की के 288 पाउच 180 एमएल प्रत्येक, कुल 51840 एमएल व प्रत्येक की अंकित अधिकतम कीमत 86 रुपये होना पाया। एक प्लास्टिक के कट्टे में राजस्थान निर्मित देशी शराब व्हाइट लेस के कुल 180 पव्वे 180 एमएल प्रत्येक, कुल 32400 एमएल व प्रत्येक की अंकित अधिकतम कीमत 84 रुपये, कुल 84240 तथा कुल कीमत 39888 रुपये होना पाया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा पकड़ी गई शराब अग्रिम कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दी गई है।

इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम से हो रही आचार संहिता अनुपालना की मॉनिटरिंग, 24 घंटे निगरानी रखी जा रही

झुंझुनूं ,21 मार्च (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले में आदर्श आचार संहिता की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के लिए एकीकृत नियंत्रण कक्ष के माध्यम से 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल व निर्वाचन आयोग से नियुक्त हुए व्यय पर्यवेक्षक जया गणेश ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 118 में संचालित बहुउद्देशीय नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान व्यय पर्यवेक्षक व जिला निर्वाचन अधिकारी ने सी-विजिल एवं वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की जानकारी प्राप्त कर उनके निस्तारण के संबंध में भी अपडेट लिया।उन्होंने इन्टीग्रेटेड कंट्रोल रूम में सी-विजिल एप, टोल फ्री नम्बर एवं नियंत्रण कक्ष के नम्बर पर प्राप्त होने वाली शिकयतों का निर्धारित समय में निराकरण करने एवं चुनाव संबंधी सूचनाओं से उच्च अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल ने बताया कि प्राप्त शिकायत पर प्रशासन द्वारा 100 मिनट में कार्रवाई करवाना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन नम्बर 1950 की टीम भी इस कंट्रोल रूम से काम कर रही है। इस दौरान एकीकृत नियंत्रण कक्ष के प्रभारी अधिकारी एडीएम रामरतन सौंकरीया, तकनीकी प्रभारी डीओआईटी के संयुक्त निदेशक घनश्याम गोयल व प्रकोष्ठ से संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

विनय सहस्त्रबुद्धे बने राजस्थान के चुनाव प्रभारी

सतीश पूनिया संभालेंगे हरियाणा

जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी ने की लोकसभा चुनावों को लेकर तीन राज्यों में चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी की घोषणा कर दी है। विनय सहस्त्रबुद्धे को राजस्थान का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। वहीं, प्रवेश वर्मा, विजया राहटकर को सहप्रभारी बनाया गया है। सतीश पूनिया हरियाणा का चुनाव प्रभारी और सुरेंद्र सिंह नागर को हरियाणा का सहप्रभारी बनाया गया है। वहीं, अरुण सिंह को प्रभारी और सिद्धार्थनाथ सिंह को आंध्र प्रदेश का सहप्रभारी बनाया गया है।

लोकसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग के तय शेड्यूल के अनुसार इस बार आम चुनाव 19 अप्रैल 2024 से शुरू होकर 04 जून तक सात चरणों में पूरे किए जाएंगे, जिसमें राजस्थान में दो चरणों में वोटिंग पूरी की जाएगी। राजस्थान में 19 अप्रैल को पहले चरण का चुनाव होना है, जबकि 26 अप्रैल को दूसरे चरण के लिए मतदान कराया जाएगा। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नामांकन का दौर 20 मार्च से शुरू हो गया है। पहले चरण वाली सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के लिए 27 मार्च तक नामांकन किए जा सकते हैं।

राजस्थान बीजेपी को बड़ा झटका, वसुंधरा राजे के करीबी नेता कांग्रेस में शामिल

जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता प्रहलाद गुंजल ने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। गुरुवार दोपहर राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य के पूर्व सीएम अशोक गहलोत की मौजूदगी में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई है।

इस दौरान कांग्रेस कार्यालय गुंजल की जय-जयकार से गूंज उठा। गुंजल के अलावा 'मोदी का परिवार' छोड़कर आज नरेश मीणा, सुनील परिहार और फतेह मोहन भी कांग्रेस में शामिल हो गए। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुए इस फेरबदल को राजस्थान बीजेपी के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

वसुंधरा के करीबी रहे हैं गुंजल

गुंजल पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के भी निकट रहे हैं। पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में गुंजल ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस गुंजल को कोटा-बूंदी संसदीय सीट से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सामने चुनाव लड़वाएगी।

'हाड़ौती का शेर है' के नारों के बीच कांग्रेस ज्वाइन करने वाले प्रहलाद गुंजल ने कहा, आज मैंने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। मैं भाजपा का 40 साल पुराना कार्यकर्ता रहा हूं। विद्यार्थी के रूप में भाजपा ज्वाइन करने से लेकर मैंने दो बार विधायक बनने तक का सफर तय किया है। इस लंबी यात्रा में अब ये महसूस होने लगा है कि देश में भय का वातावरण है, जिस प्रकार की स्थितियां लगातार हमारे सामने एक के बाद एक उपस्थित होती जा रही हैं। सत्ता की ताकत के बलबूते आम आदमी का आवाज का दबा देना और कुचल देने की प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए चुनौती बन गई है। मैं हमेशा ये बात कहता हूं कि अपने ऊपर भरोसा रखो, लोकतंत्र में सरकारें सुरक्षा की गारंटी होती हैं, भय का कारण नहीं। लेकिन जब-जब सरकार भ्रष्टाचारी बने तो उसके नौजवान कार्यकर्ता को हिम्मत और हौंसले के साथ उसका मुकाबला करना चाहिए।

गुंजल ने आगे कहा, आज देश जोर-जुल्म-राजनीति का चरित्र बन गया है। इसीलिए खरीददारी के इस दौर में खुद्दार लोग अपना अस्तितव बचाने के लिए एकजुट जब तक नहीं होंगे, भारत की राजनीति का चेहरा खराब हो जाएगा। धारा में सिर्फ मरी हुई मछलियां बहती हैं, जिंदा मछली धारा के विपरीत बहती है। जो भाजपा चाल-चरित्र-चेहरे की बात किया करती थी, वो आज केवल एक ढकोसला बनकर रह गई है, अब वो चीजें खत्म हो गई हैं।बीजेपी लगातार हमला बोलते हुए गुंजल ने आगे कहा, कोटा की राजनीति में आज एक व्यक्ति के परिवार का कब्जा हो गया। इसीलिए आज भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और सिद्धांत से जुड़ा हुआ खुद्दार कार्यकर्ता खून के आंसू बहा रहा है। वो केवल इस बात का नैतिक साहस नहीं जुटा पा रहा था कि वो अपनी जल धारा को त्यागकर जुर्म के खिलाफ खड़े हो जाए।

रिश्वत लेते हुए नगर परिषद का गृह कर शाखा इंचार्ज व दुकानदार गिरफ्तार, एसीबी ने की कार्रवाई

हांसी,21 मार्च (एजेंसियां)। हांसी नगर परिषद के गृह कर शाखा इंचार्ज भूप सिंह व परिषद के बाहर चाय की दुकान चलाने वाले एक दुकानदार को एसीबी हिसार की टीम ने रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया। प्रॉपर्टी आईडी को दुरुस्त करने के लिए 5 हजार रुपये की रिश्वत के साथ दोनों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई उमरा गेट के एक दुकानदार सुमित कथूरिया की शिकायत पर की गई। सुमित के अनुसार इंचार्ज भूप सिंह ने उसके प्लॉट की प्रॉपर्टी आईडी में नाम दर्ज करवाने व जगह को ठीक करने के लिए 6 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जिसमें से एक हजार रुपये 19 मार्च को दे चुका था। बाकी के पांच हजार वीरवार को देने थे। सुमित ने बताया कि वह यह रकम लेकर गृह कर शाखा में पहुंचा।

जहां पर भूप सिंह ने उसे कार्यालय के बाहर बनी चाय की दुकान पर यह राशि रखने के लिए कहा। भूप सिंह के कहे अनुसार उसने यह राशि बाहर दुकान पर रख दी। सुमित ने बताया कि भूप सिंह के रिश्वत मांगने की वीडियो बना ली थी। टीम ने कार्रवाई करते हुए दुकानदार से 5 हजार रुपये बरामद किए। वहीं भूप सिंह व चाय की दुकान चलाने वाले दुकानदार धर्मवीर उर्फ नानू को गिरफ्तार कर लिया।

टीम द्वारा भूप सिंह व दुकानदार से पूछताछ भी कई गई। सुमित द्वारा बनाई गई वीडियो टीम को सौंपी गई। सूचना मिलने के बाद काफी संख्या में पार्षद व शहर के लोग वहां एकत्रित हो गए। इस दौरान लोगों ने एसीबी टीम के समक्ष परिषद के अधिकारियों व कर्मचारियों पर इस तरह के कामों में रिश्वत मांगने के आरोप लगाए। टीम ने उनसे इस मामले में सबूतों सहित कार्यालय में शिकायत लेकर आने के लिए कहा।

हाल ही में भाजपा में शामिल नेता के आवास पर ईडी ने दी दस्तक देर रात तक कार्रवाई जारी

कुरुक्षेत्र/शाहाबाद,21 मार्च (एजेंसियां)। हाल ही में भाजपा में शामिल हुए समाजसेवी संदीप गर्ग के आवास पर गुरुवार को ईडी की टीम ने दस्तक दी। दोपहर को शुरू हुई यह कार्रवाई समाचार लिखे जाने तक जारी रही। जानकारी के मुताबिक चंडीगढ़ एस्टेट ऑफिस की वरिष्ठ सहायक अधिकारी सरोज कुमारी के नेतृत्व में करीब सात से आठ सदस्यों की टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान हुडा चौकी प्रभारी महेश कुमार भी अपनी टीम के साथ मौके पर रहे।

हालांकि देर शाम तक जारी रही इस कार्रवाई के दौरान टीम ने क्या हासिल किया, यह स्पष्ट नहीं हो सका, लेकिन बताया जा रहा है कि जब टीम नेशनल हाईवे के समीप स्थित आवास पर पहुंची तो उक्त नेता एवं समाजसेवी भी मौजूद थे। यह भी बताया जा रहा है कि टीम को मुख्य दरवाजा न खुलने पर पीछे के दरवाजे से आवास के अंदर पहुंची। उधर संबंधित समाजसेवी एवं भाजपा नेता से प्रयास के बावजूद संपर्क नहीं हो सका।

ब्लैकमेल कर राहगीरों को लूटने वाली 6 नाइजीरियन समेत 14 युवतियां अरेस्ट

फगवाड़ा,21 मार्च (एजेंसियां)। फगवाड़ा जीटी रोड पर रात के समय राहगीरों को ब्लैकमेल कर लूटने वाली छह नाइजीरियन समेत 14 युवतियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना सतनामपुरा की पुलिस ने दो अलग-अलग केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। इन युवतियों के कब्जे से राहगीरों से लूटी 2700 रुपये की नकदी भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार में कुछ युवतियों जिस्मफरोशी के धंधे में भी संलिप्त हैं। फगवाड़ा पुलिस ने इससे पहले दो अलग-अलग मामलों में 32 युवतियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें 14 नाइजीरियन, थाइलैंड व घाना से संबंधित थी।

जानकारी के अनुसार चौकी चहेडू के इंचार्ज एसआई दर्शन भट्टी की अगुवाई में थाना सतनामपुरा की पुलिस ने फगवाड़ा के गांव महेडू में लॉ गेट पर नाकाबंदी की थी। इस दौरान दो व्यक्तियों वरिंदर सिंह निवासी बुड्ढा थेह ब्यास व अरविंदर कुमार उर्फ साबी निवासी नानक नगरी थाना सतनामपुरा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि लॉ गेट के समीप युवतियां भोले-भाले लोगों को अपने झांसे में फंसा जिस्मफरोशी व ब्लैकमेल कर रही हैं।

पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर शिकायतकर्ताओं के बताए स्थान से 14 युवतियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा नंबर 39-40 के तहत आईपीसी की धारा 384 ,506 व 341 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। थाना सतनामपुरा के एसएचओ गौरव धीर ने बताया कि उक्त युवतियां रात के समय में जालंधर से लॉ गेट आती थी और लोगों को चाकू व तीखे हथियार दिखाकर ब्लैकमेल कर लूटती थी। जब कोई इनका विरोध करता तो उन्हें डराती थी कि वह उन्हें झूठे मामले में फंसा देगी।

एसपी फगवाड़ा रुपिंदर कौर व डीएसपी जसप्रीत सिंह ने बताया कि पकड़ी गई युवतियों स्टूडेंट नहीं हैं। छह युवतियों नाइजीरिया व घाना की रहने वाली हैं। इनके वीजा वैध हैं या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

आज का राशिफल

मेष - चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे- आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। आज आप पुरस्कृत होगे या सराहे जाएगें। दाम्पत्य जीवन मे बहुत स्नेह बढेगा।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। जब आप समूह में हों तो ध्यान रखें कि आप क्या कह रहे हैं, बिना ज़्यादा समझे-बूझे अचानक कहे गए शब्दों के चलते आप कड़ी आलोचना के शिकार हो सकते हैं। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा।

मिथुन - क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज बहतर दिन हैं।

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. आज के इस ख़ुबसूरत दिन प्रेम-संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं - कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। जीवनसाथी का साथ बढीया खाने का लुत्फ उठाएंगे ।

सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आप महसूस करेंगे कि आपके दोस्त सहयोगी स्वभाव के हैं- लेकिन बोलने में सावधानी बरतें। सावधान रहें, कोई आपसे अपना काम निकालकर अपना उल्लू सीधा कर सकता है। लेखक और मीडियाकर्मी बड़ी ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। कोई रोचक पुस्तक पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट-पट हो सकती है।

कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। नई योजनाएँ आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का ज़रिया साबित होंगी। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ समय बिताए।

तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। शाम ढलते-ढलते कोई काम का बोझ आप को चिंतित कर सकता हैं आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। घर में कुछ बदलाव आपको काफ़ी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएँ उनके सामने ज़ाहिर करने में क़ामयाब रहेंगे जो आपके लिए ख़ास हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद उठाएंगे।

धनु - ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस-पास के लोगों को दुःखी कर सकती है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के साथ अपनी बातों को साझा करें।

मकर - भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है । अच्छा दिन है, क्योंकि आपको अपने लक्ष्यों को पाने के लिए बेहतरीन मौक़े मिलेंगे। आईटी से जुड़े लोगों को विदेश से बुलावा आ सकता है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आज आपको जीवनसाथी के साथ पर्याप्त समय मिल सकता है।

मीन - दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा-सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा-स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 22 मार्च 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी अहोरात्र
नक्षत्र : मघा उत्तर रात्रि 04:29 तक
योग : धृति सायं 06:33 तक
करण : कौलव सायं 06:05 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत,
होलाष्टक चालू हैं , खरमास चालू हैं

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

केके पाठक के आदेश से भड़के छात्र सड़क पर

भाजपा-जदयू के दिग्गज नहीं कर पा रहे सामना

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में पहले कॉलेजों में ही इंटरमीडिएट की पढ़ाई होती थी। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के आदेश पर अब एक अप्रैल से इंटर की पढ़ाई सिर्फ हाईस्कूल में होगी। कॉलेज में नहीं। होना यह चाहिए था कि जिस सत्र में बच्चे पढ़ रहे हैं, उसके बाद एडमिशन नहीं लिया जाता। लेकिन, मनमाने फैसलों के लिए चर्चित केके पाठक ने आदेश दिया कि जो कॉलेज में भी पढ़ रहे, उन्हें स्कूलों में ट्रांसफर कर दिया जाए। छात्रों का विरोध इसी बात पर है कि वह कॉलेज में फी दे चुके, अब स्कूल में ट्रांसफर के लिए कहां से पैसा लाएंगे।

बड़ा संकट यह भी है कि बिहार बोर्ड ने ओएफएसएस विंडो के जरिए आ-वेदन की प्रक्रिया भी शुरू करा दी है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया है कि जिस स्कूल में सीट होगी- वहां ही एडमिशन लिया जाएगा। संकट यही है कि शहरी क्षेत्रों के अच्छे सरकारी स्कूलों या

निकटवर्ती स्कूलों में सीटें भरी होंगी तो इनका आवेदन दूर वाले स्कूलों या चौपट स्कूल में कराना होगा। इसी के गुस्से में अलग-अलग कॉलेजों के सामने सड़क जाम करने के बाद बुधवार को पटना में बोर्ड ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया गया। कोई असर नहीं पड़ा तो आज सत्तारूढ़ जनता दल यूनाईटेड और भारतीय जनता पार्टी के दफ्तरों के बाहर हंगामा करने लगे।

बारहवीं की छात्राओं ने आज जदयू और भाजपा के दफ्तर का घेराव किया। सैकड़ों की संख्या में छात्र और छात्राओं ने वीरचंद्र पटेल रोड में हंगामा किया। छात्र-छात्राओं का आरोप है कि हमलोगों की 11वीं की पढ़ाई हो चुका है। 12वीं में हमलोग एडमिशन ले चुके हैं। कॉलेज को पैसे भी दे चुके हैं। इसके बावजूद हमारे सारे पैसे बर्बाद कर दिए गए। यह अन्याय है। बिहार सरकार फौरन इस मामले में गंभीरता से ले और जांच करे। छात्राओं ने नीतीश कुमार के खिलाफ नारे लगाए। छात्राओं को हटाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

सोमवार को बोरिंग रोड स्थित एएन कॉलेज में 11वीं के छात्र का नाम काट दिया गया था। इनकी संख्या 2000 से अधिक है। इस कारण छात्रों में आक्रोशित होकर हंगामा करने लगे। आक्रोशित छात्रों ने जमकर हंगामा किया और कॉलेज गेट के पास बोरिंग रोड को जाम कर दिया। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने की कोशिश करने लगे। जब छात्रों ने उनकी बात नहीं सुनी तो पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। इसके बाद छात्राएं सीएम आवास के पास चली गईं। सीएम हाउस के गेट के पास छात्राएं बैठ गईं और प्रदर्शन करने लगीं।

हथियार के बल पर बैंक में 25 लाख रुपये की लूट

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में एक बार फिर अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दिनदहाड़े एक लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया है। अपराधियों ने नगर थाना क्षेत्र के सबसे पॉश इलाके हर हर महादेव चौक स्थित एचडीएफसी बैंक में हथियार के बल पर तकरीबन 20 से 25 लाख रुपए की लूट की एवं मौके से फरार हो गए।

हालांकि घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर बेगूसराय के एसपी मनीष एवं अन्य थानों की पुलिस ने पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की है एवं सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तकरीबन 5 की संख्या में हथियारबंद अपराधी पहले एचडीएफसी बैंक में घुसे और उसके बाद बैंक कर्मियों को बंधक बना लिया एवं उनके साथ मारपीट की। हालांकि अपराधियों के द्वारा किसी कस्टमर के साथ दुर्व्यवहार करने की बात सामने नहीं आई है। लेकिन अपराधियों ने तीन बैंक कर्मियों के साथ मारपीट की, जिससे उन्हें हल्की-फुल्की चोटें भी आई हैं।

इधर, एसपी मनीष ने दावा किया है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी कर ली जाएगी। लेकिन अगर गौर करें तो तकरीबन 1 वर्ष पूर्व तेघरा थाना क्षेत्र के तेघरा एनएच 28 के समीप पंजाब नेशनल बैंक में भी अपराधियों ने लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया था एवं एक वर्ष पूर्व अपराधियों के द्वारा बेगूसराय में सीरियल गोलीकांड की घटना को भी अंजाम दिया गया था।

पूर्व सीएम राबड़ी देवी के भाई को कोर्ट ने दी जमानत

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू यादव की पत्नी रबड़ी देवी के भाई और पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष यादव को कोर्ट ने राहत दी है। उन्हें एमपी एमएलए कोर्ट के स्पेशल जज विनय प्रकाश तिवारी की अदालत से जमानत दे दिया गया। करीब 37 दिन जेल में रहने के बाद सुभाष यादव को जमानत मिली। दरअसल, निचली अदालत में सुभाष यादव ने जमानत के लिए याचिका दायर की थी। लेकिन, यहां से उनकी याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद स्पेशल कोर्ट में जमानत की याचिका दायर की। यहां से सुभाष यादव को जमानत मिल गई।

दरअसल, पूर्व के मामलों को लेकर सुभाष यादव फरार चल रहे थे। इससे पूर्व में पुलिस द्वारा एयरपोर्ट थाना अंतर्गत उनके फ्लैट

में कुर्की-जब्ती से पूर्व इश्तहार भी चिपकाए गए थे। इसके बाद भी जब उन्होंने न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं किया। 13 फरवरी को दानापुर पुलिस भारी पुलिस बल के साथ सुभाष यादव के घर की संपत्ति की कुर्की-जब्ती करने के लिए पहुंची थी। इसी को ध्यान में रखते हुए सुभाष यादव ने उसी दिन यानी 13 फरवरी को पटना के एमपी-एमएलए न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था।

पुलिस के अनुसार, सुभाष यादव पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और रंगदारी के एक मामले में जेल जाना पड़ा था। आरोप है कि पूर्व सांसद ने भीम वर्मा की मां से 96 लाख रुपये में अपनी पत्नी के नाम पर सात कट्ठा जमीन खरीदी थी। भीम ने आर-ोप लगाया कि 27 फरवरी 2021 से उसपर 60 लाख रुपये वापस करने को लेकर दबाव बनाया जा रहा है।

पैसे नहीं देने पर उनकी मां और भाई को सुभाष यादव ने अपने घर में बंधक बना लिया था और पैसा वापस नहीं करने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। इसके बाद पीड़ित ने सीएम नीतीश कुमार के जनता दरबार में न्याय की गुहार लगाई। इसके बाद सीएम के आदेश पर सुभाष यादव और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

महागठबंधन में सीट बांटे बगैर प्रत्याशी को सिंबल दिया!

लालू ने क्या कहा, वह भी बता रहे कुशवाहा

पटना (एजेंसियां)।

तमाम तरह के कयासों के विपरीत इंडी गठबंधन में औरंगाबाद की लोकसभा सीट राष्ट्रीय जनता दल के खातें में चली गई है। पार्टी सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने गुरुवार की शाम ही सीएम नीतीश की पार्टी (जदयू) को छोड़कर राजद में शामिल हुए टेकारी के पूर्व विधायक अभय कुशवाहा को सिंबल दे दिया है। इस बात की पुष्टि किसी और ने नहीं बल्कि खुद अभय कुशवाहा ने 'अमर उजाला' की है।

औरंगाबाद से लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए राजद का सिंबल मिलने की बात करते हुए अभय कुशवाहा ने कहा कि लालू जी ने मुलाकात के दौरान उनसे कहा कि याद हैं, न पुराना बाता। हमरे नेता बनावल हो ना। एक बार पीठ ठोंके थे, तब टेकारी से विधायक बने थे। अबकी बार फिर ठोक के तुमको औरंगाबाद भेज रहे हैं। जाओ

जीत के आओगे।

अभय कुशवाहा ने कहा कि लालू जी से आर्शीवाद मिलने के बाद उनकी पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से भी बात हुई। तेजस्वी ने उनसे कहा कि महागठबंधन की सरकार में जब नीतीश कुमार के साथ था तो उनका साया बनकर काम किया। जमकर काम किया। युवाओं को रोजगार के लिए काम किया। उन्हे रोजगार दिया। बिहार के विकास के लिए काम किया। नीतीश जी अलग हो गए। बिहार में विकास के काम पर ब्रेक लग गया। राज्य को फिर से आगे बढ़ाना है। युवाओं को आगे बढ़ाना है। नया बिहार बनाना है। बिहार में आनेवाला वक्त युवाओं का है। निश्चित तौर बिहार आगे बढ़ेगा। आप भी औरंगाबाद में युवाओं को साथ लेकर आगे बढ़िए। कहा कि लालू और तेजस्वी से मिलने और सिंबल मिलने के बाद 21 मार्च की शाम में वें औरंगाबाद आ रहे हैं। कार्यकर्ताओं के साथ बैठेंगे। चुनाव की रणनीति पर चर्चा होगी और 28 मार्च को नामांकन करेंगे।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह विपक्ष पर हुए हमलावर, कहा-

ये लोकतंत्र की मर्यादा को भंग कर रहे हैं

मुंगेर (एजेंसियां)।

भाजपा नेता सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मर्यादा विपक्षियों के द्वारा पूरी तरह से भंग की जा रही है। यही वजह है कि आज कोई भी प्रधानमंत्री की तुलना औरंगजेब से कर रहा है तो राजद के विधायक उनकी कनपटी में गोली मारने की बात कह रहे हैं।

भारत के लोकतंत्र में यदि अभिव्यक्ति की आजादी दी है तो कुछ इसके दायरे भी बरकरार किए गए हैं, लेकिन आज प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे हुए एक संत एवं फकीर व्यक्ति के संबंध में आपत्तिजनक बातें हो रही हैं। इसके लिए चुनाव आयोग को भी सख्त कदम उठाना चाहिए एवं ऐसे नेताओं एवं दल को प्रतिबंधित कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए।

वहीं दूसरी ओर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने वेतनमान का भी स्वेक्षा से दान कर देते हैं। जो स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों के काम में आता है। वहीं आईएसआई एजेंट की गिरफ्तारी के संबंध में उन्होंने कहा कि इस पर किसी विपक्ष की जुबान नहीं खुलेगी। यहां तो पूरी तरह से भारत को कमजोर करने की साजिश की जा रही है। आज हरियाणा के रेहान नामक व्यक्ति की भी संलिप्तता सामने आई है एवं उसे भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस एवं देश की सुरक्षा संस्थाएं अपना काम कर रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ता रहेगा।

फिल्म बनाने के नाम पर 40 लाख रुपये की ठगी

आरोपी को पुलिस ने मुंबई से किया गिरफ्तार

जहानाबाद (एजेंसियां)।

पूरा मामला कड़ौना थाना क्षेत्र का है, जहां 2020 को थाना क्षेत्र के हरपुरा के रहने वाले एक युवा प्रोड्यूसर ने सीतामढ़ी के कुंडल छपरा निवासी और मुंबई में रहकर फिल्म डायरेक्शन का काम करने वाले धीरेन्द्र उर्फ धीरू यादव के खिलाफ लालटेन नाम की फिल्म बनाने के नाम पर चालीस लाख रुपए ठग लेने का एक मामला दर्ज कराया था।

इस मामले की गहराई से छानबीन के बाद पुलिस ने कई जगहों पर दबिश दी, अंततः झांसे बाज फिल्म डायरेक्टर को मुंबई से गिरफ्तार कर कोर्ट में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया है। पीड़ित के परिजनों ने बताया कि धीरू यादव मुंबई में रहकर फिल्म निर्माण का कार्य किया करता था। उसने कड़ौना के रहने वाले पप्पू यादव से संपर्क साध कर लालटेन नाम की फिल्म बनाने की बात कही और फिल्म से संबंधित कहानी सुनाई।

डायरेक्टर धीरू यादव ने पप्पू यादव से इस कहानी का प्रोड्यूसर और डिस्ट्रीब्यूटर बनने की बात कहकर कई टर्म में तकरीबन 40 लाख रुपए ले लिए और फिल्म का निर्माण भी कर दिया। फिल्म बन जाने के बाद धीरू यादव स्वयं उस फिल्म को डिस्ट्रीब्यूट करने लगा, जबकि प्रोड्यूसर पप्पू यादव पूरी फिल्म बन जाने का इंतजार ही करता रह गया।

जब काफी दिनों के बाद उसे ठगे जाने अंदेशा हुआ तो उसने कड़ौना थाना में फिल्म निर्देशक और सीतामढ़ी जिला के रहने वाले धीरू यादव पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करा दी। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांचोपरांत धीरू यादव को दोषी पाते हुए मुंबई से गिरफ्तार कर जहानाबाद कोर्ट में प्रस्तुत किया।

जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस संबंध में एसडीपीओ ने बताया कि वर्ष 2020 में कड़ौना थाना में दर्ज मामले के आधार पर धीरू यादव की गिरफ्तारी हुई है।

इंटर के छात्रों को डिप्टी सीएम का भरोसा

केके पाठक का आदेश रद्द होगा, बिहार बोर्ड का विज्ञापन भी

पटना (एजेंसियां)।

जिन छात्र-छात्राओं ने इंटरमीडिएट के लिए 11वीं में दाखिला ले लिया है या पढ़ रहे हैं, उन्हें कॉलेज से हटाने का बिहार के शिक्षा विभाग का आदेश रद्द किया जाएगा। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर विभागीय अपर सचिव के हस्ताक्षर से 21 फरवरी को संकल्प जारी हुआ था, जिसके तहत इंटर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का दाखिला अप्रैल की पहली तारीख से खत्म हो जाना है। ऐसे छात्र-छात्राओं को

कॉलेज की जगह हाईस्कूलों में दाखिला लेने का आदेश जारी किया गया था। इसी आदेश को देखते हुए बिहार बोर्ड ने ऑनलाइन फैसिलिटेशन सिस्टम फॉर स्टूडेंट (ओएफएसएस) के जरिए कॉलेज से स्कूल में दाखिले की प्रक्रिया का विज्ञापन भी जारी कर दिया था। अब जब इसके खिलाफ हंगामा बढ़ा तो आखिरकार भारतीय जनता पार्टी कोटे से बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऐसी प्रक्रिया को रद्द करने का भरोसा दिलाया है।

बारहवीं की छात्राओं ने आज जदयू और भाजपा के दफ्तर का घेराव किया। सैकड़ों की संख्या में छात्र और छात्राओं ने वीरचंद्र पटेल रोड में हंगामा किया। छात्र-छात्राओं का आरोप है कि हमलोगों की 11वीं की पढ़ाई हो चुका है। 12वीं में हमलोग एडमिशन ले चुके हैं। कॉलेज को पैसे भी दे चुके हैं। इसके बावजूद हमारे सारे पैसे बर्बाद कर दिए गए। यह अन्याय है। बिहार सरकार फौरन इस मामले में गंभीरता से ले और जांच करे। छात्राओं ने नीतीश कुमार के खिलाफ नारे लगाए। छात्राओं को हटाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com